



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16]

नई दिल्ली, शनिवार, भावेल 21, 1979/वैशाख 1, 1901

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 21, 1979/VAISAKHA 1, 1901

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संलग्न भी जाती है जिससे कि यह वलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्त मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्यसभे प्रशासनों को छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांख्यिक प्रावेश और संविसूचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

आवेदन

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1979

का० ना० 1250.—यतः, निर्वाचन आयोग का रामाधान हो गया है कि कर्मचारी, 1978 में दूर गहारालू विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 205 द्वारा (म०गा०) निर्वाचनसेवा संचालन लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कौवले नीलकंठ हुलाजी, म०गा० गोडावरी, ता० उद्धीर महाराष्ट्र, शोर प्रतिनिधित्व प्रतिनियम, 1951 नवा नदीनी वडा गा० नियमों द्वारा आवित सभाने निर्वाचन आयोग का कोई भी नेत्रा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्बन्धित सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अवकाश स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीक नहीं है;

यतः, अब, उक्त अधिनियम का धारा 10-के अनुमरण में निर्वाचन आयोग एवं द्वारा उक्त श्री कौवले नीलकंठ हुलाजी को संसद के किसी भी सदन के या फिरी गठन की विधान सभा सभ्यता विधान परिषद् के सदस्य बने जाने और होने के लिए इस आवेदन की नारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्वित घोषित करता है।

[पं० महा०विभ०/२०५/७८(१२०)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

ORDERS

New Delhi, the 20th March, 1979

S.O. 1250.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kamble Nilkanth Hulaji, At & P.O. Tondchira, Udgir taluk, Maharashtra a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 205-Her (SC) constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kamble Nilkanth Hulaji to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/205/78(120)]

का० ना० 1251.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1978 में दूर महाराष्ट्र विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 208-पर्याप्त निर्वाचनसेवा से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार

श्री डो वसन्तराव साहेबराव, मुऱ्यो. चिंचपूर डो, ता० भूम, महाराष्ट्र, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्विन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीष्म यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए, कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायाचित नहीं है;

अतः, ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री डो वसन्तराव साहेबराव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० महा०-वि०स०/208/78 (121)]

S.O. 1251.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Dhage Vasantrao Sahebrao, At & P.O. Chinchpur Dhage, Bhoom taluk, (Maharashtra) a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 208-Paranda constituency, has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Dhage Vasantrao Sahebrao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/208/78(121)]

का०आ० 1252.—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि फरवरी, 1978 में हुए महाराष्ट्र विधान सभा के लिए माधारण निर्वाचित के लिए 137-नागपुर परिषद निर्वाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती सुनंदा आत्माराम उर्फ आत्माराम पडोले, मार्फत श्री गुणवन्त कामदी, गोपालनगर, नागपुर लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्विन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रही है;

ग्रीष्म यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायाचित नहीं है;

अतः, ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती सुनंदा आत्माराम उर्फ आत्माराम पडोले को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० महा०-वि०स०/137/78 (122)]

S.O. 1252.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Sunanda Atmaram Alias Asaram Padole, C/o Shri Gunwant Kamdi, Gopalnagar, Nagpur, a contesting candidate for General Election to the Maharashtra Legislative Assembly held in February, 1978 from 137-Nagpur West constituency has failed to lodge an account of her election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shrimati Sunanda Atmaram Alias Asaram Padole to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. MT-LA/137/78(122)]

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1979

का०आ० 1253.—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि कारवारी, 1978 में हुए आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 82-नुज्विन निर्वाचित-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री कोली वारापरासावे राव, कोयूर तालुक नुज्विन, जिला कुण्डा (आन्ध्र प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्विन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीष्म यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायाचित नहीं है;

अतः, ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री कोली वारापरासावे राव को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रावेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के सिए निरर्हित घोषित करता है।

[सं० आ०प्र०-वि०स०/32/78 (21)]

New Delhi, the 21st March, 1979

S.O. 1253.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Kollu Varaprasada Rao, Koyyuru, Taluk Nuzvid, District Krishna, (Andhra Pradesh), a contesting candidate for General Election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 82-Nuzvid constituency, has failed to lodge the account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Kollu Varaprasada Rao to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/82/78(21)]

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1979

का०आ० 1254.—यतः, निर्वाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचित के लिए 90-बीरापन्डी निर्वाचित क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री धार० बीरापन्डी, पुत्र शामासामी गोडेर, गनापोदी पालायाम, प०० मारामगंगालायपती, जिला सलेम (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तद्विन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निर्वाचित व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

ग्रीष्म यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्यक सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं

दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायामित्य नहीं है;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री आर० वीरामानन्द को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख को तीन वर्ष की कालावधि के लिए नरहत घोषित करता है।

[सं० त०न०वि०स०/६९/७७ (16)]

New Delhi, the 22nd March, 1979

S.O. 1254.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri R. Viruppannan, S/o Ramasami Gounder, Ganapathy Palayam, Maramangalathupatty Post Salem-13 (Tamil Nadu), a contesting candidate for election to the Tamil Nadu Legislative Assembly from 90-Veerapandi constituency held in June, 1977, has failed to lodge any account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri R. Viruppannan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/90/77(16)]

नई विली, 23 मार्च, 1979

का०खा० 1255.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 69-वृद्धाचलम सभा निर्वाचन-ओब्ल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सी० थम्बुस्वामी, गंगाकोनडॉन, ईस्ट स्ट्रीट नेवेली, तालुक वृद्धाचलम, जिला विकाश प्रकाटि, (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रधित रीति में ग्रामने निर्वाचन व्यवों का लेखा वालित करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और, निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायामित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सी० थम्बुस्वामी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त०न०वि०स०/६९/७७(17)]

New Delhi, the 23rd March, 1979

S.O. 1255.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri K. Kantharajan of 48 Flumichui village, U. Mangalam Post, Vridhachalam Taluk, South Arcot District, (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held in June, 1977 from 69-Vridhachalam assembly constituency, has failed to lodge an account of his

election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri K. Kantharajan to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/69/77(17)]

का०खा० 1256.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि जून, 1977 में हुए तमिलनाडु विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन के लिए 69-वृद्धाचलम सभा निर्वाचन-ओब्ल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री सी० थम्बुस्वामी, गंगाकोनडॉन, ईस्ट स्ट्रीट नेवेली, तालुक वृद्धाचलम, जिला विकाश प्रकाटि, (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा नदीन बनाए गए नियमों द्वारा प्रधित रीति में ग्रामने निर्वाचन व्यवों का लेखा वालित करने में असफल रहे हैं;

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्पर्क सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निर्वाचन आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायामित्य नहीं है;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग एतद्वारा उक्त श्री सी० थम्बुस्वामी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान-सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त०न०वि०स०/६९/७७(18)]

S.O. 1256.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri C. Thambuswamy of Gangajkondan East Street, Neyveli, Vridhachalam Taluk, South Arcot District, (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held in June 1977 from 69-Vridhachalam assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for such failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri C. Thambuswamy to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/69/77(18)]

नई विली, 26 मार्च 1979

का०खा० 1257.—यतः, निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नवमी 1978 में हुए प्राथम प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण विधान-ओब्ल से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्रीमती हुमन वेम पन्नी श्री अम्बुल ग्रामन श्री कासीकुमा

पोस्ट, ताल्सुक पलासा, जिला श्रीकाकुलम (आनंद प्रदेश) लोक प्रतिनिधित्व आधिनियम, 1951 सभा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्यवों का लेखा दाखिल करने में असफल रही है।

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्भक्षण सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः यह, उक्त अधिनियम की द्वारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्रीमती दुर्सीत बेगम को संसद के निसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाकारी के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० आनंद-वि०सं०/३/७८ (२३)]

New Delhi, the 26th March, 1979

S.O. 1257.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shrimati Hussana Begam W/o. Shri Abdul Rahaman Khan, Kasibugga Post, Palasa Taluk, Srikakulam District (Andhra Pradesh), a contesting candidate for general election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly held in February, 1978 from 3-Tekkali assembly constituency has failed to lodge the account of her election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notices has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that she has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri mati Hussana Begam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. AP-LA/3/78(23)]

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1979

का०खा० 1258.—यतः, निवाचित आयोग का समाधान हो गया है कि जून 1977 में दुर्ग तमिलनाडु विधान सभा के लिए माध्यारण निवाचित के लिए 176-वेडाराण्यम सभा निवाचित-संसद से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री जी० वेंकटचालम, 65, वेस्ट स्ट्रीट, वेदारनयाम, जिला एन्जायूर (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 सभा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित अपने निवाचित व्यवों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और, यतः, उक्त उम्मीदवार ने, उसे सम्भक्षण सूचना दिये जाने पर भी, अपनी इस असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है, और निवाचित आयोग का यह भी समाधान हो गया है कि उसके पास इस असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः यह, उक्त अधिनियम की द्वारा 10-के अनुसरण में निवाचित आयोग एतद्वारा उक्त श्री जी० वेंकटचालम को संसद के निसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालाकारी के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं० त०न०-वि०सं०/१७८/७७ (२२)]

प्रारंभ से,

श्री० नागसुब्रमण्यम, सचिव

New Delhi, the 30th March, 1979

S.O. 1258.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri G. Venkatachalam, 65, West Street, Vedaranayam, District Thanjavur (Tamil Nadu), a contesting candidate for general election to the Tamil Nadu legislative assembly held

in June, 1977, from 176-Vedaranayam assembly constituency, has failed to lodge an account of his election expenses in the manner required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidate, even after due notice, has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri G. Venkatachalam to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

[No. TN-LA/176/77(22)]

By order,

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1979

भाष्य-कार

का०खा० 1259.—केन्द्रीय मरमार, भाष्य-का० अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 10 की उपधारा (23) के बारे (५) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “अपैणा ट्रस्ट, कर्नाल” के निर्धारण वर्ष 1975-76 के लिए और से उक्त शार्ग के प्रयोजनार्थ प्राप्तिसूचित करती है।

[मं० २७३२/का०मं० १९७/२१२/७७ आ०क० (६०-१)]

जे० पी० शर्मा, निदेशक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd February, 1979

(INCOME-TAX)

S.O. 1259.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies 'Arpana Trust, Karnal' for the purpose of the said Section for and from the assessment year 1975-76.

[No. 2732/F. No. 197/212/77-IT(AI)]

J. P. SHARMA, Director

(आर्थिक भाष्य विभाग)

(वैकाश प्रभाग)

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1979

का०खा० 1260.—मार्तीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की द्वारा 8 की उपधारा (1) के बारे (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भी उसी लाल माफेत विवेकानन्द केन्द्र, विवेकानन्दवुरम, कल्याणमारी (तमिलनाडु) को एतद्वारा 2 प्रत्रैम, 1979 से मार्तीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड में निवेशक के रूप में नामित करती है।

[संख्या एक० ७/२/७८-वी० आ०-१ (१)]

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 2nd April, 1979

S.O. 1260.—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of Sub-section (1) of Section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government

hereby nominates Shri Chhedi Lal, C/o Vivekananda Kendra, Vivekanandapuram, Kanyakumari (Tamil Nadu) to be the Director of the Central Board of the Reserve Bank of India, with effect from 2nd April, 1979.

[No. F. 7/2/78-BO. I(1)]

का० आ० 1261.—भारतीय रिजर्व बैंक प्रधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा सेंटर फार डेवलपमेंट स्टडीज, ट्रिवेस्टम (केरल) के फैलो बॉर्ड के० एन० राज को डॉ० ए० एम० खुसरो के स्थान पर 2 अप्रैल, 1979 से भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय बोर्ड में निवेशक के रूप में नामित करती है।

[संख्या एफ० 7/2/78-बी० ओ०-१ (2)]

S.O. 1261.—In exercise of the powers conferred by Clause (c) of Sub-section (1) of Section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby nominates Dr. K. N. Raj, Fellow of the Centre for Development Studies, Trivandrum (Kerala) to be the Director of the Central Board of the Reserve Bank of India, with effect from 2nd April, 1979 vice Dr. A. M. Khuro.

[No. F. 7/2/78-BO. I(2)]

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1979

का० आ० 1262.—भारतीय स्टेट बैंक (अनुबंधी बैंक) प्रधिनियम, 1959 (1959 का 38) की धारा 26 की उपधारा 2 (क) के साथ पठित धारा 25 की उप धारा (1) के खण्ड (ग औ) के अनुसरण में भीर भारत सरकार के वित मंदालय के आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 31 भार्ष, 1978 की प्रधिगूवना संख्या एफ० 8/15/78-बी० ओ० 1 (4) में अंशतः संशोधन करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा स्टेट बैंक ऑफ बैंक मैसूर के पश्चिम यूटिलिटी बॉर्ड के प्रबन्धक (प्रधिकारी प्रेस्ट-1) श्री के० एन० नरसिंह मूर्ति को श्री टी० एस० शंकरन के स्थान पर स्टेट बैंक ऑफ मैसूर के उन कार्यालयों में से जो कि कामगार नहीं है, अप्रैल, 1979 के चौथे दिन से आरम्भ होने वाली भीर अप्रैल, 1982 के साथ से दिन को समाप्त होने वाली 3 वर्ष की प्रवधि के लिए स्टेट बैंक ऑफ मैसूर के एक निवेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 8/3/79-बी० ओ० 1]

च० आ० भीरखदामी, भवर मन्त्रिक

New Delhi, the 4th April, 1979

S.O. 1262.—In pursuance of clause (cb) of Sub-section (1) of Section 25 read with Sub-section (2A) of Section 26 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959 (38 of 1959) and in partial modification of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) No. F. 8/15/78-BO. I(4), dated the 31st March 1978, the Central Government hereby appoints Shri K. N. Narasimha Murthy, Manager (Officer Grade I), Public Utility Building Branch of the State Bank of Mysore, Mahatma Gandhi Road, Bangalore, from among the employees of the State Bank of Mysore as are not workmen, as a director of the State Bank of Mysore for a period of three years commencing on the 4th day of April, 1979 and ending with the 3rd day of April, 1982 vice Shri T. S. Sankaran.

[No. F. 8/3/79-BO. I]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1979

का० आ० 1263.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध भीर प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपबंध (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करते के पश्चात् एतद्वारा श्री पी० एफ० गट्टा को, 1 मई, 1979 से आरम्भ होकर 30 अप्रैल, 1982 को समाप्त होने वाली भीर प्रवधि के लिए सीप्लस बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबंध निवेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/1/79-बी० ओ० 1(1)]

New Delhi, the 3rd April, 1979

S.O. 1263.—In pursuance of Sub-section (a) of Clause 3 read with Sub-clause (1) of Clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby re-appoints Shri P. F. Gutta as the Managing Director of the Central Bank of India for a further period commencing on 1st May, 1979 and ending with 30th April, 1982.

[No. F. 9/1/79-B.O. I(1)]

का० आ० 1264.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करते के पश्चात् एतद्वारा श्री पी० एफ० गट्टा को जिन्हे 1 मई, 1979 से सीप्लस बैंक ऑफ इण्डिया के प्रबंध निवेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से सीप्लस बैंक ऑफ इण्डिया के निवेशक बोर्ड के प्रबंधक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/1/79-बी० ओ० 1 (2)]

S.O. 1264.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 5, read with clause 7, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri P. F. Gutta, who has been re-appointed as Managing Director of the Central Bank of India with effect from 1st May, 1979 to be the Chairman of the Board of Directors of the Central Bank of India with effect from the same date.

[No. F. 9/1/79-B.O. I(2)]

का० आ० 1265.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध भीर प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 8 के उप खण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपबंध (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करते के पश्चात् एतद्वारा श्री आर० सी० शाह को, 1 मई, 1979 से आरम्भ होकर 30 अप्रैल, 1982 को समाप्त होने वाली भीर प्रवधि के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निवेशक के रूप में पुनः नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/1/79-बी० ओ०-१(3)]

S.O. 1265.—In pursuance of sub-clause (a) of clause (3), read with sub-clause (1) of clause 8, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India hereby reappoints Shri R. C. Shah as the Managing Director of the Bank of Baroda for a further period commencing on 1st May, 1979 and ending with 30th April, 1982.

[No. F. 9/1/79-B.O. I(3)]

का० आ० 1266.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध भीर प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 के खण्ड 7 के साथ पठित खण्ड 5 के उपखण्ड (1) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करते के पश्चात् एतद्वारा श्री आर० सी० शाह को, जिन्हे 1 मई, 1979 से बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रबंध निवेशक के रूप में पुनः नियुक्त किया गया है, उसी तारीख से बैंक ऑफ बड़ौदा के निवेशक बोर्ड के प्रबंधक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं० एफ० 9/1/79-बी० ओ० 1(4)]

बलदेव मिहू, संयुक्त सचिव

S.O. 1266.—In pursuance of sub-clause (1) of clause 3, read with clause 7 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of

India, hereby appoints Shri R. C. Shah, who has been re-appointed as Managing Director of the Bank of Baroda with effect from 1st May, 1979 to be the Chairman of the Board of Directors of the Bank of Baroda with effect from the same date.

[No. F. 9/1/79-B.O. 1(4)]
BALDEV SINGH, Lt. Secy

नई शिल्पी, 3 अप्रैल, 1979

का० आ० 1267.—ग्राम वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (1951 का 63) की धारा 25 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रवत्त ग्रन्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा, तमिलनाडु इण्डस्ट्रियल इंडेस्ट्रीज़ कार्पोरेशन तथा इण्डस्ट्रियल कार्परेक्सन कार्पोरेशन आंक इंडिया, दोनों को ही, इस खंड के प्रयोगों के लिए अधिसूचित करती है।

[मं. का० 11-23/78-प्राई० एफ० 2]
की० सी० पटनायक, निवेशक

New Delhi, the 3rd April, 1979

S.O. 1267.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951), the Central Government hereby notifies each of the Financial Corporations, the Tamil Nadu Industrial Investment Corporation and the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited for the purposes of this clause.

[F. No. 11-23/78-1F. II]
B. C. PATNAIK, Director

शुद्धि-पत्र

नई शिल्पी, 4 अप्रैल, 1979

का० आ० 1268.—भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3 (ii) में प्रकाशित, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की 13 नवम्बर, 1978 की, सिर्टी कोपापोरेटिव बैंक लिमिटेड, बम्बई के बारे में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 8-9/78-ग० सी० के हिस्सी रूपान्तर में निम्नलिखित को गामित्र/प्रतिस्थापित कर पड़ा जाये :—

- (1) शब्द "प्रदत्त" को "द्वारा" तथा "ग्रन्तियों" के बीच शामिल किया जाये।
- (2) शब्द "की तारीख" को "प्रकाशित होने" तथा "1 मार्च, 1981 तक" के बीच शामिल किया जाये।
- (3) शब्द "बाल्कोट" के स्थान पर "बाल्कोट" प्रतिस्थापित माना जाये।

[संख्या 8-9/78-ग० सी०]
माधव वैद्य, अव० सचिव

शुद्धि-पत्र

नई शिल्पी, 7 अप्रैल, 1979

का० आ० 1269.—भारत के राजपत्र के भाग II, खंड 3(ii) में प्रकाशित, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) की विनांक 13 नवम्बर, 1978 की अधिसूचना संख्या 8-1/78-ए०सी० में जहाँ कहीं भी 'फाटागिरी' शब्द आया है वहाँ "फोटागिरी" शब्द प्रतिस्थापित कर दिया जाये।

[संख्या 8-1/78-ए०सी०]
मंशवन राज, अव० सचिव

ERRATA

New Delhi, the 7th April, 1979

S.O. 1269.—In the notification No. 8-1/78-CA, dated the 13th November 1978, of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division) published in Part II-Section 3(ii) of the Gazette of India, for the word, "Kata-giri", wherever it appears the word "Kotagiri" may be substituted.

[No. 8-1/78-ACI]

YASHWANT RAJ, Under Secy.

उत्पाद-शुल्क के समाहृता का कार्यालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

हैदराबाद, 1 फरवरी, 1979

का० आ० 1270.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 9 में निहित अधिकारों के अनुसरण में, जिसे भारत सरकार की दिनांक 18-7-1975 की अधिसूचना सं० 78/सीमा शुल्क के साथ पड़ा जाये में अलैपलसी श्रोतागोपिक लेत, हैदराबाद-500762 प्रान्ध प्रदेश की भाड़ागार धोषित करता है।

[न० 1/सीमा शुल्क/79, सी०म० VIII/40/3/79-सीमा (टी०)]
एव० प्रार० सिएम, समाहृता

Office of the Collector of Central Excise DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

Hyderabad, the 1st February, 1979

S.O. 1270.—In exercise of the powers vested to me under Section 9, of the Customs Act, 1962 read with the Government of India Notification No. 79/Customs dated 18-7-1975, I declare that Charlapalli Industrial Area, Hyderabad-500762, of Andhra Pradesh shall be a warehousing station.

[No. 1/Cus/79 C. No. VIII/40/3/79/Cus. (T)]
H. R. SYIEM, Collector.

सीमा तथा कोम्बीय उत्पाद शुल्क समाहृता का कार्यालय

बंगलौर, 30 मार्च, 1979

सीमा-शुल्क

का० आ० 1271.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त तथा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय की तारीख 18 जुलाई, 1975 की अधिसूचना संख्या-79/सीमा शुल्क का० सं० 473/2/75-सीमा शुल्क-VII द्वारा प्रयोगीत शक्तियों का प्रयोग करते हुए में, आर०एन० शुक्ला समाहृता सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बंगलौर कर्ताक उपाधीय उत्पाद शुल्क समाहृता, एवं द्वारा कर्ताक राज्य के मैसूर जिले के "बेलवडि ग्राम" को "भाड़ागार-केन्द्र" धोषित करता है।

[अधिसूचना संख्या 1/79-सी० सं० VIII/40/3/79 सीमा-शुल्क]
प्रार० एम० शुक्ला समाहृता

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

Bangalore, the 30th March, 1979

CUSTOMS

S.O. 1271.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with Notification No. 79/Customs/F. No. 473/2/75 Cus. VII dated 18-7-75 of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), I. R. N. Shukla, Collector of Central Excise and Customs, Bangalore, Karnataka, Collectorate hereby declare "Belavadi Village" in Mysore District in the State of Karnataka to be a warehousing station.

[Notification No. 1/79-C. No. VIII/40/3/79-Cus.]
R. N. SHUKLA, Collector.

वाणिज्य, नागरिक पूर्वी एवं सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 प्रैस, 1979

शुद्धिपत्र

का०आ० 1272.—भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं० का०आ० 2135 तारीख 22 जुलाई, 1978 को भारत के राजपत्र, भाग-II खंड-3, उप-खंड (ii) तारीख 22 जुलाई, 1978 में उपान्तम् I के सम्बन्ध पृष्ठ सं० 2019 में,—

के लिए

101 से० मी० और ऊपरी	पठनीय
(4"-6")	10. 1 "से० मी० और ऊपरी
76 से०मी०-100से०मी० (3"-4")	(4"-6")
50 से० मी०-75से०मी० (2"-3")	7. 6 से०मी० से 100 से०मी० (3"-4")
50 से०मी० से कम (2")	5. 0 से०मी० से 7. 52 से०मी० (2"-3")
	5. 0 से०मी० से कम (2")

[सं० 6(30)/76-नि०नि० और नि०ड०]
सी०की० कुकरेती, संयुक्त निदेशक

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 14th April, 1979

CORRIGENDUM

S. O. 1272.—In the order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 2135 dated 22nd July, 1978, published in the Gazette of India, Part II—Section 3 Sub-Section (ii) dated the 22nd July, 1978 in the first column of Annexure I at Page 2020.—

For

Read

101 cm. and above (4"-6")	10.1 cm. and above (4"-6")
76 cm.—100 cm. (3"-4")	7.6 cm. to 10.0 cm. (3"-4")
50 cm.—75 cm. (2"-3")	5.0 cm. to 7.5 cm. (2"-3")
Below 50 cm. (2")	Below 5.0 cm. (2")

[No. 6(30)/76-EI&EP]
C. B. KUKRETI, Jr. Director

मूल नियंत्रक, आयात-नियंत्रण का कार्यालय

नई दिल्ली, 6 प्रैस, 1979

भारत

का०आ० 1273.—सर्वश्री मन्त्रिमंत्र सेक्रिय प्रालिग्राफ (इण्डिया) लि०, बम्बई को भारतीय परियोजना और उपस्कर नियम (पी०ई०न००), नई दिल्ली के माध्यम से प्रोटोटाइप के रूप वी प्राफोरेसो के लिए (विज्ञप्ति की मोटर के बिना) 54000 रु का एक रिहाई भारत संक्षा 0016776/प्रार/65/एच, विनाक

(नामांक पूर्ण एवं सहकारिता विज्ञापन)

भारतीय भारत संस्था

नई दिल्ली, 1979-03-30

का०आ० 1274.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रभाग विन्हृ) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन 68 लाइसेंसों के ब्यौरे विषय गए हैं, लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार वेते हुए दून, 1976 से स्थीकृत किए गए हैं:

अनुसूची

क्र० लाइसेंस सं० (सी०एम०एल०)	वेष्टस की अवधि	लाइसेंसधारी का नाम और पंक्ति	लाइसेंसधारी के अधीन वस्तु/क्रिया और लाइसेंस सं०		
सं०	से	तक			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. सी०एम०एल०-5265	1976-06-01	1977-05-31	स्टील रोलिंग मिल्स प्राफ हिन्दुस्तान ठडे काम के लिए औजार और डाई इस्पात-प्रांलि०, 47, हाइड रोड, कलकत्ता-700027	IS : 3749-1966	
1976-06-03					
2. सी०एम०एल०-5266	1976-06-01	1977-05-31	प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स प्रांलि०, कंफीट प्रबलन के लिए ठडे मरोडे इस्पात-इंडियल एरिया, पाटनबेल, भेड़क जिला (गांधी प्रदेश)	IS : 1786-1966	
1976-06-03					

विनाक 8-12-77 द्वारा दिया गया था। यह पार्टी ने अनुसिपि रिहाई भारेश जारी करने के लिए इस भारतीय पर यावेदन किया है कि मूल रिहाई भारेश भर्तीबद्ध प्रभिकरण (पी०ई०न००) द्वारा वी गया प्रस्तावनस्थ ही गया है। अपने प्रतुरोष के समर्थन में भावेवक से सर्वीबद्ध प्रभिकरण (पी०ई०न००) के मूल पर के साथ एक शायद-पर और यह बताते हुए वार्तिल किया है कि उक्त रिहाई भारेश उनसे प्रस्तावनस्थ ही गया है। भावेवक ने रिहाई भारेश खोने अव्याप्ति के लिए सहजे रूप से एक प्रेस की सर्वीबद्ध प्रभिकरण (पी०ई०न००) से रिहा करा लिया है। प्रवेषण मूल्य जिसके लिए अनुसिपि रिहाई भारेश की आवश्यकता है वह 33,000 रुपए है।

तबनुसार मैं संक्षिप्त हूँ कि मूल रिहाई भारेश वी गया/प्रस्तावनस्थ ही गया है। इसलिए, यथा संशोधित प्रायात (विनाक) भारेश, 1955 विनाक 7-12-1955 की उप-भारा 9 (सी०सी) के प्रत्यागत प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग कर सर्वेती अविवान फैलिक पालिग्राफ (इण्डिया) लि०, बम्बई को जारी किए गए रिहाई भारेश संक्षा 0016776/प्रार/65/एच, विनाक 8-12-77 को एवं द्वारा यह किया जाता है।

[संक्षा 724/77/8-सी०सी-3]

भार०सी०एस० भेजन, उप-मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

Office of the Chief Controller of Imports and Exports
New Delhi, the 6th April, 1979
ORDER

S.O. 1273.—M/s. Maschinen Fabrik Polygraph (India) Ltd., Bombay were granted a Release Order No. 0016776/K/65/H dated 8-12-1977 on Projects & Equipment Corporation of India (PEC) New Delhi for release of two Grafo Presses (without electric Motor) as Prototype valued, at Rs. 54,000/- The party has now applied for issue of duplicate release order on the ground that the original Release Order has been lost/ misplaced by the canalising agency (PEC). In support of their request the applicant has filed an affidavit and a letter in original from the canalising agency (P.E.C.) stating that the said release order has been misplaced at their end. The applicant has partly utilised the Release Order and have got one of the Grafo Press released from the canalising agency (PEC) before the said release order was lost/misplaced. The balance value for which the duplicate release order is required is Rs. 33,000/-.

I am accordingly satisfied that the original release order has been lost/misplaced. Therefore in exercise of the powers conferred under Sub-Clause (cc) of the Import Trade Control Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended, the said release order No. 0016776/R/65/H dated 8-12-1977 issued to M/s. Maschinen fabrik Polygraph (India) Ltd., Bombay is hereby cancelled.

[N. CG. III/724/77/8/477]
R. C. S. MENON, Dy. Chief Controller.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
3. सी एम/एल-5267 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	दि एलमिनियम इंडस्ट्रीज लि०, नं० 1, सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए मुद्रित सिरिजिक फैब्री रोड, बुबड़ा (केरल) इस्पात के तारे— IS : 280-1972		
4. सी एम/एल-5268 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	गोविन्द राम चंद्र एंड क०, 40/1ए, उर्वरक भरने के प्रतवार पट्टन के बोरे— रोडा बामनगांवी हाबड़ा (कार्यालय : 132, काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	IS : 7406-1976	
5. सी एम/एल-5269 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	श्यामला उद्योग, 3, काशीपुर रोड, उर्वरक भरने के प्रतवार पट्टन के बोरे— कलकत्ता-700002 (कार्यालय : 4, चनापांग स्ट्रीट, 4 वी मंजिल, कलकत्ता-700001)	IS : 7406-1976	
6. सी एम/एल-5270 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	राउरकेला प्रूफिंग कार्पोरेशन (प्रा०) उर्वरक भरने के प्रतवार पट्टन के बोरे— लि०, चंगाल बूट मिल्स क० लि० का महाता 493, जी०टी० रोड, शिवपुर हाबड़ा (कार्यालय : 132, काटन स्ट्रीट, कलकत्ता-700007)	IS : 7406-1976	
7. सी एम/एल-5271 1976-06-04	1976-06-16	1977-06-15	प्र० पी० ओबेराय एंड क०, जगाधरी व्हाइट की बाय की पेटियों के पद्धति— रोड, यमुना नगर जिला अस्साला	IS : 10 (पांग 3)-1974	
8. सी एम/एल-5272 1976-06-04	1976-06-16	1977-06-15	सिक्किम लि०, सिक्की, जिला बद्री श्री श्री दी पायसनीय मान्द्र— (महाराष्ट्र) (कार्यालय : “मीलगिरी” धारकर ब्रिलिंग रामदासपेठ, नागपुर-440010)	IS : 633-1956	
9. सी एम/एल-5273 1976-06-04	1976-06-01	1977-05-31	विष्णुत मेटालिक्स लि०, प००प्रा० बागले सेपटी रेजर ब्लैड— इंडस्ट्रियल इस्टेट, बम्बई-मागरा रोड, शाणे-400604	IS : 7371-1975	
10. सी एम/एल-5274 1976-06-07	1976-06-16	1977-05-31	बंगलौर बायर रांड मिल, महादेव पुरा, गुरुद के लिए कार्बन इस्पात की छड़े, डाकघर, ब्यालूइंस्टील रोड, बंगलौर- 560048	50 मिनी ब्यास तक— IS : 1875-1971	
11. सी एम/एल-5275 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	हिंदूको लाइंटिंग इंडस्ट्रीज लि०, हिंदू लाइट हाउस, सुभाष भगर, जोगेश्वरी, (पूर्व) बम्बई-400060	80/125 वाट उच्चदब्ब पारा भाप लैण 250 वो, 50र्फ, कटलांग स०० एफ एच 1916 (एल); भूप II बी, के नियन्त्रण गियर के लिए उच्चालासह श्रोत— IS : 2148-1968	
12. सी एम/एल-5276 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	वेस्ट टिन कैन्स मैन्युफैक्चरिंग क०, एकक एफ-3, एसिस्टेट प्रा०, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अनन्तपुर (भारतीय प्रदेश)	18 लिटर बीकोर टिन— IS : 916-1966	
13. सी एम/एल-5277 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	कृषि रसायन, राष्ट्रीय राजमार्ग स० 5, डाकघर रानीताल, जिला बालासोर (उडीसा)	एन्डोसल्फेन पायसनीय मान्द्र— IS : 4323-1967	
14. सी एम/एल-5278 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	उद्योगाला स्टोल एंड इंजीनियरिंग क० लि०, सेक्टर 24, प्लाट न० 136, फरीदाबाद (हरियाणा)	मशीनी बेच उत्पादन के लिए बायर रांड के मुद्रित इस्पात के इंगट— IS : 2255-1969	
15. सी एम/एल-5279 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	दि जनरल इलेक्ट्रिक क० आफ इंडिया लि०, ए०१०भाई० बर्क्स, 1 तारतम्या रोड, कलकत्ता-700024 (कार्यालय : 6 चितंत्रन एवं एन्स्यू, कलकत्ता-700072)	स्किवल केज प्रेरण मोटर, फेम 225 एम समूह 1 और समूह 2 बी, के लिए नपटम्य आवरण— IS : 2148-1968	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16. सी एम/एल-5280 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	दि इंडियन केबल कं० लि०, डाकघर गोलमुरी, जमशेवपुर-831003 (कार्यालय: ९ हेपर स्ट्रीट, कलकत्ता-700001)	कोपले की खानों में प्रयोग के 250 वो श्रीर 650 वो ब्रेड के रबड़ रोधित सचकावार अनुमामी केबल— IS: 691-1966	
17. सी एम/एल-5281 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	इंडियन केबल कं० लि०, डाकघर गोल- मुरी, जमशेवपुर-831003 (कार्यालय: ९ हेपर स्ट्रीट, कलकत्ता- 700001)	पत्थर और धातु अवस्क खानों के लिए पर्वत से 650 वो और खालकों के बीच 3.3 किमो और 6.6 किमो ब्रेड के, सचकावार अनुमामी केबल— IS: 1026-1966	
18. सी एम/एल-5282 1976-06-08	1976-04-01	1977-03-31	आरिस मेटल इंडस्ट्रीज लि०, 22, कानवेंट रोड, कलकत्ता-700014	इलेक्ट्रोलोटिंग के लिए कार्बन प्रकार के निकिल के इलेक्ट्रोड— IS: 1958-1967	
19. सी एम/एल-5283 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	एमको जनरल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, अश्वगुणा, शोलापुर, जिला थीर- पूम (पं० थ०) (कार्यालय 44ए, रफी अहमद किलबड़ी रोड, कलकत्ता-700014)	उच्च घनत्व पोलीहाइड्रोन पाइप: 1. 90 मि०मी० और/वी तक बाहरी व्यास और 4 किमान/सेमी२ वाल अमता वाले 2. 160 मि और/वी तक बाहरी व्यास और 6 किमान/सेमी२ वाल अमता वाले— IS: 4484; 1972	
20. सी एम/एल-5284 1976-06-08	1976-06-01	1977-05-31	मद्रास इलेक्ट्रिकल कं०इंस्टर्स लि०, 37, अरकौट रोड, मद्रास-600026	शिरोबरि पावर प्रेषण के लिये सबन खिचे लड़वार एलुमिनियम और इस्पात कोर के एलुमिनियम चालक— IS: 398; 1961	
21. सी एम/एल-5285 1976-06-11	1976-06-01	1977-05-31	सेसेटिव इंडस्ट्रीज, मावडी प्लाट, निकट जर्यत के०जी० स्कूल, राजकोट-360004	एक सिलेण्डर, चार स्ट्रोक, जल शोत उच्च शीजल इंजन, निम्नलिखित रेटिंग वाले	
				फिल्म चक्र प्र० मार्का मि०	
				5.88 (8 हापा) 850 "सत्यजोत" IS: 1601-1960	
22. सी एम/एल-5286 1976-06-11	1976-06-16	1977-06-15	भोगस्स, 26 ई० एन एक इंडस्ट्रियन इस्टेट नं० 1, फरीदाबाद (हरियाणा)	रबड़ के तोड़े और ऐड़ो वाले, टाश्प 1 के सुरक्षा बूट— IS: 1989-1973	
23. सी एम/एल-5287 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	सेसटी सेल्स एंड सर्विसेज, 3 बांसटोला बाट रोड, रामकृष्णपुर, हावड़ा (कार्यालय: 4 राम सेट रोड, कलकत्ता- 700006)	एक विस्फोट के लिए बोहरी कोर वाले पी बी सी के विस्फोट केवन— IS: 5950 1971	
24. सी एम/एल-5288 1976-06-14	1976-06-01	1977-05-31	बंगलौर बायर रॉड मिल, महावेल पुरा, बंगलौर- 560048	सामान्य इंजीनियरी कार्य के लिए मणीनी डाकघर ब्लॉकफील्ड रोड, बंगलौर- 560048 पुर्जे बनाने की कार्बन इस्पात की काली छड़े— IS: 2073-1970	
25. सी एम/एल-5289 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	उपाध्यायवाल मैन्युफ्लूचर्स प्रा० लि०, पी०-280, बनारस रोड, हावड़ा- 711105	जलकल के लिए स्लूस वाल्व, साइज 350 से 600 मिमी, श्रेणी I— IS: 2906-1969	
26. सी एम/एल-5290 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	द्वारीबाला स्टील एंड इंजीनियरी कं० लि० सेक्टर 24, प्लाट नं० 136, फरीदाबाद (हरियाणा)	संरचना इस्पात के रूप में बेलन के लिए कार्बन इस्पात के छड़े विलेट हैंगट- (मानक किस्म)--- IS: 6914-1975	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27. सी एम/एल-5291 1976-06-14		1976-06-16	1977-05-15		संरचना इस्पात के रूप में बेलन के सिए कार्बन इस्पात के ढाले विसेट इंगिट (साधारण किस्म) IS : 6915-1975
28. सी एम/एल-5292 1976-06-14		1976-06-16	1977-06-15	टेक्समो इंडस्ट्रीज गणनानियके मिल्स डाक-घर कोयम्बटूर-641029	धोती में उपयोग के लिए प्रपकेन्द्री पम्पों की शीत कंजी प्रेरण बोर्टरे, 7.5 किलो (10 हापा) तक क्षमता और शेणी "ई" रोबन वाली IS : 7538-1975
29. सी एम/एल-5293 1976-06-14		1976-06-16	1977-06-15	ईस्टन ट्रेइस, बी-48, नारायणा इंडस्ट्री-यन एरिया, फैज 2, नई दिल्ली-110028	फुटबोल और बॉलीबॉल:— IS : 417-1974
30. सी एम/एल-5294 1976-06-14		1976-06-01	1977-05-31	बंगलौर बायर रोड, मिल, महावेद पुरा डाकघर, भाइटफील्ड रोड, बंगलौर-560048	मोटर गाड़ी के विलेवन के लिये प्रांखाकार और कुंडलाकार और परतदार कमानियों के लिए इस्पात:— IS : 3431-1963
31. सी एम/एल-5295 1976-06-14		1976-06-15	1977-06-16	प्रताप स्टील रोटिंग मिल प्रा० लि०, इंडस्ट्रियल एरिया, पाटनबेळ, मेहक जिला (प्रा० प्र०)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) -- IS : 226-1975
32. सी एम/एल-5296 1976-06-14		1976-06-16	1977-06-15	नेशनल प्लाइमूड इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, तिळसुखिया, प्रसम	तकड़ी के समसल धरवाजों के पर्ले (टोस और खोकले कोर के) IS : 2191 (भाग 1)-1973 और IS : 2202 (भाग 1)-1973
33. सी एम/एल-5297 1976-06-14		1976-06-16	1977-06-15	कुमार बायरन एंड स्टील (प्रा०) लि०, जू रोड, गोहाटी-781005 (प्रसम) (कार्यालय : एवेरेट हाउस, 15 बी मंजिल 46/ सी बीरंगी रोड, कलकत्ता-700016)	कंट्रीट प्रबलम के लिए टंडे मरोड़े इस्पात के सरिये:— IS : 1786-1960
34. सी एम/एल-5298 1976-06-14		1976-06-16	1977-06-15	बाब्यू कंडक्टर्स एंड इलेक्ट्रिकल्स लि०, प्लाट नं० 175/4, धोड़ासर गाँव, निकट जोडोनगर निकट बटवा इंडस्ट्रियल एस्टेट, प्रह्लदाबाबा-380008	पिरोपरि पावर प्रेवेण के लिये सज्ज लिंचे लहदार एलुमिनियम और इस्पात कोर के एलुमिनियम चालक — IS : 398-1961
35. सी एम/एल-5299 1976-06-14		1976-06-16	1977-06-15	मार्बल उद्योग, गाँव गुटकर, डाकघर मंडी (हि० प्र०)]	कंट्रीट के पाइप, श्रेणी एन पी० साइज 900 मिमी, और श्रेणी एनपी० साइज 80 मे० 900 मिमी — IS : 458-1971
36. सी एम/एल-5300 1976-06-15		1976-06-16	1977-06-15	कार्टिबाल प्रा० लि०, फैटोर्ड, मारगांव, गोवा, (कार्यालय : चीमुले हाउस, मोर्मुगांव बंकरगाह, गोवा)	कलम और वेसिल के लिये कार्बन कागज, टाइप "ए" फ्लूसर्फैप — IS : 3450-1966
37. सी एम/एल-5301 1976-06-15		1976-06-18	1977-06-15	श्रीमित्र फर्टिलाइजर्स लि०, विष्वनाथ रोड, कुहड़ालोर गो०टी०	बी० एच० सी० ब्लूलन पाउडर — IS : 561-1972
38. सी एम/एल-5302 1976-06-15		1976-06-18	1977-06-15	स्टार स्टील प्रा० लि० सम्मुख मकर-पुरा रेलवे स्टेशन, मनेजा डाकघर, बदोप्पा,	गड़ी बस्तुओं के लिए कार्बन इस्पात की छड़ी:— IS : 1875-1971
39. सी एम/एल-5303]] 1976-06-15		1976-06-16	1977-06-15	कोरोमंडल इंडिया प्रै०डक्स (प्रा०) लि०, 28, एलूपतोपू, फस्ट स्ट्रीट, कलावी-पेट, मद्रास-600019 (कार्यालय : 12 पुलिस कमिशनर्स ऑफिस रोड, मद्रास-600008)	बी० एच० सी० जल विसर्जनीय पाउडर— IS : 562-1972

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
40. सी एम/एल-5304 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	कार्टिकैन प्रा० लि०, फैटोर्ड, मारगोव, गोवा (कार्यालय : चौगुले हाउस, मोर्गुगोव बंदरगाह, गोवा)	टाइपराइटरों के लिये कार्बन कागज, टाइप 3 फुल्सकैप :— IS : 1551-1959	
41. सी एम/एल-5305 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	प्रोस्ट्रिंट स्टोल एंड इंडस्ट्रीज लि०, गोवा आदारा, राजमार्ग- 264 पास, 31 किमी पर (कलकत्ता से), शेराम-पुर, जिला हुगली (कार्यालय: 2 ब्रेवोन रोड, कलकत्ता-700001)	संरचना इस्पात के रूप में बेल्स के लिए कार्बन इस्पात के ड्ले बिलेट इंगट (मानक किस्म) IS : 6914-1975	
42. सी एम/एल-5306 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	..	संरचना इस्पात के रूप में बेल्स के लिए कार्बन इस्पात के ड्ले बिलेट इंगट (साधारण किस्म) :— IS 6915-1975	
43. सी एम/एल-5307 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	बंगलौर वायर रोड मिल, महादेव पुरा डाकघर, व्हाइटफील्ड रोड, बंगलौर-560048	50 मिमी तक व्यास के कार्बन और कार्बन मैग्नीश मुक्त इस्पात की छड़े, रसायनिक रसना के आधार पर पूर्ति के लिए :— IS : 4431-1967	
44. सी एम/एल-5308 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	बैंगरा वेंट्स (इंडिया) 14/66 मधुरा रोड करीदाराव (हृष्णाणा)	मूखा डिस्ट्रिब्यूर, रंग इच्छानुसार :— IS : 427-1965	
45. सी एम/एल-5309 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	सीराइट केमिकल्स, बिडला सागर, पोर-बन्दर	सोडियम वार्क्सोमेट (रिफाइंड चेड) :— IS : 2124-1974	
46. सी एम/एल-5310 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	..	सोडाएश, तकनीकी चेड (चर्नीभूत, दुलका) :— IS : 251-1972	
47. सी एम/एल-5311 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	बंगलौर वायर रोड मिल, महादेव पुरा डाकघर, व्हाइटफील्ड रोड बंगलौर-560048	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) :— IS : 1977-1975	
48. सी एम/एल-5312 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	वि इंडियम ब्रायरम एंड स्टील क० लि०, कुलटी डाकघर, कुलटी जिला बंदेवाल (कार्यालय : इस्को हाउस, 50 चौरांगी रोड, कलकत्ता-700071)	पानी, गैस और मल व्ययन के लिये अप-केल्डी ड्ले सोहे के उच्चदार पाइप, 750 मिमी तक साज़, थोणी एल० ए०, और थी :— IS : 1536-1967	
49. सी एम/एल-5313 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	..	पानी, गैस और मल व्ययन के उच्चदार पाइपों के लिये ड्ले सोहे के फिटिंग 750 मिमी तक साइज़ :— IS : 1538-1969	
50. सी एम/एल-5314 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	कृषि कैमिन प्रा० लि०, मरकी, जयनगर दक्षिण, बंगलौर-560041	थी० एच० सी० जल विमर्जनीय पाउडर :— IS : 562-1972	
51. सी एम/एल-5315 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	हनुमान बैग एंड कंटेनर्स लि०, 28/3 अयवाल गाडून रोड, कलकत्ता (कार्यालय : 8 लियोंस रेंज, कलकत्ता-700001)	उर्बन भरने के परतवार पट्टन के बोरे :— IS : 7406-1974	
52. सी एम/एल-5316 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	इन्का केबल्स प्रा० लि०, "इन्का इस्टेट" इन्का एवेन्यू सेमबक्स, भद्रास-800044 (कार्यालय : 28 लाइयर जगत्ताथन स्ट्रीट, गिर्ही, भद्रास-600032)	पिरोपर पावर प्रेषण के लिए सब्लैंडिंग लड्डार ए.एमिनियम और इस्पात की कोर वाले ए.एमिनियम चालक :— IS : 398-1961	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
53. सीएम/एल-5317 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	ललमत वायर इंडस्ट्रीज लि०, दीवा बाट, पटना-11	गाल्वनीकृत टेक तार (लड़), केवल गेड़ 2:— IS: 2141-1968	
54. सीएम/एल-3518 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	एमको जनरल प्लास्टिक इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, बन्दगुडा, बोलपुर, जिला बीरभूम (प० ब०)	भल्प घनत्व पौलीइयाइलीन पाइप 20 मिमी व्यास तक, 6 कि०प्रा०/सिमी 2 वाव रेटिंग:— (कार्यालय: 44 ए, रक्षी घट्टमय किंवद्दृ रोड, कलकत्ता-700014) IS: 3078-1968	
55. सीएम/एल-5319 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	चन्द्रा इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन (ईडिया), गरवनीबाग, पटना-1 (कार्यालय: घृत मार्केट पटना-1)	एक सिलेंडर, वार स्टोक जलसीत, बीजल इंजन, निम्नलिखित रेटिंग वाले किंवा चम्कर/मि टाइप	
				3.67 (5 हाप्ता) 1500	सीबी
56. सीएम/एल-5320 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	बैपारिक मिक्रोनिक्स कं० (प्रा०) लि०, 44/ए/२, बनारस रोड, हावड़ा-711101 (कार्यालय: 19/10 रामकृष्ण मंदिर पथ, उत्तर बंतरा, हावड़ा-711101)	सुवाइ रसायनिक अन्न शमक, सोडा-आम्ल प्रकार के— IS: 934-1972	
57. सीएम/एल-5321 1976-06-28	1977-07-01	1977-06-30	ईस्टकोस्ट पेस्टीसाइक्स, किमोर राहस मिल, जगद्वाय पुर, जिला (गंगाम) (उडीसा) (कार्यालय: स्टेशन रोड, बीरभूम, जिला गंगाम (उडीसा))	बीडीटी 25% पायसनीय सौदा— IS: 633-1956	
58. सीएम/एल-5322 1978-06-28	1976-07-01	1977-06-30	कृषि रसायन, राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 5, शाकधर रामीताल, जिला बालासोर (उडीसा)	बीडीटी 25% पायसनीय सौदा— IS: 633-1956	
59. सीएम/एल-5323 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	कृषि रसायन राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 5, शाकधर रामीताल, जिला बालासोर (उडीसा)	मैलायियोन पायसनीय सौदा— IS: 2567-1973	
60. सीएम/एल-5324 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	कृषि रसायन (बिहार) लार्जर इंडस्ट्रियल इस्टेट, बोला छाकधर भार० के० भाश्म मुजफ्फरपुर (बिहार)	मैलायियोन 50% पायसनीय सौदा— IS: 2567-1973	
61. सीएम/एल-5325 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	झोलिया केमिक्स वर्क्स, महाराज धाट, शाकधर पटना शहर (पटना)	रोपणुनाशी तरस गेड़ 3, काला, सामान्य श्रेणी "ए"— IS: 1061-1975	
62. सीएम/एल-5326 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	सुजालिन कैमो इंडस्ट्रीज, गोपेश नगर, बिहारीपुर-411033	एन्ड्रीन पायसनीय सौदा— IS: 1310-1974	
63. सीएम/एल-5327 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	सिपार बीडी उद्योग लि०, संगमनेर भौर घाकोला तालुकों के गांवों और संगमनेर शहर के बीडी उत्पादन केन्द्र (कार्यालय: सूना महल, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई)	बीडी— IS: 1925-1974	
64. सीएम/एल-5328 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	सिपार बीडी उद्योग लि०, महमदनगर शहर में बीडी उत्पादन केन्द्र (कार्यालय: सूना महल, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई)	बीडी— IS: 1925-1974	
65. सीएम/एल-5329 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	सिपार बीडी उद्योग लि०, शोलापुर शहर के बीडी उत्पादन केन्द्र (कार्यालय: सूना महल, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई)	बीडी— IS: 1925-1974	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
66. सीएम/एस 5330 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	मद्दीदा मिनरल्स ग्राहिंग इंडस्ट्रीज राष्ट्रीय राजमार्ग सं० 8, नरोडा, भास्मदाबाद (गुजरात)	वी एच सी धूलन पाउडर 50% और 10%	IS : 561—1972
67. सीएम/एस 5331 1976-06-30	1976-05-16	1977-05-15	मकाली इंजीनियरी वर्स, 123/5, नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा-711101 (कार्यालय : 126/2, नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा-711101)	जलमास में उपयोग के लिए फलवां लोहे के दोहरे पर्सेंज बांगे स्तरम् वाल्व, भ्रेजी II साइज 1200 मिमी लंबा— IS : 2906—1969	
68. सीएम/एस-5332 1976-06-30	1976-07-01	1977-06-30	फारम सर्जिकल इंसिंग बैन्यूफॉन कॉ, 66, सिंधपुरा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मस- रानी लेन, कुरुक्षेत्र-700070	हथकरघे के सूती धवसोषी गोज— IS : 758—1975	

[मं० सीएमडी/13 : 11]

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION

(Department of Civil-Supplies and Co-operation)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 1979-03-30

S.O. 1274.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that sixty-eight licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of June, 1976 authorising the licensees to use the standard mark :

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity		Name & Address of the Licensee	Article/Process covered by the licence and relevant IS : Designation
		From	To		
1	2	3	4	5	6
1. CM/L-5265 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Steel Rolling Mills of Hindustan Pvt. Ltd., 47, Hide Road, Calcutta-700027	Tools and die steels for cold works— IS : 3749—1966	
2. CM/L-5266 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., Industrial, Area, Patancheru, Medak Distt. (A.P.)	Cold twisted deformed steel bars and concrete reinforcement— IS : 1786—1966	
3. CM/L-5267 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	The Aluminium Industries Ltd., No. 1, Ceramic Factory Road, Kundara (Kerala)	Mild steel wire for general engineering purposes— IS : 280—1972	
4. CM/L-5268 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Govind Rom Sons & Co., 40/1A, Roada Bamangachi, Howrah (Office : 132 Cotton Street, Calcutta-700007)	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1976	
5. CM/L-5269 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Shyamla Udyog, 3, Cossipore Road, Calcutta-700002 (Office : 4, Synagogue Street, 5th Floor, Calcutta-700001)	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1976	
6. CM/L-5270 1976-06-03	1976-06-01	1977-05-31	Rourkela Proofing Corpn. (P) Ltd., Premises of Bengal Jute Mills Co. Ltd., 493 G.T. Road Shibpur, Howrah (Office : 132 Cotton Street, Calcutta—700007)	Laminated Jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1976	
7. CM/L-5271 1976-06-04	1976-06-16	1977-06-15	O.P. Oberoi & Co., Jagadhri Road, Yamuna Nagar, Dist Ambala.	Plywood tea-chest battens— IS : 10 (Part III)—1974	
8. CM/L-5272 1976-06-04	1976-06-16	1977-06-15	Sindi Chem Ltd., Sindi Dist, Wardha (M.S.) (Office : 'Neelgiri' Dharashar Building, Ramdaspeth, Nagpur—440010).	D.D.T. emulsifiable concentrates— IS : 633—1956	

1	2	3	4	5	6
9.	CM/L-5273 1976-06-04	1976-06-01	1977-05-31	Vidyat Metallics Ltd., P.O. Wagle Industrial Estate, Bombay Agra Road, Thana—400604	Safety razor blades— IS : 7371—1975
10.	CM/L-5274 1976-06-07	1976-06-16	1977-05-31	Bangalore Wire Rod Mills, Mahadevapura P.O., Whitefield Road, Bangalore 560048	Carbon steel bars for forgings size upto 50 mm dia— IS : 1875—1971
11	CM/L-5275 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	Hindco Lighting Industries Ltd., Hind Light House, Subhas Nagar, Joglewari (East) Bombay-400060.	Flameproof enclosures for control gear box for 80/125 watts high pressure mercury vapour lamp, 250 volts, 50 Hz; Cat No. FH 1916(L); Group II B— IS : 2148—1968
12.	CM/L-5276 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	Best Tin Cans Mfg. Co., Unit : F-3, Assisted Private Industrial Estate, Anantpur (A.P.)	18 litre square tins— IS : 916—1966
13.	CM/L-5277 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	Krishi Rasayan, National Highway No. 5, P.O. Ranital, Distt. Balasore (Orissa)	Endosulfan EC— IS : 4323—1967
14.	CM/L-5278 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	Dabriwala Steel & Engg. Co. Ltd., Sector 24, Plot No. 136, Faridabad (Haryana)	Mild steel ingots for wire rods for the manufacture of machine screws— IS : 2255—1969
15.	CM/L-5279 1976-06-07	1976-06-16	1977-06-15	The General Electric Co. of India Ltd., A.E.I. Works, 1 Taratala Road, Calcutta 700024 (Office : 6 Chittaranjan Avenue, Calcutta-700072)	Flameproof enclosures for squirrel cage induction motors in frame 225 M Group I and Group II B— IS : 2148—1968
16.	CM/L-5280 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	The Indian Cable Co. Ltd., P.O. Golmuri, Jamshedpur 831003 (Office : 9, Hare Street, Calcutta-700001)	Rubber insulated flexible trailing cables for use in coal mines ; 250 V and 660 V to earth grades : IS : 691—1966
17.	CM/L-5281 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	Indian Cables Co. Ltd., P.O. Golmuri, Jamshedpur-831003 (Office : 9 Hare Street, Calcutta-700001)	Flexible trailing cables for use in quarries and metalliferous mines Grade : 650 volts to earth and 3.3 kV & 6.6 kV between conductors— IS : 1026—1966
18.	CM/L-5282 1976-06-08	1976-04-01	1977-03-31	Arim Metal Industries Ltd, 22, Convent Road, Calcutta-700014	Nickel anode for electroplating, carbon Type— IS : 1938—1967
19.	CM/L-5283 1976-06-08	1976-06-16	1977-06-15	Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd., Bandhgura, Bolpur, Distt Birbhum (W.B.) (Office : 44A, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700014)	High density polyethylene pipe : (i) Upto and including 90 mm O/D 4 kgf/cm ² pressure rating (ii) Upto and including 160 mm O/D 6 kgf/cm ² pressure rating— IS : 4984—1972
20.	CM/L-5284 1976-06-08	1976-06-01	1977-05-31	Madras Electrical Conductors Ltd, 37, Arcot Road, Madras-600026	Hard-drawn stranded aluminium and steel cord aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961
21.	CM/L-5285 1976-06-11	1976-06-01	1977-05-31	Sensetive Industries, Mavdi Plot, Near Jayant K.G. School, Rajkot-360004	Vertical diesel engine, single cylinder, four stroke, water cooled of the following rating : kW R.P.M. Brand 5.88 (8 HP) 850 'SATYAJEET' IS : 1601—1960
22.	CM/L-5286 1976-06-11	1976-06-16	1977-06-15	Bhogals, 26, DLF Industrial Estate No. 1, Faridabad (Haryana)	Safety boots with rubber sole and heel, Type 1— IS : 1989—1973

1	2	3	4	5	6
23. CM/L-5287 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Safety Sales & Services, 3 Banstola Ghat Road, Ramkrishnagar, Howrah (Office : 4 Ram Sett Road, Calcutta-700006)	Shot firing cables twin core (PVC) for single shot firing— IS : 5950—1971	
24. CM/L-5288 1976-06-14	1976-06-01	1977-05-31	Bangalore Wire Rod Mills, Mahadevapura Post, Whitefield Road, Bangalore-560048	Carbon steel black bars for production of machined parts for general engineering purposes— IS : 2073—1970	
25. CM/L-5289 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Upadhyay Valves Mfrs. Pvt. Ltd, P-280, Sluice valves for water works purposes Banaras Road, Howrah-711105	sizes 350 mm to 600 mm Class I— IS : 2906—1969	
26. CM/L-5290 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Dabriwala Steel & Engg. Co. Ltd., Sector 24, Plot No. 136, Faridabad (Haryana)	Carbon steel cast billet ingot for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	
27. CM/L-5291 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	-do-	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	
28. CM/L-5292 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Texmo Industries, Gananmbikai Mills Post, Coimbatore-641029	Three-phase squirrel cage induction motors for centrifugal pumps for agricultural application upto and including 7.5 kW (10 HP) with class 'E' insulation— IS : 7538—1975	
29. CM/L-5293 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Eastern Traders, B-48, Naraina Industrial Area, Phase II, New Delhi-110028	Footballs & volleyballs— IS : 417—1974	
30. CM/L-5294 1976-06-14	1976-06-01	1977-05-31	Bangalore Wire Rod Mills, Mahadevapura Post, Whitefield Road, Bangalore-560048	Steel for volute helical and, laminated springs for automotive suspension— IS : 3431—1963	
31. CM/L-5295 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Partap Steel Rolling Mills Pvt. Ltd., Industrial Area, Patancheru, Distt. Medak (A.P.)	Structural steel (standard quality)— IS : 226—1975	
32. CM/L-5296 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	National Plywood Industries, Pvt. Ltd., Tinsukia, Assam	Wooden flush door shutters (solid & hollow core type)— IS : 2191 (Pt I)—1973 & IS : 2202 (Pt I)—1973	
33. CM/L-5297 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Kumar Iron & Steel (P) Ltd, Zoo Road, Gauhati-781005 (Assam) (Office : Everest House, 15th Floor, 46/C, Chowringhee Road, Calcutta-700016)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966	
34. CM/L-5298 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Bombay Conductors & Electricals Ltd., Plot No. 175/4, Village Ghodasar, Near Josodanagar, Near Vatva Industrial Estate, Ahmedabad-380008	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398—1961	
35. CM/L-5299 1976-06-14	1976-06-16	1977-06-15	Mandav Udyog, Village Gutkar, P.O. Mandi (H.P.)	Concrete pipes, class NP ₁ size 900 mm, class NP ₂ sizes 80 to 900 mm— IS : 458—1971	
36. CM/L-5300 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	Cartybon Pvt. Ltd., Fatorda, Margao, Goa (Office : Chowgule House, Mormugao Harbour, Goa)	Carbon paper for pen and pencil Type : 'A' full scale— IS : 3450—1966	
37. CM/L-5301 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	Premier Fertilizers Ltd., Chidambaram Road, Cuddalore O.T.	BHC DP— IS : 561—1972	
38. CM/L-5302 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	Star Steel Pvt. Ltd., Opp Makarpura Railway Station, Maneja P.O. Baroda	Carbon steel bars for forgings— IS : 1875—1971	

1	2	3	4	5	6
39. CM/L-5303 1976-06-15	1976-06-16	1977-06-15	Coromandel Indag Products (P) Ltd., 28, Elupathopu 1st Street, Kaladipet, Madras-600019 (Office : 12 Police Commissioners Office Road, Madras- 600008).	BHC WDP— IS : 562—1972	
40. CM/L-5304 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	Cartybon Pvt Ltd., Fatorda, Margao, Goa (Office : Chowgule House, Mormugao Harbour, Goa).	Carbon paper typewriters, type III, ful scape— IS : 1551—1959	
41. CM/L-5305 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	Orient Steel and Industries Ltd., Village Chatra, 31 Km. Point (from Cal- cutta) of N.H. 264 Pass, Serampore, Distt Hooghly (Office : 2 Brabourne Road, Calcutta-700001).	Carbon steel cast billet ingot for rolling into structural steel (standard quality)— IS : 6914—1973	
42. CM/L-5306 1976-06-21	1976-06-16	1977-06-15	-do-	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS : 6915—1973	
43. CM/L-5307 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	Bangalore Wire Rod Mills, Mahadeva- pura Post, Whitefield, Road, Bangalore—560048	Carbon and carbon manganese free Cutting steel bars upto 50 mm dia for condition of delivery on the basis of chemical composition only— IS : 4431—1967	
44. CM/L-5308 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	Dhingra Paints (India) 14/6, Mathura Road, Faridabad (Haryana).	Distemper, dry colour as required— IS : 427—1965	
45. CM/L-5309 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	Saurashtra Chemicals, Birlasagar, Por- bandar.	Sodium bicarbonate (refined grade)— IS : 2124—1974	
46. CM/L-5310 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	-do-	Soda ash technical grade (dense, light)— IS : 251—1972	
47. CM/L-5311 1976-06-21	1976-07-01	1977-06-30	Bangalore Wire Rod Mill, Mahadeva- pura Port, Whitefield Road, Bangalore—560048.	Structural steel (ordinary quality)— IS : 1977—1975	
48. CM/L-5312 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	The Indian Iron & Steel Co Ltd., Kulti P. O. Kulti Distt. Burdwan, (Office : IISCO House, 50 Chowinghee Road, Calcutta-700071)	Centrifugally cast (spun) iron pressure pipes for water gas & sewage of sizes upto and including 750 mm, class LA, A & B— IS : 1536—1967	
49. CM/L-5313 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	-do-	Cast iron fittings for pressure pipes for water gas and sewage of sizes upto and including 750mm— IS : 1538—1969	
50. CM/L-5314 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Krishlchomin Pvt Ltd., Sarakki, Jaya- nagar South, Bangalore—560041	BHC WDP— IS : 562—1972	
51. CM/L-5315 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Hanuman Bags & Containers Ltd., 28/3, Agarwala Garden Road, Cal- cutta (Office : 8 Lyons Range, Calcutta-700001)	Laminated jute bags for packing fertilizers— IS : 7406—1974	
52. CM/L-5316 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Inca Cables Pvt Ltd., 'Inca Estate' Inca Avenue, Sembakkam, Madras- 600044 (Office : 28 Lawyer Jagannath- an Street, Guindy, Madras-600032)	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS - 398—1961	
53. CM/L-5317 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Lachhman Wire Industries Ltd., Digha Ghat, Patna-11	Galvanized stay strand Grade 2 only— IS : 2141—1968	
54. CM/L-5318 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd., Bandhgura, Bolpur, Distt. Birbhum (W.B.) (Office : 44A, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta- 700016)	Low density polythelene pipes upto and including 20 mm dia, 6kgf/cm ² pressure rating— IS : 3076—1968	

1	2	3	4	5	6
55. CM/L-5319 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Chandra Industrial Corporation (India), Gardanibagh, Patna-1 (Office : New Market, Patna-1)	Diesel engines, water cooled single cylinder, four stroke compression ignition type of the following rating : KW R.P.M. Type	
				3.67 (5 HP) 1500 CV1 IS : 1601—1960	
56. CM/L-5320 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Beplarc Mechanical Co. (P) Ltd., 44/A/2, Benaras Road, Howrah- 711101 (Office : 19/10, Ramkrishna Mandir, Peth, North Bantra, How- rah-711101).	Portable chemical fire extinguisher, soda acid type— IS : 934—1972	
57. CM/L-5321 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	East Coast Pesticides, Kishore Rice Mills, Jagannathpur, Distt Ganjam, Orissa (Office : Station Road, Biram- pur, Distt Ganjam (Orissa)).	DDT 25% EC— IS : 633—1956	
58. CM/L-5322 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Krishi Rasayan, National Highway No. 5, P.O. Ranital, Distt. Balasore (Orissa)	DDT 25% EC— IS : 633—1956	
59. CM/L-5323 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Krishi Rasayan, National Highway No. 5, P.O. Ranital, Distt. Balasore (Orissa)	Malathion EC— IS : 2567—1973	
60. CM/L-5324 1976-06-28	1976-07-01	1976-07-30	Krishi Rasayan (Bihar) Larger Indus- trial Estate, Bela P.O., R.K. Ashram, Muzaffarpur (Bihar)	Malathion 50% EC— IS : 2567—1973	
61. CM/L-5325 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Drolia Chemical Works, Maharaj Ghat, P.O. Patna City, (Patna)	Disinfectant fluid Grade III Black Type Normal Class 'A' IS : 1061—1975	
62. CM/L-5326 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Sujanil Chemo Industries, Ganesh Nagar, Chinchwad, Poona-411033	Endrin EC— IS : 1310—1974	
63. CM/L-5327 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Sinnar Bidi Udyog Ltd., Bidi Making Centres at Villages in Sangamner & Akola Talukas & Sangamner City (Office : Soona Mahal Netaji Subhas Road, Bombay).	Bidis— IS : 1925—1974	
64. CM/L-5328 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Sinnar Bidi Udyog Ltd., Bidi Making Centres in Ahmednagar City, (Office : Soona Mahal, Netaji Subhas Road, Bombay).	Bidis— IS : 1925—1974	
65. CM/L-5329 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Sinnar Bidi Udyog Ltd., Bidi Making Centre at Sholapur City, (Office : Soona Mahal, Netaji Subhas Road, Bombay).	Bidis— IS : 1925—1974	
66. CM/L-5330 1976-06-28	1976-07-01	1977-06-30	Baroda Minerals Grinding Industries, National Highway No. 8, Naroda, Ahmedabad (Gujarat).	BHC OP 5% & 10%— IS : 561—1972	
67. CM/L-5331 1976-06-30	1976-05-16	1977-05-15	Makali Engg. Works, 121/5, Netaji Subhas Road, Howrah-711101 (Office : 126/2, Netaji Subhas Road, Howrah-711101)	Cast iron double flange sluice valve for water works purposes class II upto and including 1200 mm sizes— IS : 2906—1969	
68. CM/L-5332 1976-06-30	1976-07-01	1977-06-30	Crown Surgical Dressing Mfg Co., 66, Sidhpura Industrial Estate, Maqrani Lane, Kurla, Bombay-400070	Handloom cotton gauge absorbent— IS : 758—1975	

नई विली, 1979-04-03

आ०का० 1275.—समय समय पर मंशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणत विली) विनियम 1955 के विनियम 14 के उपचारियम (4) में भनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सा इसें संचया सीएम/एल-6818 जिसके और नीचे भनुसूची में दिए गए हैं। 1978-10-15 से रद्द कर दिया गया है क्योंकि फर्म अपना इसें छानू नहीं रख सकती।

प्रत्यक्षी

क्रम सं०	नाइसेंस सं० और निधि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किए गए लाइसेंस के प्रधीन अस्तु/ प्रक्रिया	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. सीएम/एल-6818 1978-02-28	दि इलहोंगी जूट कं. लि० चापदानी कांच के रेशे के आधार वाले विट्युमेनी नमदे डाकघर, द्वारी जिला (कायनिय चार्टर्ड वैक विलिंग कलकत्ता- 700001 में है)	दावप 2, प्रेड 1	IS : 7193—1974 कांच के रेशे के आधार वाले कोलतार विलिंग कलकत्ता नमदों की विशिष्टि	[सं० सीएम/एल-6818] ए० पी० बनर्जी, उपमहानिवेशक (आई एस आई)

New Delhi, 1979-04-03

S.O. 1275.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licence No. CM/L-6818 particulars which are given below has been cancelled with effect from 1978-10-15 as the firm could not operate the Licence.

Sl. No.	Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process Governed by the Licences cancelled	Relevant Indian Standard
1	2	3	4	5
1.	CM/L-6818 1978-02-28	The Dalhousie Jute Co. Ltd., Champdany, P.O. Hooghly District (Office : Chartered Bank Building, Calcutta-700001)	Glass fibre base bitumen felt Type 2, IS : 7193—1974, Specification for glass fibre base coal tar pitch and bitumen felts. Grade 1	[No. CMD/55 : 6818] A.P. BANERJI, Deputy Director General, ISI.

नई विली, 4 अप्रैल, 1979

का०का० 1276.—केन्द्रीय सरकार अधिकारी मंत्रिया (विनियम) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के प्रधीन अहमदाबाद काटन मर्चेट एसोसिएशन, अहमदाबाद द्वारा मान्यता के नवीकरण के लिए किए गए आवश्यक पर वायवा आजार आयोग के परामर्श से विचार करके और यह नमायात हो जाने पर कि ऐसा करना आपार के हित में और लोकान्हित में थोड़ा हांगा, उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, उक्त एसोसिएशन को यह की अधिक संविधानों के बारे में 16 अप्रैल, 1979 से 15 अप्रैल, 1982 (जिसमें दोनों दिन भी मिमिलिन हैं) तक वर्ष की अनिवार्य कालावधि के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एतद्वारा प्रदत्त मान्यता इस शर्त के प्रवीन है कि उक्त एसोसिएशन ऐसे निवेदों का अनुग्रह करेगी जो वायवा आजार आयोग द्वारा समय समय पर दिए जायें।

[सं० 12(3) आईटी०/79]
क० एस० मिश्यू, उप मंत्रिया

New Delhi, the 4th April, 1979

S.O. 1276.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Ahmedabad Cotton Merchant's Association, Ahmedabad, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby

grants, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of three years from the 16th April, 1979 to the 15th April, 1982 (both days inclusive) in respect of forward contracts in cotton.

2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions, as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[No. 12(3)-IT/79]
K. S. MATHEW, Dy. Secy.

पैट्रोलियम स्पाल्च और उर्बरक मंसालच

(पैट्रोलियम विभाग)

नई विली, 2 अप्रैल, 1979

का०का० 1277.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यही संग्रह भनुसूची में प्रदर्शित किया गया है, प्रौद्योगिकी और अभियान पाइलाइन (प्रयोक्ता के भूमि प्रधिग्रहण अधिकारी) अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत 6 उपखण्ड (1) के भलतीय प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के अंकलिष्वर तेल क्षेत्र में उक्त परियोजना भूमि में केव्रात स्थल सं० डबका०-1 से डबका०-जीमीएस तक पैट्रोलियम के लिए यही उपयोग के अधिकार प्राप्त किए गए हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपर्युक्त नियम के अन्तर्गत 1 की धारा (1) में निर्धारित कार्य दिनांक 17-6-78 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः यदि पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिकार अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्रधिकारी एवं द्वारा उक्त नियम को कार्य सभा के नियम अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

उद्धका 1 से उद्धका 5 तक पाइप लाइन कार्य की समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	काउन्सिल	भारत के राजसभा में की नियम	प्रकाशन की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उद्योग	गवासद	315	27-1-79	17-6-78

[12016/23/79-प्र०-I]

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILIZER

(Dept. of Petroleum)

New Delhi, the 2nd April, 1979

S.O. 1277.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. Dabka-1 to Dabka-Gcs in Ankleshwar oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 17-6-78.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. Dabka-1 to Dabka-Gcs

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Gavasad	315	27-1-79	17-6-78

[No. 12016/23/79. Prod-II]

काउन्सिल 1278.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यही संघन अनुसूची में प्रवाशत विया गया है और पेट्रोलियम और उद्योग पाइप लाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के अंकलेश्वर तेल क्षेत्र में उक्त परिणिष्ट भूमि में बेशत स्थल सं. उद्धका-5 से जी०सी० एम० तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार है।

तेल एवं प्राकृतिक गैस उद्योग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उप-खण्ड (1) की धारा (1) में निर्दिष्ट कार्य विनांक 19-6-78 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः यदि पेट्रोलियम पाइप लाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम प्रधिकारी एवं द्वारा उक्त नियम को कार्य सभा के नियम अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

उद्धका-5 से जी०सी० एम० तक पाइप लाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	काउन्सिल	भारत के राजसभा में की नियम	प्रकाशन की तिथि
पेट्रोलियम, रसायन और उद्योग	गवासद	390	3-2-79	19-6-78

[12016/23/79-प्र०-II]

S.O. 1278.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. Dabka-5 to Gcs in Ankleshwar oil field in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub-section (1) of section 7 of the said Act on 19-6-78.

Now, therefore, under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of use in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. Dabka-5 to Gcs.

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Gavasad	390	3-2-79	19-6-78

[No. 12016/23/79-Prod-II]

काउन्सिल 1279.—यदि पेट्रोलियम और उद्योग पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० आ० सं० 3365 तारीख 5-11-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से सेलन अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अन्ता आशय घोषित कर दिया था।

और यह: मक्षम प्रधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से सेलन अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्टय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए प्रदद द्वारा प्राप्त किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश देती है कि उक्त भूमियों का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेव और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी संवेदनों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

सानन्द-48 से इन्हूंने आई सानन्द-15 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला: महेसाना तालुका: कलोल

क्षेत्रफल

गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	एक्रार्ट	सेन्टीपर
सानन्द	204/1	0	12	15
	कार्ट्रैक	0	01	00
	202	0	01	00
	203	0	14	85
जेठलज	288/1	0	09	00
	291/1	0	02	70
	291/2	0	01	00
	293/4	0	05	85
	294/2	0	08	75
	298	0	02	55
	299	0	05	55
	307/1	0	01	00
	300	0	01	00
	309/3ए	0	04	50
	309/1 बी	0	07	20
	306	0	07	35
	311	0	07	05
	314/2	0	15	45
	315	0	27	15
	354/1	0	11	70
	354/2	0	12	15
नासमेद	88/1	0	01	00
	कार्ट्रैक	0	01	05
	88/पैकी	0	27	00

[सं० 12016/1/78-प्र० 1]

S.O. 1279.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. No. 3365 dated 5th November, 1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government was on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Sanawad—48 to Whi Sanand-15

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Survey No.	Hec-tare	Acre	Centi-tare
Sanawad	204/1	0	12	15
	Cart track	0	01	00
	202	0	01	00
	203	0	14	85
Jethalaj	288/1	0	09	00
	291/1	0	02	70
	291/2	0	01	00
	293/4	0	05	85
	294/2	0	08	75
	298	0	02	55
	299	0	05	55
	307/1	0	01	00
	300	0	01	00
	309/3A	0	04	50
	309/1B	0	07	20
	306	0	07	35
	311	0	07	05
	314/2	0	15	45
	315	0	27	15
	354/1	0	11	70
	354/2	0	12	15
Nasmed	89/1	0	01	00
	Cart track	0	01	05
	88/Paiki	0	27	00

[No. 12016/1/78-Prod. I]

का० प्रा० 1280.—यतः पेट्रोलियम और अनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का० प्रा० सं० 3367 तारीख 5-11-78 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का प्रपता आशय घोषित कर दिया था।

और यतः मध्यम प्राधिकारी के उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार की रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्ठय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग हुए पेट्रोलियम एवं द्वारा घोषित वर्ती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केवल भरकार निर्वाचित होती है कि उस भूमियों में उपयोग का अधिकार केवल भरकार में विहित होने के मायात्रा तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कृप नं. के०ग्रो०ड० 3 में के०-154 तक पाइपलाइन विभाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला: मेहसाना तालुका: कलू

गांव	लाइन नं.	बैंकेटर एथार्ट	सेन्टीटर	सेन्टीटर
छहाल	627	0	15	75
	626	0	15	60
	625/3	0	15	15
रेलवे भूमि	0	03	75	
625/1	0	02	00	
कार्ट ट्रैक	0	01	00	
622	0	06	00	
महू	0	05	85	
ओला	383	0	07	80
	384	0	08	85
	396	0	16	95
	397	0	03	23
	399	0	01	43
	401	0	01	00
	402	0	07	20
	395	0	09	30
कार्ट ट्रैक	0	00	45	
437	0	04	20	

[सं० 12016/1/78-प्र० II]

S.O. 1280.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, S.O. No. 3367 dated 5th November, 1978 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of power conferred by Sub-section (4) of that Section the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from D.S. KOD-3 to K-154
State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kalol

Village	Block No.	Hec-tare	Acre	Centi-are
Chhatral	627	0	15	75
	626	0	15	60
	625/3	0	15	75
Railway land	0	03	75	
625/1	0	02	00	
Cart track	0	01	00	
622	0	06	00	
Road	0	05	85	
OLA	383	0	07	80
	384	0	08	85
	396	0	16	95
	397	0	03	23
	399	0	01	43
	401	0	01	00
	402	0	07	20
	395	0	09	30
	Cart track	0	00	45
	437	0	04	20

[No. 12016/1/78-Prod.-II]

का० आ० 1281.—भारत भरकार के धारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रदर्शित किया गया है और पैट्रोलियम और बनिज पाइपलाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के कलोल तेल बोर्ड में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेदान स्प्ल सं० के०ड०६०-22 से जी०जी०एस०-III तक पैट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार है।

नेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में लिंगिट कार्य विनांक 22-12-75 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः, प्रब, पैट्रोलियम पाइपलाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

के०ड०६०-22 से जी०जी०एस०-III तक पाइपलाइन कार्य समाप्ती

मंत्रालय का नाम	गांव	का०आ० सं० भारत के राजपत्र में विवरण	कार्य समाप्ति तिथि
पैट्रोलियम, रसायन उद्योग बड़ाल बड़ालपानी	317	27-1-79	22-12-75
उर्बंक अम्बापुर			

[सं० 12016/6/79-प्र०]

S.O. 1281.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from D.S. KOD-22 to G.G.S. III in Kalol oil field in Gujarat State

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 22-12-75.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. KDE-22 to G.G.S. III

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Chhatral Vadavswami Ambavpura	317	27-1-1979	22-12-75

[No. 12016/16/79-Prod.]

का०धा० 1282.—भारत सरकार के अधिसूचना के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रवर्णित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के नवागाम तेल धोन में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेष्टान स्थल सं० 90 से जी०जी०एस०-III तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार है।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निविष्ट कार्य दिनांक 15-3-1978 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते हैं :

अनुसूची

90 से जी०जी०एस०-III तक पाइपलाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का०धा० सं०	भारत के कार्य समाप्ति
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	पानसोली	389	राजपत्र में की तिथि
			प्रकाशन की तिथि

[सं० 12016/24/79-प्र०]

S.O. 1282.—Whereas by the notification of Government of India as shown in the schedule appended hereto and issued under sub-section (1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipeline (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. NKX to Steam Point at RON NKAZ to WHI Kadi-25 in Mehsana oil fields in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 15-3-1978.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

Termination of operation of pipeline from D.S. 90 to G.G.S III

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India	Date of termination of operation
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Pansoli	389	3-2-1979	15-3-1978

[No. 12016/24/79-Prod.]

का०धा० 1283.—भारत सरकार के द्वारा जैसा कि यहां संलग्न अनुसूची में प्रवर्णित किया गया है और पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) अधिनियम, 1962 के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया है, गुजरात राज्य के मेहसाना तेल धोन में उक्त परिशिष्ट भूमि में वेष्टान स्थल सं० 90 से जी०जी०एस०-III तक पेट्रोलियम के लिए भूमि उपयोग के अधिकार है।

तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने उपयुक्त नियम के खण्ड 7 के उपखण्ड (1) की धारा (1) में निविष्ट कार्य दिनांक 25-2-78 से समाप्त कर दिया गया है।

अतः अब पेट्रोलियम पाइपलाइन के नियम (प्रयोक्ता के भूमि अधिग्रहण अधिकार) नियम, 1963 के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी एतद्वारा उक्त तिथि को कार्य समाप्त की तिथि अधिसूचित करते हैं।

अनुसूची

एन०के०एस० से स्टीम पोहट से एन०के०गा० जैड से डब्ल्यू०एच०गा० की-25 तक पाइपलाइन कार्य समाप्ति

मंत्रालय का नाम	गांव	का०धा० सं०	भारत के कार्य समाप्ति
पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक	पानसोली	316	राजपत्र में की तिथि

[सं० 12016/25/78-प्र०]

S.O. 1283.—Whereas by the notification of Government of India as shown in schedule appended hereto and issued under sub-section(1) of section 6 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of user in lands) Act, 1962 the right of user has been acquired in the lands specified in the schedule appended thereto for the transport of petroleum from d.s. NKX to Steam Point at RON NKAZ to WHI Kadi-25 in Mehsana oil fields in Gujarat State.

And whereas the Oil & Natural Gas Commission has terminated the operations referred to in clause (i) of sub section (1) of section 7 of the said Act on 25-2-78.

Now therefore under Rule 4 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of right of user in land) Rules, 1963, the Competent Authority hereby notifies the said date as the date of termination of operation to above.

SCHEDULE

TERMINATION OF OPERATION OF PIPELINE FROM
D.S. NKX to Steam Point at NKAZ to WHZ Kadi 25

Name of Ministry	Villages	S.O. No.	Date of publication in the Gazette of India,	Date of termination of opera- tion.
Petroleum, Chemicals & Fertilizer	Bhataria Telavi	316	27-1-79	25-2-78

[No. 12016/25/79 Prod.]

का०आ० 1284.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि गुजरात राज्य में कूप नं० धोलका-12 से डब्ल्यू०एच०आई० धोलका-1 के पास तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को विछाने के प्रयोजन के लिये एन्ड्रूपार्क अन्तर्राष्ट्रीय भूमि में विनियमन के उपयोग का अधिकार अर्जित करना चावश्यक है।

यतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एन्ड्रूपार्क घोषित किया है।

वर्णते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन विछाने के लिए प्राक्षेप नक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देवभाग प्रभाग, मकारपुरा रोड, वडोवरा 9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर रखेगा।

और ऐसा आवेदन करने वाला हर व्यक्ति विविधतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी गुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि अवसायी की माफ़त।

अनुसूची

धोलका-12 से डब्ल्यू०एच०आई० धोलका-1 तक पाइपलाइन विछाने के लिए

राज्य : गुजरात	जिला : खेड़ा	तालुका : भातर	गांव	सर्वे नं०	हेक्टेयर	ए.प्रार्हि० सेन्टीयर
रसिकपुरा			61	0	07	20
			63	0	10	05
			89/2	0	17	40
			92/3	0	03	75
			92/2	0	08	25
			90	0	01	95
			91	0	15	90
			757/2	0	09	00
			757/1/P	0	09	83
			757/1/P	0	02	25
			758/3	0	11	70
			758/2	0	02	25

[सं० 12016/26/79-प्र०]

ऐस० एम० वाई० नदीम, अधर सचिव

S.O. 1284.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dholka-12 to Whi at Dholka-1 in Gujarat State pipelines should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division Makarpura Road, Vadodara-390009.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

PIPELINE FROM DHOLKA-12 TO WHI AT DHOLKA-1
STATE : DISTRICT : KAIRA TALUKA : MATAR
GUJARAT

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centi- are
RASIKPURA	61	0	07	20
	63	0	10	05
	89/2	0	17	40
	92/3	0	03	75
	92/2	0	08	25
	90	0	01	95
	91	0	15	90
RADHU	757/2	0	09	00
	757/1/P	0	09	83
	757/1/P	0	02	25
	758/3	0	11	70
	758/2	0	02	25

[No. 12016/26/79-Prod.]

S.M.Y. NADEEM, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

आवेदन

नई विल्सो, 9 अप्रैल, 1979

का०आ० 1285.—यतः भारत सरकार के भूमपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की 31 जनवरी, 1963 की अधिसूचना सं० 16-36/61-एम० 1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश किया है कि भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए कोर्टेन यूनिविसिटी, चूयाक, यू०एस०ए० द्वारा प्रदत्त “एम०डी०” विकितसा प्राप्त होता साथ विकितसा प्राप्त होती है:

और यतः डॉ० एफ० सी० एसेस्टोन जिनके पाम उपर प्राप्त होता है और अनुसंधान और अध्यार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल क्रिएशन मेहीकल कालेज तथा बातून मेमोरियल अस्पताल, लूधियाना, पंजाब के साथ सम्बद्ध है:

यतः उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुके के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एन्ड्रूपार्क—

(1) आगे 31 दिसम्बर, 1980 तक।

(2) उस अधिकारी को जब तक डॉ० एडवर्ड ब्रॉ० सी० एलेस्ट्रोन उक्त क्रिस्टियन डेंडिकल कालेज संघ ब्राउन मेमोरियल अस्पताल, सुधियाना, पंजाब से सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अधिकारी विनियोग करती है, जिसमें पूर्वोक्त डॉ० डेंडिकल डैक्टिस कर सकेंगे।

[संख्या वी० 11016/7/78-एम०ई०(पी)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

ORDER

New Delhi, the 9th April, 1979

S.O. 1285.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-36/61-ML dated the 31st January, 1963 the Central Government has directed that the Medical qualification, "M.D." awarded by the Cornell University, New York, U.S.A., shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) ;

And whereas Dr. F. C. Eggeston, who possesses the said qualification is for the time being attached to the Christian Medical College and Brown Memorial Hospital Ludhiana, Punjab for the purposes of teaching research and Charitable work ;

Now, therefore, in pursuance of clause(c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies —

- a further period upto 31st December, 1980; or
- the period during which Dr. F. C. Eggeston is attached to the said Christian Medical College and Brown Memorial Hospital Ludhiana, Punjab,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V-11016/7/78-M.E. (Policy)]

कांस्या० 1286.—यह भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य भवालय की 30 विदेशी, 1960 की अधिनियम सं० 17-59/59-एम०-1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निर्देश दिया है कि भारतीय यायुक्तिकान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए एम० वी० (चिकित्सा), अमेरिका की चिकित्सा अर्हता भारत विकास अर्हता होगी;

योग्य यह डॉ० एडवर्ड ब्रॉ० क्रावेल जिनके पास उक्त अर्हता है वैज्ञानिक और अनुसंधान कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल क्रिस्टियन डेंडिकल कालेज और ब्राउन मेमोरियल अस्पताल, सुधियाना, पंजाब के साथ सम्बद्ध हैं;

प्रतः, यद्यपि, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परम्परुक के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा—

- 30 सितम्बर, 1980 तक की अधिकारी, अधिकारी

(2) उस अधिकारी को जब तक डॉ० एडवर्ड ब्रॉ० क्रावेल उक्त क्रिस्टियन डेंडिकल कालेज और ब्राउन मेमोरियल अस्पताल, सुधियाना (पंजाब) के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अधिकारी विनियोग करती है, जिसमें पूर्वोक्त डॉ० डेंडिकल डैक्टिस कर सकेंगे।

[संख्या वी० 11016/7/79-एम०ई०(पी)]

आर० वी० श्रीनिवासन, उप-सचिव

S.O. 1286.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 17-59/59-ML dated the 30th December, 1960, the Central Government has directed that the Medical qualification, M.D. (Chicago), United States of America shall be recognised medical qualification for the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) ;

And whereas Dr. Edward B. Crowel who possesses the said qualification is for the time being attached to the Christian Medical College and Brown Memorial Hospital, Ludhiana Punjab for the purposes of teaching and research.

Now, therefore, in pursuance of clause(c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies —

(a) a period upto 30th September, 1980, or

(b) the period during which Dr. Edward B. Crowel is attached to the said Christian Medical College and Brown Memorial Hospital, Ludhiana, Punjab,

whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V-11016/7/79-M.E. (Policy)]

R. V. SRINTVASAN, Dy. Secy.

परमाणु ऊर्जा विभाग

आवेदन

वर्षांई, ९ मार्च, 1979

कांस्या० 1287.—परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 (1962 का 33) के द्वारा प्रदत्त नियमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा नियंत्रण देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 16 के अन्तर्गत रेडियोमॉर्फिय पदार्थों के धारात के नियंत्रण संगठनों को अनुभवि प्रदान करने के बारे में उसे प्राप्त अक्तिकारों का प्रयोग भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र के विकारण मरक्षण प्रभाव के प्रश्नान् भी, अपने आपको हस्त बारे में संतुष्ट कर नहीं के पक्षात् कर सकते कि प्रयोगकारी संगठनों में विकारण-जनित घटनाएँ से ब्रह्माक की मुश्कियाएँ विद्यमान हैं, रेडियोमॉर्फिय पदार्थों का हस्तन करने में सक्षम प्रशिक्षित कर्मचारी उपलब्ध हैं भीर ये पदार्थ भारत में उपलब्ध नहीं हैं।

[सं० 1/9(4)/78-स० एक्स०प०]

प्र० स्वामीनाथन, अव० सचिव

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

ORDER

Bombay, the 9th March, 1979

S.O. 1287.—In exercise of the powers conferred by section 27 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962), the Central Government hereby directs that the powers conferred on it by section 16 of the said Act, relating to grant of permission to various user organisations for import of radioactive substances, shall be exercised also by the Head, Division of Radiological Protection, Bhabha Atomic Research Centre, Department of Atomic Energy, Government of India, after satisfying himself that facilities are available with the user organisations for protection against radiation hazards, that competent staff trained in handling radioactive substances is available with the user organisations and also that these substances are not indigenously available.

[No. 1/9(4)/78-O&M]

S. SWAMINATHAN, Under Secy.

विस्तीर्ण विकास प्राधिकरण

(सामाजिक प्रशासन विभाग (तात्पर्य)

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1979

कांस्या० 1288.—विस्तीर्ण डैवलमेन्ट मेन्ट 1957 (1957 की सं० 61) की भारा 52 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विस्तीर्ण विकास प्राधिकरण एवंद्वारा नियंत्रण देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13 के अन्तर्गत प्रयोग की जाने वाली

शक्तियों का प्रयोग योजना के प्रभारी सरकार के परामर्श से उपायक द्वारा भी किया जा सकता है।

[सं० एफ० १(१)/७९-सम्बन्ध/सम्बन्ध-१६१-१९७८]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(Gen. Admn. Deptt. Coord)

New Delhi, the 3rd February, 1979

S.O. 1288.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 52 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Delhi Development Authority hereby directs that the powers exercisable by it under section 13 of the said Act may also be exercised by its Vice-Chairman in consultation with Member in-charge of Planning.

[No. F. 1(1)/79-Coord./Res. 161-1978]

का० आ० 1289.—विल्सी डैफेंसिव एक्ट, 1957 (1957 की संख्या 61) की बारा ५७ की उपधारा (1) के भन्तांत प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस भविष्यसूचना के प्रकाशित होने की तिथि से दिल्ली विकास प्राधिकरण विल्सी डैफेंसिव एक्ट (राष्ट्रीय प्रैनेजमेंट प्राक्टिस बांड्स) रेग्लेशन्स, 1970 को रद्द करता है।

रद्द करने के आदेश के प्रकाशित होने से पहले उक्त रेग्लेशन्स के भन्तांत को कोई कार्रवाई या बात उपरोक्त रद्द किये जाने की किया से प्रभावित नहीं होती।

[सं० एफ० १(१)/७९-सम्बन्ध/सम्बन्ध-१९३-१९७८]

S.O. 1289.—In exercise of its powers under sub-section (1) of Section 57 of the Delhi Development Act, 1957 (No. 61 of 1957), the Delhi Development Authority as from the date of publication of this notification, repeals the Delhi Development Authority (Issue and Management of Bonds) Regulations, 1970.

The said repeal shall, however, not affect anything done or any action taken under the said Regulations before the date of such repeal.

[No. F. 1(1)/79-Coord./Res. 193-1978]

सार्वजनिक सूचना

नई विल्सी, 21 अप्रैल, 1979

का० आ० 1290.—केन्द्रीय सरकार विल्सी मुक्त योजना/क्षेत्र सं० डी०-१७, १८, १९, २० एक २ व ३ में मिश्रित क्षेत्रीय विकास चिन्ह में नियमित संशोधन करने का विचार कर रही है, एक-द्वारा जिसे सार्वजनिक सूचना हेतु प्रकाशित किया जाता है। इस संशोधन के सम्बन्ध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या सुकाव देना हो तो वे अपने आपत्ति या सुकाव इस सूचना के ३० दिन के भीतर सचिव, विल्सी विकास प्राधिकरण, ५वीं मंजिल, विकास मीनार, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई विल्सी के पास लिखित रूप में भेज दें। जो व्यक्ति अपनी आपत्ति या सुकाव दें, वे अपना नाम एवं पूरा पता लियें।

संक्षेप

“डिफेंस कालोनी एक्साई औवर के नीचे स्थित क्षेत्र संख्या डी०-१७, १८, १९, २० एक २ व ३ के मिश्रित क्षेत्रीय विकास चिन्ह में आने वाले डिफेंस कालोनी के नामने के लगभग १.९२ है० (४.७५ एक्ट) क्षेत्रफल के उस भूक्षेत्र जिसके परिषिर में सार्वजनिक एवं मध्य-माध्यजनक सुविधा को क्षेत्र पूर्व में साजपत्र-सागर तथा जंगलुरा एक्स० है, के भूमि उपयोग को “परिषिर” से “व्यावसायिक” (स्थानीय विपणन केन्द्र) में परिवर्तित किये जाने का विचार है।”

२. शनिवार को छोड़कर और गम्भी कार्यशाला दिनों में दिं विं प्र० के नामांतर, १०वीं मंजिल, विकास मीनार, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई विल्सी, में उक्त प्रविधि के द्वारा उपस्थिति संशोधन का मानचित्र निरीक्षण हेतु उपलब्ध होगा।

[सं० एफ० २०(४)/७९ एम० पी०]
प्रियोग चन्द्र श्रीषत्तद, सचिव

New Delhi, the 21st April, 1979

PUBLIC NOTICE

S.O. 1290.—The following modification, which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi/Composite Zonal Development Plan of D-17, 18, 19, 20, F-2 & 3, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send his objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, 5th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi, within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestions should also give his name and address.

MODIFICATION

“The land use of an area measuring about 1.92 Hects. (4.75 Acres) located under the Defence Colony Flyover facing Defence Colony and falling in the composite Zonal Development Plan of Zone D-17, 18, 19, 20, F-2 and 3, and Public & Semi Public Facility area towards West, Lajpat Nagar and Jangpura Extension towards East, is proposed to be changed from ‘Circulation to ‘Commercial’ (Local Shopping Centre).”

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Authority, 10th Floor, Vikas Minar, Indraprastha Estate, New Delhi on all working days except Saturdays, within the period referred to above.

[No. F. 20(4)/79-MP]

G. C. SRIVASTAVA, Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-सार भोई)

मई विल्सी, 6 अप्रैल, 1979

का० आ० 1291.—जबकि विचुर, प्रोल्सुर, चिरपु और भलग घट्टानार टेलीकोन एक्सर्चेज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की वादत जिन स्तरों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ने की सम्भावना है एक सर्वसाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तारीख नियमावली, 1951 के नियम 434(III)(बीबी) में व्योगिता है विचुर, प्रोल्सुर, चिरपु और भलग घट्टानार में चालू समाचार पत्रों में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें कोई आपत्ति हो या उनके कोई सुकाव हों तो वे इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर भेजें तो कष्ट करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए मलयालम दैनिक “मलयालम मनोरमा” में तारीख 15-7-1976 को मलयालम दैनिक “एक्सप्रेस विचुर” में 15-7-1976, मलयालम दैनिक मध्यराष्ट्रमि में 17-7-1976 और अंग्रेजी दैनिक “इण्डियन एक्सप्रेस”, में 15-7-1976 को प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जन-साधारण से मिली आपत्तियों और सुकावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए ग्रब उक्त नियमावली के नियम 434(III)(बीबी) द्वारा प्रवत्त योग्यताओं का प्रयोग करते हुए, महानिवेदक, डाक-सार ने घोषित

किया है कि तारीख 16-4-79 से त्रिचूर, ओल्लूर, चिरपु और अलग भ्रातानार का स्थानीय प्रणाली क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

1. त्रिचूर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :—त्रिचूर एक्सचेंज के स्थानीय इलाके में वह बेंके भ्राताने जो त्रिचूर नगरालिका सेवा क्षेत्र के प्रत्यागत थाता है, वर्तमान के त्रिचूर एक्सचेंज के स्थानीय उपभोक्ता, जिन्हें त्रिचूर टेलीफोन व्यवस्था द्वारा सेवा मिलती है तब तक स्थानीय शुल्क द्वारा करते रहेंगे जब तक कि वे इस व्यवस्था के किसी एक्सचेंज के 5 किलोमीटर के भीतर स्थित हों और उससे पूर्व रहेंगे।

नोट : कमीमंगालम के धान क्षेत्रों महिने पर्वतम से पूर्व तक विस्तृत सीमा, दक्षिण में चेराची कनाल तक और त्रिचूर इण्डियन जलाकुड़ा सड़क और नैनीकुलम, प्रसुर सड़क को एन.एच. 47 तक कटते हुए ओल्लूर गांव की सीमा तक।

2. ओल्लूर टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :—ओल्लूर के स्थानीय इलाके में वह इलाका भ्राताने जो ओल्लूर टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर की अवधीय दूरी के भीतर पड़ता हो वर्तमान के यह सीमा उत्तर में पर्वतम से पूर्व तक चेराची कनाल सीमित और पर्वतम से पूर्व तक बेलीकुम्ह-प्रसुर रोड तथा ओल्लूर गांव की सीमा, उत्तर पर्वतम में त्रिचूर एक्सचेंज से 5 किलोमीटर चिम्पाराम गांव की सीमा, पर्वतम में एवनियरी गांव की सीमा, दक्षिण पर्वतम में इडाकुड्डी गांव की सीमा, दक्षिण में त्रिचूर गांव की सीमा और दक्षिण पूर्व में त्रिचूर गांव को काटती हुई 5 किलोमीटर धारा०डी० सीमा।

3. चिरपु टेलीफोन व्यवस्था :—चिरपु टेलीफोन व्यवस्था के स्थानीय इलाके के प्रत्यागत वह इलाका भ्राताने जो चिरपु टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर की अवधीय दूरी के भीतर पड़ता हो वर्तमान के भागे उत्तर पूर्व में एवनियरी और इडाकुड्डी ग्रामों, पूर्व में रेलवे लाइन और दक्षिण में करुणरु और असमानी नदियों तक इसकी सीमा प्रतिवर्णित होगी।

4. अलगभ्रातानगर टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली :—अलग भ्रातानगर प्रणाली के स्थानीय इलाके में वह इलाका भ्राताने जो अलग भ्रातानगर टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर की अवधीय दूरी के भीतर पड़ता हो वर्तमान के भागे त्रिचूर पूर्व में ओल्लूर टेलीफोन एक्सचेंज से 5 किलोमीटर अवधीय दूरी, पर्वतम में रेलवे लाइन, पूर्व में धन्वालुर ग्रामों में सुरुक्षित बनों को छोड़कर धन्वालुर काल्लुर ग्रामों तक इसकी सीमा प्रतिवर्णित होगी।

[3-6/74-पी०एच०धी०]

DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (P & T Board)

New Delhi, the 6th April, 1979

S.O. 1291.—Whereas a public notice for revising the local area of Trichur, Ollur, Cherpu and Alagappanagar Telephone Exchange Systems was published as required by rule 434(III)(bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Trichur, Ollur, Cherpu and Alagappanagar, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers.

And whereas the said notice was made available to the public on 15-7-1976 in Malayalam Daily "Malayala Manorama" on 14-7-1976 in Malayalam Daily "Express Trichur" on 15-7-1976 in Malayalam Daily Mathrubhoomi and on 15-7-1976 in English Daily 'Indian Express'.

And whereas objections and suggestions received from the public on the said notice have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III)(bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declares that with effect from 16-4-79 the revised local area of Trichur, Ollur, Cherpu and Alagappanagar shall be as under;

1. Trichur Telephone Exchange System.—The local area of Trichur shall cover an area falling under the jurisdiction of Trichur Municipality provided further that the telephone subscribers located outside Trichur Municipal limit but who are served from Trichur Telephone System will continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 KM of any Exchange of this system and remain connected to it.

Note :—The boundary in the south will be limited to Cheerachi Canal extending from West to East along Kanimangalam paddy fields and cutting Trichur Trinjalakuda Road and NH 47 up to Nellikunnam Puthur Road & the village boundary of Ollur.

2. Ollur Telephone Exchange System.—The local area of Ollur shall cover an area falling within 5 KM radial distance from Ollur Telephone Exchange provided that this limit shall be restricted to Cheerachi Canal in the North extending from West to East upto Nellikunnam-Puthur Road and village boundary of Ollur and 5 KM of Trichur Exchange to Chillyaram village boundary in north west, Avanissery village boundary in the West, Edakunni village boundary in the South West, Trikkur village boundary in the South and the 5 KM R.D. boundary cutting Trikkur Village in the South East.

3. Cherpu Telephone Exchange System.—The local area of Cherpu shall cover an area falling within 5 KM radial distance from Cherpu Telephone Exchange provided further that this limit shall be restricted to village boundaries of Avanissery and Edakunni Villages in the North East, Railway line in the East and Karuvanur and Kurumali rivers in the south.

4. Alagappanagar Telephone Exchange System.—The local area of Alagappanagar shall cover an area falling within 5 KM radial distance from the Alagappanagar Telephone Exchange provided further that this limit shall be restricted to the village boundary of Trikkur and 5 KM RD of Ollur Telephone Exchange in the North and North-East, Railway line in the West, boundary of Amballur Kallur villages in the East but excluding the reserve forests falling in Amballur villages.

[No. 3-6/74-PHB]

मई दिल्ली, 7 मार्च, 1979

का०धी० 1292.—इम्फाल टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था के स्थानीय क्षेत्र में बदली किये जाने की वायन जिन लोगों पर इस परिवर्तन का प्रभाव पड़ते की सम्भावना एक भवित्वाधारण सूचना उन सबकी जानकारी के लिए जैसा कि भारतीय तार नियमावधी, 1951 के नियम 434 (III) (बी) में घोषित है इम्फाल में चालू समाचार-गतियों में निकाला गया था और उनसे कहा गया था कि इस बारे में यदि उन्हें आपत्ति हो या उनके कोई सुझाव हों, तो वे इस सूचना के प्रभावित होने की सारी दिनों के भीतर ज्ञाने का काल करें।

उक्त सूचना सर्वसाधारण की जानकारी के लिए 20-8-1978 को दीक्षित प्रजातन्त्र में प्रकाशित कराई गई थी।

उक्त सूचना के उत्तर में जनसाधारण से कोई आपत्तियों और सुझावों पर केन्द्रीय भरकार द्वारा विचार किया गया है।

इसलिए अब उक्त नियमाली के नियम 434(III) (बी) द्वारा उक्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेश, डाक-तार ने घोषित किया है कि तारीख 18-6-1979 से इम्फाल का स्थानीय संशोधित क्षेत्र इस प्रकार होगा :—

इम्फाल टेलीफोन एक्सचेंज व्यवस्था :—इम्फाल का स्थानीय क्षेत्र वही होगा जो कि इम्फाल नगरालिका के प्रत्यागत पड़ता है, किसी टेलीफोन प्रयोगकर्ता जो कि इम्फाल नगरालिका की सीमा के बाहर स्थित है किसी जिन्हें इम्फाल टेलीफोन एक्सचेंज प्रणाली से सेवा प्रदान होती है वे इस व्यवस्था के किसी भी टेलीफोन एक्सचेंज

से जब तक 4 किलोमीटर दूरी के भीतर स्थित रहेंगे और इस अवधि से जूँ रहेंगे जब तक स्थानोंये शूलक दर से घटायी जाएंगी।

[सं. 3-16/76-पी.एच.बी.]
एम. बी. राममूर्ति, निदेशक फॉन (६०)

New Delhi, the 7th April, 1979

S.O. 1292.—Whereas a public notice for revising the local area of Imphal Telephone Exchange System was published as required by rule 434(III) (bb) of the Indian Telegraph Rules, 1951 in the Newspapers in circulation at Imphal, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, within a period of 30 days from the date of publication of the notice in the Newspapers;

And whereas the said notice was made available to the public on 20-8-78 in the Daily Newspapers *PRAJATANTRA*.

And whereas no objections and suggestions have been received from the public on the said notice;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by rule 434(III) (bb) of the said Rules, the Director General Posts and Telegraphs hereby declared that with effect from 16-4-79, the revised local area of Imphal shall be as under; Imphal Telephone Exchange System.

The local area of Imphal shall cover an area falling under the jurisdiction of Imphal Municipality provided that the telephone subscribers located outside Imphal Municipal limit but who are served from Imphal Telephone Exchange System shall continue to pay local tariffs as long as they are located within 5 KMs of any Exchange of this System and remain connected to it.

[No. 3-16/76-PHB]
M. B. RAMAMURTHY, Director of Phones (E)

श्रम मंत्रालय
भारत
नई दिल्ली, 7 मार्च, 1979

का० आ० 1293.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद अनुसूची में विनियोग लिये के बारे में स्टेट बैंक आफ इंडिया, भारत, अहमदाबाद के प्रबन्धनकर्त्र में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्विभिन्न करना चाहिए तथा इसकी विवाद को निर्देशित करना है;

प्रम: अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा ५-क और धारा 10 की उपधारा (1) के बांध (ध) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करनी है जिसके प्रधार्ण अधिकारी श्री आर० सी० इसरानी होंगे, जिनका युक्तान्य अहमदाबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करनी है।

अनुसूची

“यह स्टेट बैंक आफ इंडिया, एस०ए०ए०, भारत, अहमदाबाद के प्रबन्धनकर्त्र की फरारी एवं संदेशवाहक, श्री रमेश जी वारोट की सेवाओं को 5 मार्च, 1977 में समाप्त करने की कार्यवाही न्यायोचित है? यदि नहीं, तो कर्मकार किस अनुतोष का हवांदार है?”

[मंथा एल-12012/82/78-सी०२४]
एम. के० मुखर्जी, अधिकारी विवाद

MINISTRY OF LABOUR
ORDER

New Delhi, the 7th March, 1979

S.O. 1293.—Whereas the Central Government is of opinion

that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of the State Bank of India, Bhadra, Ahmedabad and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri R. C. Israni shall be the Presiding Officer with headquarters at Ahmedabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of State Bank of India, L. H. O., Bhadra, Ahmedabad in terminating the services of Shri Ramesh G. Barot, Farrash-cum-Messenger with effect from 5th March, 1977 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?”

[No. L-12012/82/78-D.IIA]
S. K. MUKERJEE, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1979

का० आ० 1294.—केन्द्रीय सरकार, श्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी (सेवा की गर्भ) और प्रार्थी उपबन्ध अधिनियम, 1955 (1955 का 45) की धारा 20 की उपधारा (2) के बंद (ध) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्ननिम्न नियम बनती हैं, प्रथमतः—

1. नामिन नाम.—इन शक्तियों का नाम श्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी अधिकारण नियम, 1979 है।

2. पक्षांतरों को युक्ता—श्रमजीवी पत्रकार और अन्य समाचार-पत्र कर्मचारी (सेवा की गर्भ) और प्रार्थी उपबन्ध अधिनियम, 1955 (1955 का 45) की अधिस्थिति द्वारा 13 अक्टूबर के अधीन या धारा 13 अक्टूबर के अधीन गठित अधिकरण, नियम 3 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, समाचार-पत्र स्थापन के नियोजनों का प्रतिनिधित्व करने वाले पक्षांतरों और ऐसे समाचार-पत्र के यशास्वित श्रमजीवी पत्रकारों या पत्रकार-इन्हर समाचार-पत्र कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते वाले पक्षांतरों को समय समय पर ऐसी तारीख को, ऐसे समय और स्थान पर, जो उनके द्वारा नियम किए जाएं, बुलाएगा।

3. सूचना—पक्षांतरों को बुलाने के लिए अधिकारण द्वारा नियम तारीख से कम से कम दो दिन पूर्व, बैठक की तारीख, उसका समय और स्थान बताने वाली सूचना, याप में बैठक में मंचनित की जाने वाली कार्य-सूची नियम 2 में निश्चित दोनों पक्षांतरों को इस नियम अधिकरण द्वारा प्राविकारण अधिकारी द्वारा रजिस्ट्रेक्ट लाक से भेजी जाएगी।

4. अधिकारण के समक्ष कार्यपालियां—अधिकारण के समक्ष कार्यपालियां भारतान्तर्या जनना के लिए खुलां होंगी।

परन्तु अधिकरण किसी प्रकार पर यह निवेद फरमान किसी साक्षी की व्याकृति के दौरान किसी व्याकृति की साक्षी के रूप में पेश होने के लिए, समन कर सकेगा। ऐसे समनों में साक्षी से यह अपेक्षा की जा सकेगी कि वह समन में विनियोग नारोग्य की अधिकारण के समक्ष पेश हो और ऐसी कोई विविध, कार्यपाल या अन्य दस्तावेजें पेश करें जो जीव से किसी भी रूप से संबंधित हैं तथा उसके कद्दे या नियंत्रण में हैं।

5. साक्षियों को समन करना और दस्तावेजें पेश करना—(1) अधिकरण किसी जीव के दौरान किसी व्याकृति की साक्षी के रूप में पेश होने के लिए, समन कर सकेगा। ऐसे समनों में साक्षी से यह अपेक्षा की जा सकेगी कि वह समन में विनियोग नारोग्य की अधिकारण के समक्ष पेश हो और ऐसी कोई विविध, कार्यपाल या अन्य दस्तावेजें पेश करें जो जीव से किसी भी रूप से संबंधित हैं तथा उसके कद्दे या नियंत्रण में हैं।

2. उपनियम (1) के प्रवीन समन, यास्तिथि, किसी व्यक्ति, या संगठन या नियोजकों या अधिकारी वक्ताओं को या ग्रन्थकार समाचार-पत्र कर्मचारियों के व्यवसाय संघ, या ग्रन्थ कार्कारों को, जैसा अधिकारण द्वाके समझे, सम्बोधित किए जा सकेंगे।

3. इन नियम के अधीन समन की नामील निम्नलिखित रीति से की जा सकेगी, अर्थात्:—

(क) किसी व्यक्ति की दशा में, उसे परिदान करके या रजिस्ट्रीकून द्वारा द्वारा उसके पास भेजकर; और

(ख) उपनियम (2) में निर्देशित, यास्तिथि, निर्भ: संगठन या व्यवसाय संघ की दशा में, यास्तिथि, संगठन या लग्नसाय संघ के समिति या ग्रन्थकार समिकारों को ग्रस्तान करके या रजिस्ट्रीकून द्वारा द्वारा उसके पास भेजकर।

6. मार्की व्यय.—ऐसे प्रत्येक व्यक्ति जो, जिस समन किया जाता है और जो अधिकरण के समक्ष पेश होता है, अधिकरण द्वारा ऐसे राशि का संदाय लिया जाएगा, जो अधिकरण की, इन प्रकार समन किए गए व्यक्ति द्वारा, ऐसे स्थान को जहाँ पेश होते हैं उसके अपेक्षा जीव गई है, जो और वहाँ से वापस लौटने के लिए उपाय किए गए यात्रा और ग्रन्थ व्यय को चुकाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होती है।

[मं. नी०-24032/2/79-उक्त्य०वी०]

अशोक नारायण, उप सचिव

New Delhi, the 4th April, 1979

S.O. 1294.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (2) of section 20 of the Working Journalists and Other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions Act, 1955 (45 of 1955), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title.—These rules may be called the Working Journalists and Other Newspaper Employees Tribunal Rules, 1979.

2. Calling of parties.—A Tribunal constituted under section 13AA or, as the case may be, under section 13DD, of the Working Journalists and Other Newspaper Employees (Conditions of Service) and Miscellaneous Provisions Act, 1955 (45 of 1955), shall subject to the provisions of rule 3, call at such date, time and place, as may be appointed by it, from time to time, the parties representing employers in a newspaper establishment and the parties representing the working journalists, or, as the case may be, the non-journalist newspaper employees in such newspaper establishment.

3. Notice.—Not less than ten days before the date fixed by the Tribunal for calling the parties, a notice containing the date, time and place of the meeting, together with a list of business to be conducted at the meeting, shall be sent to both the parties referred to in rule 2 by registered post by an officer authorised by the Tribunal in this behalf.

4. Proceedings before the Tribunal.—The proceedings before the Tribunal shall ordinarily be open to the public :

Provided that the Tribunal may, at any stage, direct that any witness shall be examined, or its proceedings shall be held, in camera.

5. Summoning of witnesses and production of documents.—(1) The Tribunal may summon any person to appear as a witness in the course of any inquiry. Such summons may require the witness to appear before it on a date specified therein and to produce any books, papers or other documents and information in his possession or under his control relating in any manner to the inquiry.

(2) A summons under sub-rule (1) may be addressed to an individual or an organisation of employers or a trade union of working journalists or, as the case may be, of non-journalist

newspaper employees, or other workmen as the Tribunal may think fit.

(3) A summons under this rule may be served—

(a) in the case of an individual, by being delivered or sent to him by registered post ; and

(b) in the case of an organisation or, as the case may be, trade union, referred to in sub-rule (2), by being delivered or sent by registered post to the Secretary or other principal officer of the organisation or trade union, as the case may be.

6. Expenses of witnesses.—Every person who is summoned and appears before the Tribunal shall be paid by the Tribunal such sum of money as appears to the Tribunal to be sufficient to defray the travelling and other expenses incurred by the person so summoned in passing to and from the place where he is required to attend.

[No. V-24032/2/79-WB]

ASHOK NARAYAN, Dy. Secy.

New Delhi, the 4th April, 1979

S.O. 1295.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bhubaneswar in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Paradip Port Trust and their workmen which was received by the Central Government on the 3rd April, 1979.

INDUSTRIAL TRIBUNAL, BHUBANESWAR

Industrial Dispute Case No. 7 (Central) of 1976

Dated, Bhubaneswar, the 30th March, 1979

BETWEEN

The employers in relation to the management of Paradip Port Trust ... First-party

AND

Their workmen ... Second-party.

APPEARANCES :

Shri H. K. Mohanty, Legal Officer, Paradip Port Trust ... For the first-party.

Shri N. Khuntia, Shri A. K. Patnaik ... For the second-party.

AWARD

In exercise of the powers conferred by section 7-A, and Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, the Government of India in the Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication of which Dr. B. N. Misra was the Presiding Officer vide their Order No. L-38012(4)/75-D. IV(A) dated 18-10-1976 :

"Whether the action of the management of Paradip Port Trust, Post Office Paradip in charging the bus fare of Rs. 8 per head per month from the employees who use the port bus from their residence to the place of duty and back, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled and from what date?"

Subsequently, in exercise of the powers conferred by Section 7-A and Sub-section (1) of Section 33-D of the Industrial Disputes Act, 1947, the Central Government have transferred the aforesaid proceeding to me for disposal according to law vide their Order No. S-11025(1)/78-D-IV(B), dated 6-5-1978.

2. The workmen had filed a written statement through Shri Harihar Das, General Secretary of the Paradip Port Workers' Union. Shri N. Khuntia also filed another written statement claiming to be the representative of the workmen. Shri N. Khuntia and Shri A. K. Patnaik were allowed to represent the workmen. Their case is almost similar. It is as follows :—

That the employees of the Paradip Port Trust were travelling in the Port buses free of charges to and from to attend the Port duty since 1962. The Port

Trust Board enhanced the bus fare in its meeting held on 29-8-1973 and the Board decided that the employees would travel free of charges while on duty subject to four trips a day, for those who were not drawing cycle allowance.

3. But the management of the Paradip Port Trust decided to do away with this facility offered to the employees and imposed monthly rate of bus fare of Rs. 12.50 paise to Rs. 20 on the employees, which was subsequently reduced to Rs. 8. So the Union submitted a charter of demands to the Chairman, Paradip Port Trust, claiming that the employees should be allowed free transportation. The privilege which was given to the Port Trust employees for the last three years has not only been taken away, but they are also asked to pay an additional bus fare of Rs. 8 per month. So they demand that the employees should be given the facility of free transportation for attending their duties. It is also pleaded that without proper notice, the service conditions have been changed.

4. The management had filed a written-statement denying the withdrawal of the facility as alleged by the workers. It is their case that the Chairman, Paradip Port Trust, ordered that the Port employees desiring to avail the benefit of purchasing monthly tickets had to pay Rs. 5 per month per employee and since the date of the said order, the employees of the Port Trust were availing the Port transport facilities on payment of Rs. 5 per month. Subsequently there was a settlement between the management of the Paradip Port Trust and the Workers' Union on 12-5-1972 regarding the conveyance. As per the settlement, it was agreed that such of the employees, who did not take cycle allowance and had given in writing that they did not want to take the cycle allowance, would be allowed to travel in the Port bus on payment of usual charges which would be reimbursed to them to the extent of journey performed for official purposes.

5. But due to the increase of the prices of petrol, oil, lubricants and spares of the motor vehicles, the Port Trust found it difficult to continue that practice and so, there was a proposal to revise the rates of the bus fare. It was agreed that for the Port employees there would be free bus service subject to four trips per day while on duty for those who did not draw cycle allowance and a pass had to be obtained from the Executive Engineer, Workshop Division, on application, and for the outsiders the rate of bus fare was revised. But this decision of the Port was never given effect to. Those who used cycles to attend to their duties were being granted cycle allowance of Rs. 6 per month, and if they were using the Port Trust bus, they were paying the bus fare at the usual rates. Those who did not have cycles were neither allowed free bus journey to the place of work nor they were given any allowance as was given to the cycle owners. It means that they were paying the usual bus fare for going in the bus of the Port. The management did not reimburse the charges they paid towards the bus fare.

6. As the prices of the petroleum products increased, it was decided that the employees had to pay Rs. 14 per head for going in the Port bus which was subsequently reduced to Rs. 8 per employee on the demand of the Union. There was never any customary right as claimed by the employees for free travel. So it was prayed that the present reference should be rejected.

7. On these pleadings the following issues can be framed—

- (1) Whether the employees were being allowed to go by the Port buses free of charges, or whether they were to pay the charges?
- (2) Whether the action of the management of Paradip Port Trust, Post Office Paradip, in charging the bus fare of Rs. 8 per head per month from the employees who use the Port bus from their residence to the place of duty and back, is justified?
- (3) To what relief the workmen are entitled?

8. Issue No. 1—Whether the employees were being allowed to go by the Port buses free of charges, or whether they were to pay the charges?

On behalf of the workmen, one witness was examined and on behalf of the management, one witness was examined. The M.W. 1 had stated in his deposition that an order was passed on 30-7-1968 that a person who was given pass should pay Rs. 5, which is Ext. A and there was no record to show

that the money paid by the employees was reimbursed. It is definitely an admission on the part of the management that the charges paid by the workers to avail the bus of the Port should be reimbursed as per the averment in para-6 of their written-statement. But it is claimed by the Port Trust that the decision of the Board was never given effect to. There is nothing on record to show that the decision of the Board was never given effect to. On the contrary, the memorandum of settlement dated 12-5-1972, Ext. 1, clearly states that the charges paid by the employees to avail the bus should be reimbursed for travelling for official purposes. The monthly pass was increased to Rs. 14 as per the decision of the Board dated 31-3-1975 due to the increase in the rates of the petroleum products but on demand by the Union, the rate was decreased to Rs. 8 on 10-6-1975, and those who were having cycles were given cycle allowance of Rs. 6 and they had to pay only Rs. 8 for the bus pass. In his cross-examination he had stated that without checking the official records, he was not in a position to tell if free passes were being issued till 1975. On behalf of the workmen, a free pass was filed which has been marked as Ext. 6. In his cross-examination by Shri A. K. Patnaik, he had stated that he could produce documents to show that Rs. 5 were being paid and he also said that he could produce the documents showing that they paid the pass allowance. It means that the management was paying the allowance for issuing the passes, that is if a workman had paid money to get a pass, the amount was to be reimbursed. It shows that the employees were being definitely allowed to travel free in the Port bus or the charges which they paid for travelling in the bus were being reimbursed.

9. The W.W. 1 had spoken about the case of the workers. He also says that as it was found difficult to make reimbursements, the management decided to allow four free trips and it was the practice introduced by the management which was reduced to writing which is Ext. 2. There is another order dated 1-8-1972, which is marked as Ext. 3, regarding allowing of four free trips. By a subsequent resolution of the Port Trust Board dated 31-3-1975, Ext. 4, it was decided that each employee should pay Rs. 14 as bus fare which was free prior to that, to which the Union protested. In the cross-examination, he had stated that in the beginning there was one bus and at that time the employees were taken free. After one year, the system of paying Rs. 5 by each employee was introduced and no reimbursement was made and no passes were issued, but he again said that some of the Electrical Division workers obtained passes.

10. The Ext. 2, which is the Agenda Item No. 44 of the meeting of 29-8-1973, shows that the Port employees were allowed to travel free while on duty subject to four trips a day for those who were not drawing cycle allowance. Ext. 3 shows that those who were owning cycles were being given Rs. 6 as cycle allowance. As per Ext. 4, passes were granted to the employees. These documents coupled with the admission of the management in their written-statement clearly show that the employees were given free passes for travelling in the buses of the Port Trust to the place of their duty, and the claim of the management that the settlement between the management and the Workers' Union regarding free trips was not implemented cannot be believed. So this issue is answered in favour of the Workers' Union.

11. Issue No. 2—Whether the action of the management of Paradip Port Trust, Post Office Paradip, in charging the bus fare of Rs. 8 per head per month from the employees who use the Port bus from their residence to the place of duty and back, is justified?

In view of my decision above, it follows that the decision of the management of the Paradip Port Trust, Post Office Paradip, in charging the bus fare off Rs. 8 per head per month from the employees who use the Port bus from their residence to the place of duty and back, is not justified. The issue is answered accordingly.

12. Issue No. 3—To what relief the workmen are entitled? The concerned employees are entitled to free bus transportation and if the charges are paid by them, they are entitled for refund of the same with effect from 31-3-1975. The issue is answered accordingly.

13. The Award is passed accordingly.
Dictated and corrected by me.

M. V. GANGARAJAN Presiding Officer
[No. L 38012(4) /75-D. IV(A)]

S.O. 1296.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta and their workmen which was received by the Central Government on the 3rd April, 1979.

**CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA**

Reference No. 27 of 1976

PARTIES:

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Shri D. K. Mukherjee, Labour Officer.

On behalf of Workmen—Shri D. L. Sen Gupta, Executive Committee Member of the Union, with Shri R. K. Chanda, Asstt. General Secretary of the Union.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Port & Dock.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L-32012(4)/76-DIV (A), dated 14th September, 1976, referred the following matter for adjudication to this Tribunal :

"Whether the management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in dismissing Shri Sukumar Ghosh, Vigilance Watcher from service with effect from the 15th October, 1974 ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The concerned workman was a Security Guard in the employment of the management. His case as pleaded by the Union may be briefly stated. On November 6, 1973 on his way home after duty hours, he received information from a source that one Raj Mohammed, vigilance watcher and one Thakur Singh Vigilance Watcher-in-charge were on duty in Kantapukur area. They had allowed pilferers to remove goods and were waiting to receive money from them. On receipt of this information he reached the spot and saw Raj Mohammed and Thakur Singh at a distance. The pilferers appeared on the scene and on being confronted by him he was told that they had come to pay money to the aforesaid persons. The concerned workman took the money from the pilferers to deposit the same in the office and report against the aforesaid persons. Thereafter Raj Mohammed and Thakur Singh requested him not to report the matter to the office or to deposit the money as the same might result in their dismissal. On humanitarian grounds and with an honest intention of not becoming an instrument of loss of jobs of the aforesaid persons the concerned workman took a sympathetic view, administered verbal caution to them not to repeat what they had done and directed them to call back the pilferers. The pilferers were called back and the concerned workman returned the money. They were also cautioned not to enter the Port area again.

3. The workman felt it his duty to communicate the incident to his higher officer and accordingly in course of the day, he reported the incident to Sri N. G. Dutta Gupta, the Vigilance Officer.

4. A charge sheet was served on the workman. The charge was as follows :

"Sri Sukumar Ghose is charged with misconduct inasmuch as while employed as a Vigilance watcher under the Vigilance and Security Adviser, Port Security Organisation, he received Rs. 80 (Eighty only) on the morning of 6-11-73 from two women miscreants who passed out some tea illegally from the Kantapukur area on the night of 5/6-11-73."

5. Thereafter an enquiry was held by an officer of the Port Trust on the basis of the said charge sheet. The Enquiry Officer found that the charges brought against the concerned workman had been proved in the enquiry. On the basis of the Enquiry Report he was removed from the Commissioners' service with effect from 15th October, 1974.

6. The concerned workman preferred an appeal to the Chairman of the Port Trust. The appeal was dismissed. Ultimately the dispute was referred to this Tribunal under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947.

7. At the hearing, the parties invited the Tribunal to pronounce on a preliminary point, namely the question of validity and propriety of the Enquiry proceedings and the Report of the Enquiry Officer. By an order dated January 29, 1979, I held against the propriety and the validity of the said proceedings and of the Enquiry Report and decided the preliminary point in favour of the concerned workman. By the said order I granted leave to the parties to adduce evidence before the Tribunal at the further hearing of the case. A copy of the said order dated January 29, 1979 is annexed hereto as a part of this Award and marked with the letter 'A'.

8. At the renewed hearing of the case, Sukumar Ghose the concerned workman alone gave evidence. The management did not adduce any. Ghose substantially repeated what he had stated in the letter dated 18th February, 1974 addressed to the Vigilance and security Adviser, Calcutta Port Commissioners (Ext. W-1) and in his letter dated February 25, 1974 addressed to the Secretary, Commissioners for the Port of Calcutta (Ext. W-2). As stated earlier in paragraphs 2 and 3 of this Award, he deposed that he had taken the money from the pilferers with the object of depositing the same with the Vigilance Officer as he had done on earlier occasions. In the letter dated February 25, 1974 he stated that on the date of occurrence of the incident he had reported to the Vigilance Officer that he had returned the money to pilferers at the request of Thakur Singh, Vigilance Watcher-in-charge. He admitted in the said letter as he did in his oral evidence before the Tribunal, that it was wrong of him to have returned the money to the pilferers instead of depositing the same at the office. He deposed to the correctness of a letter he had addressed to the Vigilance and Security Officer on August 17, 1974 which has been made Ext. M-12. In that letter he pointed out that during the long period of 17 years of his service there had not been any adverse report against him. He had discharged his duties to the entire satisfaction of his superiors and in recognition of his meritorious service he had been awarded a number of money rewards. He admitted that according to established practice he had received money on some occasions from offenders and deposited the same with the office. It has been consistently his case in the representation he made before the Commissioners of the Port of Calcutta, and also in his evidence before the Tribunal, that it was never his intention to appropriate the money. He frankly stated that in accordance with the usual practice he should have deposited the money and not returned it to the pilferers. He admitted that to have returned the money was a dereliction of duty on his part but insisted that he had done so in good faith and only to spare Raj Mohammed and Thakur Singh possible loss of employment. He pointed out that it was he himself who reported the entire incident faithfully to the Vigilance Officer.

9. It has to be borne in mind that no evidence was adduced on behalf of the management to supplement or contradict the oral evidence of the concerned workman. The concerned workman not only deposed in Court but also exhibited a fair quantity of documentary evidence which has been of assistance in deciding this case. Raj Mohammed and Thakur Singh were not summoned to depose either before the Enquiry Officer or before the Tribunal. Sri N. G. Dutta Gupta, the Security Officer did not depose either. Those were material witnesses, who could have, by relevant evidence, supported the charge. The concerned workman has conclusively proved by a series of exhibits which have been marked Ext. W-14/2 that on some occasions, vigilance-watchers including the concerned workman had brought before the Chief Security Officer offenders in possession of stolen goods or money. Ext. W-14/2 shows that the concerned workman deposited with the Security Officer a sum of Rs. 200 and thirty pieces of nickel plating on 9th November, 1971. Exts. W-14/3, W-15 and W. 16 prove that on a number of occasions he received from the Vigilance Officer different sums of money for source payment as per order of the Chief Security Officer. It is, therefore, clear that the practice of depositing monies received from or

found in the possession of offenders was not unknown. It is also a fact that monies were paid to Vigilance Watchers or at least to the concerned workman for "source payment". These exhibits support the concerned workman in his contention that there was a practice under which vigilance watcher made contacts with sources and paid them for service. There was therefore nothing unusual in the concerned workman visiting Kantapukur area on the basis of information he had received from his source.

10. The charge was that he had received Rs. 80 from the pilferers. Taken literally the charge was admitted by the concerned workman. His case, however, is that although he took the money, he did something more. He returned the money to the pilferers and reported the incident to the Vigilance Officer. He also admitted that instead of returning the money he should have deposited it at the office of the Vigilance Officer. It may be said at once that apart from the admissions made by the concerned workman in writing, there is nothing on record on the basis of which any charge could have been brought, far less proved, against the concerned workman. His admission however has to be taken as a whole. He has not been found guilty of any moral turpitude or dishonest conduct. In returning the money to the pilferers instead of depositing it with the Vigilance Officer he committed an act of indiscretion and breach of established practice. He has frankly admitted, right from the beginning, that this was a dereliction of duty on his part. It was he himself who reported the incident in detail to the Vigilance Officer. There was no attempt on his part to conceal the fact that he had returned the money to the pilferers. On the basis of the evidence on record, his conduct has been fair and not unworthy of a loyal though erring employee. He has an unblemished record of service over the years and a number of rewards has been awarded to him in recognition of his meritorious service. Taking all these facts into consideration, I am of opinion that he deserves a penalty far lighter than the one which was imposed on him on the basis of the Enquiry Report. If the Enquiry proceedings and Enquiry Report are invalid the penalties imposed on the basis of the Enquiry Report are equally invalid.

11. On a careful consideration of the entire conspectus of events and the evidence on record, I am of opinion that the concerned workman should be reinstated. The penalty I propose to impose on him for dereliction of duty in returning the money to the pilferers instead of depositing the same with the Vigilance Officer is withholding of one yearly increment which he would have earned next had his service not been terminated in accordance with clause (ii) of Rule 9 of the Calcutta Port Commissioners Employees (Discipline and Appeal) Rules, 1964.

12. It is necessary to decide whether he is entitled to back wages. In Hindustan Tin Works Pvt. Ltd. v. Their Employees, Indian Factories and Labour Reports (1978), Volume 371, 240, D. A. Desai, J., speaking for the Court observed:

"In the very nature of things there cannot be a strait-jacket formula for awarding relief of back wages. All relevant considerations will enter the verdict. More or less, it would be a motion addressed to the discretion of the Tribunal. Full back wages would be the normal rule and the party objecting to it must establish the circumstances necessitating departure. At that stage the Tribunal will exercise discretion keeping in view all the relevant circumstances. But the discretion must be exercised in a judicial and judicious manner. The reason for exercising discretion must be cogent and convincing that must appear in the face of the record."

It appears from the evidence that the concerned workman made no serious effort to obtain employment after termination of his service. He did not even care to register himself with any Employment Exchange. On one solitary occasion, he made an application for a job. Having regard to all the facts and circumstances of the case and in particular to his almost total lack of diligence in trying to secure alternative employment, I am of the view that he should be paid 3/4th of his back wages. Before I conclude it is necessary to point out a technical error in the Order of Reference. The concerned workman was removed from service. He was not dismissed from service as stated in the Schedule to the Order of reference. For the purpose of my award, I have read 'dismissing from service' as 'removing from service'.

13. In the view I have taken, I answer the Reference in the following terms:

The management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are not justified in removing (dismissing—sic), Sri Sukumar Ghose, Vigilance Watcher from service with effect from the 15th October, 1974. He is reinstated with effect from the date of termination of service with 3/4th of back wages. By way of penalty, one yearly increment which he would have earned next had his service not been terminated, will be withheld.

This is my award.

Dated, Calcutta,

The 27th March, 1979.

S. K. MUKHERJEE, Presiding Officer

ANNEXURE 'A'

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

Reference No. 27 of 1976

PARTIES:

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust, Calcutta,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

On behalf of Employers—Sri D. K. Mukherjee, Labour Officer.

On behalf of Workmen—Sri D. L. Sen Gupta, Executive Committee Member of the Union, with Sri R. K. Chanda, Asstt. General Secretary of the Union.

ORDER

Dated, 29th January, 1979

The Government of India, Ministry of Labour, by their Order No. L. 32012(4)/76-DIV(A), dated 14th September, 1976, referred the following matter for adjudication to this Tribunal:

"Whether the management in relation to the Calcutta Port Trust, Calcutta are justified in dismissing Shri Sukumar Ghosh, Vigilance Watcher from service with effect from the 15th October, 1974? If not, to what relief is the said workman entitled?"

2. The concerned workman was a Security Guard in the employment of the Opposite Party. His case as pleaded by the Union may be briefly stated. On November 6, 1973 on his way home after duty hours, he received information from a source that one Raj Mohammed, Vigilance Watcher and one Thakur Singh Vigilance Watcher-in-charge were on duty in Kantapukur area. They had allowed pilferers to remove goods and were waiting to receive money from them. On receipt of this information he reached the spot and saw Raj Mohammed and Thakur Singh at a distance. The pilferers appeared on the scene and on being confronted by him they said that they had come to pay money to the aforesaid persons. The concerned workman took the money from the pilferers to deposit the same in the office and report against the aforesaid persons. Thereafter Raj Mohammed and Thakur Singh requested him not to report the matter to the office or to deposit the money as the same might result in their dismissal. On humanitarian grounds and with an honest intention of not becoming an instrument of loss of jobs of the aforesaid persons the concerned workman took a sympathetic view, administered verbal caution to them not to repeat what they had done and directed them to call back the pilferers to return the money. The pilferers were called back and the concerned workman returned the money to them. They were also cautioned not to enter the Port area again.

3. The workman felt it his duty to communicate the incident to his higher officer and accordingly in course of the day, he reported the incident to Sri N. G. Dutta Gupta, the Vigilance Officer.

4. On November 19, 1973 the workman concerned was called along with one Sakaldeo Prasad for a preliminary enquiry. The investigation was conducted by an officer who obtained written statements from both of them. On February 7, 1974 the workman received a charge sheet on the allegation of receiving Rs. 80 from miscreants for allowing them to pass out some tea illegally. Thereafter an enquiry was held by Sri T. P. Gupta on the basis of the charge sheet. The Enquiry Officer found that the charges brought against him had been proved in the enquiry and the workman was directed to show cause why the proposed punishment of removal from service should not be awarded. He showed cause by a statement. Thereafter the workman was served with a notice intimating that he had been removed from the Commissioner's service with effect from 15th October, 1974.

5. The concerned workman preferred an appeal to the Chairman. The appeal was dismissed. Thereafter the Union referred the dispute to the Regional Labour Commissioner. After certain joint conferences were held it was found that no settlement could possibly be reached. Thereafter the dispute was referred to this Tribunal under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 in terms stated hereinbefore.

6. The parties have invited the Tribunal to pronounce on the question of validity and propriety of the enquiry proceedings and the report of the Enquiry Officer as a preliminary point. I therefore propose to decide the point at this stage.

7. Mr. Sen Gupta appearing on behalf of the concerned workman has raised a host of objections to the validity of the enquiry made by Sri T. P. Gupta, the Enquiry Officer. Among other objections he contends that the Enquiry Officer played the dual role of a prosecutor and a judge; that he was biased and prejudiced; that he examined the concerned workman before examining the prosecution witnesses; that he misunderstood the import of the admissions made by the workman; that his conclusions were not supported by evidence and that he failed to consider the materials on record and did not apply his mind to the matters relevant for determination of the case before him. He has particularly assailed the procedure adopted by the Enquiry Officer and his Report on the ground that the Enquiry Officer examined one Sri Dutta Gupta, Security Officer (Vigilance) behind the back of the concerned workman de hors the enquiry and relied on the deposition of the said officer as a basis for his conclusions. The last objection is of vital importance.

8. The concluding portion of the Enquiry Report reads : "Again delinquent S/G 348 Ghose is found to have clearly stated that Security Officer (Vigilance) was aware of the fact that he used to maintain a source of his own paid by him and that on 6-11-73 night before taking up night duty he went to the quarters of the Security Officer (Vigilance) and appraised him about the incident in details. But having verbally examined the Security Officer (Vigilance) on the said two points it has come to light that S/G 348 Ghose did not any time bring to his knowledge that he (S/G 348) used to maintain a source of his own who used to be paid by him and that during office hours on 7-11-73 S/G 348 Ghose came to him at his office and informed him about the incident in question.

Hence, the actions taken by delinquent S/G 348 Sukumar Ghose in the context of the facts of the incident as given out by him in his own written statement dated 19-11-73 as well as in his deposition during departmental enquiry reasonably appear to be fishy and covered with ingenious motive."

It is clear from the above that the Enquiry Officer based his conclusion largely on the oral testimony of the Security Officer Sri Dutta Gupta.

9. The Enquiry Officer gave evidence before me. In cross-examination he stated : "I did not examine Dutta Gupta, the Vigilance Officer at the Enquiry but on the basis of the fact revealed by the deposition of Sukumar Ghose recorded at the enquiry, namely that Security (Vigilance) had the knowledge

that Sukumar Ghose had his own source whom he used to pay from his own pocket. Only on this particular point I asked questions verbally and received answers verbally from Dutta Gupta, Security Officer, (Vigilance). I went to his office i.e. Mr. Dutta Gupta to ask this question and got his answer. In my Report there is a reference to the question put by me to Mr. Dutta Gupta." In answer to the question put to the Enquiry Officer by me, he said, "I admit that by not putting the questions I put to the Vigilance Officer at the Enquiry, the delinquent workman did not have any opportunity of cross-examining him."

10. The Enquiry Officer has given his evidence truthfully. The effect of the evidence is, however, disconcerting in the highest degree. After having heard the evidence of the concerned workman, if he wanted to examine Mr. Dutta Gupta, Security Officer (Vigilance) he could have asked the management to produce him as a witness. He could have examined him at the Enquiry and offer the concerned workman a chance to cross-examine him and if necessary, to explain his own conduct in the light of the evidence given by Mr. Dutta Gupta. That he did not do. He saw Mr. Dutta Gupta privately at his office and examined him. The concerned workman had no knowledge of the fact that Dutta Gupta had been examined, far less of what he had stated in his examination. He had no chance of cross-examining him or of explaining his conduct in the light of the statement made by Dutta Gupta. It is clear from the Enquiry Report itself that the statement made by Dutta Gupta influenced the findings of the Enquiry Officer and was largely responsible for the conclusions he came to. It is hardly necessary to cite any precedent for the proposition that the course adopted by the Enquiry Officer vitiated the enquiry. Reference may however be made to the judgment of the Supreme Court in *Union of India v. Varma (T.R.)* 1958 LLJ II 259. At page 264 of the Report Venkatarama Ayyar, J. stated, "Stating it broadly and without intending to be exhaustive, it may be observed that rules of natural justice require that a party should have the opportunity of adducing all relevant evidence on which he relies, that the evidence of the opponent should be taken in his presence, and that he should be given the opportunity of cross-examining the witnesses examined by that party, and that no materials should be relied on against him without his being given an opportunity of explaining them". In *Phulbari Tea Estate and Its Workmen*, 1959 LLJ II 663, the judgment of Venkatarama Ayyar, J. in the *Union of India v. Varma (T. R.)* was quoted with approval. In *Bharat Sugar Mills Ltd. and Jai Singh, and Others*, 1961 LLJ II, 644, at page 647, Das Gupta, J. delivering the judgment of the Supreme Court said :

"It appears that no witness was examined by the enquiring officer and the only person examined was the Workman against whom the enquiry was being held. Reports by some officers of the company were taken into consideration but it does not appear that the contents of these reports were read out and explained to the workman. The persons whose reports were thus considered were present at the enquiry, but even so it does not appear that the workman was given an opportunity to examine them. Indeed as none of these persons were actually examined in the presence of the workman, the question of their cross-examination by or on behalf of the workmen did not arise. The workman thus had not only no proper chance of knowing what was being alleged against him and by whom but also no chance of testing the correctness of the allegations that were in fact made in the written report."

His Lordship upheld the decision of the Industrial Tribunal and refused to place any reliance on the findings of the domestic tribunal in the circumstances of the case.

11. Having regard to the fact that the Enquiry Officer examined the Security Officer in the absence of the concerned workman and the concerned workman had no opportunity not only of cross-examining the Vigilance Officer but had also no knowledge of what he had stated in his examination and also having regard to the reliance placed upon the evidence of Dutta Gupta by the Enquiry Officer in his Report, I am of opinion that there has been a failure of natural justice in the proceedings which terminated in the Enquiry Report and therefore the Enquiry and the Report of the Enquiry Officer are invalid and of no effect in law. I therefore hold against the propriety and the validity of the said Enquiry and

of the Report of the Enquiry Officer and decide the preliminary point in favour of the concerned workman. In these circumstances, it is not necessary for me to deal with other objections raised by Mr. Sen Gupta.

12. Mr. D. K. Mukherjee presented an application on the 6th November, 1978 praying that an opportunity be given to the management to adduce evidence before the Tribunal in case it is held that the said Enquiry proceedings were defective. I reserved my orders on that application. Having regard to my findings that the Enquiry proceedings are invalid, I grant leave to the parties to adduce evidence before this Tribunal at the hearing of the case.

The case will be heard on 28th February, 1979.

Dated, 29-1-1979.

S. K. MUKHERJEE, Presiding Officer

[No. L-32012(4)/76-D. IV (A)]

NAND LAL, Desk Officer

नई विल्सो, 6 अप्रैल, 1979

क्रांति 1297.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, और भारत मरकार के श्रम मन्त्रालय की अधिसूचना में क्रांति 1476, तारीख 8 मई, 1978 के अनुक्रम में कर्मचारी राज्य बीमा नियम से परामर्श के तत्वात रेडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड (रिफाइनरीज और पार्फिलाईन प्रभाग), गोहाटी, को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1978 से 30 जून, 1979 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है एक वर्ष की और प्रबंधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, प्रथमतः—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस प्रबंधि की वाबत जिसके बौद्धन उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तनाना था (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रबंधि' कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्रस्तुप में और ऐसी विशिष्टियां सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त प्रबंधि की वाबत देनी थीं;

(2) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या नियम का इस नियम प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त प्रबंधि की वाबत वी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को मत्यापित करने के प्रयोजनार्थ, या

(ii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अधिलेख का, उक्त प्रबंधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या

(iii) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिक्रियालय इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या

(iv) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि उक्त प्रबंधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा:—

(क) प्रधान या अध्यवक्तृ नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिससे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यवक्तृ नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह अधिकारों के नियोजन और मजदूरी के सन्दर्भ में संबंधित ऐसे लेखा, अधियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अध्यवक्तृ नियोजक की, उसके अधिकारी या सेवक की, या ऐसे किसी अधिकारी की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी अधिकारी की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर लेखाकारी या अन्य वस्तुवेज की नकल लेगार करना या उससे पदधारण लेना।

प्रावधारणात्मक नामन

इस मामले में पूर्वपिक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक ही नहीं है क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियों में कारखाने को प्रारम्भ में छूट दी गई थी वे अभी भी विद्यमान हैं और कारखाना छूट का पात्र है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पहुँचा।

[सं. ३८०१४/५/७९-एव०मा०१०]

इमराज छावड़ा, उप सचिव

New Delhi, the 6th April, 1979

S.O. 1297.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1476 dated the 8th May, 1978, the Central Government after consultation with the Employees' State Insurance Corporation, hereby exempts the Indian Oil Corporation Limited (Refineries and Pipelines Division) Gauhati from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1978 upto and inclusive of the 30th June, 1979.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulation, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any persons found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment or persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person who the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in the case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/5/79-HI]
HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1979

का० आ० 1298.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्र अनुसूची में विनिर्विष्ट विषयों के बारे में सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, रामगण्डम डिवीजन नं० 1, डाकघर गोदावरी खाती, जिला करीम नगर, के प्रबन्धनत रूप से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, आव, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के बाइ (अ) धारा प्रबन्ध शक्तियों को प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक श्रौद्धोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री सी०एल० नरसिंह राव होंगे, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

ज्या सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, डाकघर गोदावरी खाती, जिला करीम नगर (प्रोध प्रदेश) की रामगण्डम डिवीजन-1 के डिवीजनल सुपरिनेंट की श्रौद्धी वक्तेश्वर के मूलपूर्व फिटर, श्री पी० हुणा को

11 जून, 1978 से इसी पर न भाने दो का कार्यवाही न्यायोद्धित है? अद्य नं० ८० संविधान कर्मकार, किस अनुतोष पा हक्कार है?

[मं० एल-21012/(19)/78-ड० IV (बी)]
शाशि भूषण, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 16th March, 1979

S.O. 1298.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division No. 1, Post Office Godavari Khani, District Karimnagar and their workman in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri C. L. Narasimha Rao shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the Divisional Superintendent, Ramagundam Division No. 1 of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Godavari Khani, Karimnagar District (Andhra Pradesh), in not allowing Shri P. Krishna, Ex-Fitter, Area Workshop, to join his duties with effect from 11 June, 1978 is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[F. No. L-21012(19)/78-D-IV(B)]
SHASHI BHUSHAN, Desk Officer

आदेश

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1979

का० आ० 1298.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपायद्र अनुसूची में विनिर्विष्ट विषय के बारे में सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया, हैदराबाद, के प्रबन्धनत से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहनीय समझती है;

अतः, आव, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के बाइ (अ) धारा प्रबन्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एक श्रौद्धोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एम० गोपालाशाराम द्वारा, जिनका मुख्यालय हैदराबाद में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

“क्या सेंट्रल बैंक आफ इण्डिया, डिवीजनल कार्यालय, हैदराबाद के प्रबन्धनत को, सर्वोच्च वाई० नरेन्द्र और नीचे दी गई सूची में अन्य 14 की सेवार्थी को, श्रौद्धोगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 25 के उपबन्धों के अधीन नोटिस दिए जिना या नोटिस वेतन और छंटनी प्रतिकर का मंदाय किए जिनका समाप्त करते ही कार्यवाही बंध और न्यायोद्धित है? यदि नहीं, तो संविधान कर्मकार किस अनुतोष के लक्ष्य है?”

संवेदी

1. आ०१० नरेन्द्र
2. ए० रामचन्द्र राव
3. ए० नागराम
4. मुहम्मद ताहिर
5. ए० जपाराम

5. सर्वे श्री
6. कै० रामपतंजली
7. ए० रचया
8. मृदगमद द्वान
9. श्री० पद्मानाभा राव
10. प्रार० सत्यनारायण मृति
11. एम० वी० वी० प्रसाद
12. टी० टाटा राव
13. जी० रूप कुमार
14. ए० नागराज
15. कुमारी कै० यशो रानी

[प्र० न०-12011/109/78-डी.ए०]

ORDER

New Delhi, the 20th March, 1979

S.O. 1299.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Central Bank of India, Hyderabad and their workmen in respect of the matter specified in the schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. Gopalacharlu shall be the Presiding Officer with headquarters at Hyderabad and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

“Whether the action of the management of the Central Bank of India, Divisional Office, Hyderabad in terminating the services of S/Shri Y. Narendra and 14 others listed below without notice or the payment of notice pay and retrenchment compensation as required under the provisions of section 25 of the Industrial Disputes Act, 1947 is legal and justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?”

1. S/Shri Y. Narendra
2. .. A. Ramachandra Rao
3. .. A. Nagaraja
4. .. Mohd. Taher
5. .. A. Jayaram
6. .. K. Ramapatanjali
7. .. A. Rachaiah
8. .. Mohd. Khan
9. .. B. Padmanabha Rao
10. .. R. Satyanarayana Murthy
11. .. M. V. V. Prasad
12. .. T. Tata Rao
13. .. G. Roop Kumar
14. .. N. Nagraj
15. .. Miss K. Sashi Rani

[No. L-12011/109/78-D. II.A.]

New Delhi, the 9th April, 1979

S.O. 1300.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Allahabad Bank, Jaipur and their workman over termination

of services of Shri Hanuman Sahai Sharma, Sub-staff with effect from 31-7-76, which was received by the Central Government on 29-3-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRISING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-cum-LABOUR COURT, NEW DELHI

I. D. No. 194 of 1977

In re :

The General Secretary, Rajasthan Bank
Employees Union, C/o. Punjab National Bank
Bikaner. ... Petitioner

Versus

The Manager, Allahabad Bank, S. M. S.
Highway, Jaipur. ... Respondent

PRESENT :

Shri R. L. Khandelwal.—for the workman.
Shri P. C. Parikh.—for the Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-12012/183/76-D.II.A dated the 9th September, 1977 made a reference to this Tribunal u/s 10 of the I.D. Act, 1947 :

“Whether the action of the management of Allahabad Bank, Jaipur in terminating the services of Shri Hanuman Sahai Sharma, Sub Staff Jaipur Branch of the Bank w.e.f. 31-7-76 is legal and justified If not, to what relief is the workman entitled?”

2. On receipt of the reference usual notice were sent to the parties and a statement of claim was filed on behalf of the workman. Thereafter a written statement was also filed. Finally a replication was filed. In the meanwhile talks for compromise started between the parties and finally a compromise was arrived at between the parties. It was ordered to be recorded in so far as it was beneficial for the workman. The statement of Shri R. L. Khandelwal and Shri P. C. Parikh, the representative of the Union and the Management respectively was recorded in which it is stated by them that the parties have arrived at a settlement. The workman has been reinstated. The court may kindly make a no dispute award in this reference and parties be left to bear their costs.”

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in the reference and parties are left to bear their own costs.

FURTHER AWARDED

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

Dated : the 16th March, 1979

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-12012/183/76-D.II.A.]

S.O. 1301.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workman over termination of services of Shri Lal Singh of Vallabhnagar Branch with effect from 28-3-76, which was received by the Central Government on 29-3-79.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-cum-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 204 of 1977

In re :

The General Secretary, Rajasthan Bank Employees' Union Jaipur Hotel Building, SMS Highday, Jaipur. . . . Petitioner

Versus

The Managing Director, State Bank of Bikaner & Jaipur, SMS Highway, Jaipur.

PRESENT :

Shri R. L. Khandelwal.—for the workman.
Shri P. S. Surya Narayan.—for the Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-12012/194/76-D.II.A dated the 5th December, 1977 made a reference to this Tribunal u/s 10 of the I.D. Act, 1977 :

"Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Head Office at Jaipur in terminating the services of Shri Lal Singh of Vallabh-nagar Branch of State Bank of Bikaner & Jaipur w.e.f. 28-3-76 was justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?"

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and a statement of claim was filed on behalf of the workman. In the meanwhile talks for compromise was started between the parties and finally a compromise was arrived at between the parties. It was ordered to be recorded in so far as it was beneficial for the workman. The statement of Shri R. L. Khandelwal and Shri P. Surya Narayan, the representative of the union and the management respectively was recorded in which it is stated by them that 'parties have arrived at a settlement. A no dispute award be made in this reference. Parties be left to bear costs.'

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in the reference and parties are left to bear their own costs.

FURTHER AWARDED

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at the end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer
[No. L-12012/194/76-D.II.A]
S. K. MUKHERJEE, Under Secy.

Dated : the 16th March, 1979.

S.O. 1302.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Eastern Coalfields Limited, Area No. VIII, Post Office Mahgama, District Dhanbad and their workman, which was received by the Central Government on the 6th April, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference Under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947
Reference No. 81 of 1977

PARTIES :

Employers in relation to the management of Eastern Coalfields Limited, Area No. VIII, P.O. Muhgama, District Dhanbad.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri T. P. Choudhury, Advocate.

For the Workmen : Shri G. Prasad, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

AWARD

Jabalpur, dated the 31st March, 1979

This is a reference made by the Government of India in the Ministry of Labour vide its Order No. L-20012/42/77-D.II.A, dated, the 10th August, 1977, for the adjudication of the following industrial dispute :

"Whether the action of the management of Eastern Coalfields Limited, Area No. VIII, Post Office Mahgama, District Dhanbad in refusing employment to Shri Sudhansu Kumar Mishra, Register Keeper, Hurra Block IA, Fulwaria Colliery, Post Office Mahgama, District Santhal Parganas with effect from 17-6-74 is justified ? If not, to what relief is the said workman entitled ?"

2. The case of the workmen is that he was appointed as a Register Keeper and was continuously in employment since 17-1-1972 till 28-4-1974 when he fell ill and proceeded on sanctioned medical leave. He remained on leave till 15-6-74. Meanwhile the administration of the coal mine was taken over by the Government on 31-5-1974. When he reported for duty on 15-6-1974 alongwith fitness certificate, he was not taken back on duty. He made one representation after the other but all in vain.

3. The management has denied that he was an employee of the erstwhile owner on the date on which the colliery was taken over and as such he did not acquire the statutory right of continuation of service.

4. The main question for the decision in the present case is whether Sri Sudhansu Kumar Mishra was an employee of the erstwhile owner in the mine on the date it was taken over by the Government. Sri Sudhansu Kumar Mishra workman examined himself as W.W. 1 and stated on oath that he was employed in the mine as Register Keeper since 17-1-1972. For working as a Register Keeper, competent person's authorisation certificate Ext. W-1 was issued by the then Manager in his favour, under his seal and signature. The same signatures appear on the Register Ext. W-30 which goes to show that in April 1973 Sri Sudhansu Kumar Mishra Register Keeper was paid the total salary of Rs. 236. Sri Mishra affixed the revenue stamp and signed the acquittance in the last column. The revenue stamp bearing the signature of Uday Shankar Chakraborty, Attendance Clerk, partly overlaps on the revenue stamp of Sri Mishra in the last column as acquittance for the receipt of wages. This means that Sri Uday Shankar Chakraborty's revenue stamp was affixed subsequent to the signing of acquittance by Sri Misra. Again partly overlapping on the revenue stamp on which Uday Sankar Chakraborty has signed, affixed the signed revenue stamp of Sri Jagat Taran Dutta, Part time Surveyor. Thus Sri Jagat Taran Dutta was subsequent to sign and affix his revenue stamp. It is therefore impossible to subsequently interpolate the name and acquittance of Sri Misra in the middle of the list of the workmen in this register.

5. This situation speaks of the genuineness of the register Ext. W-30 and the payments which were made to Sri Misra prove that he was the Register Keeper of the colliery. This register remained in possession of the owner and was not handed over by him at the time of take over hence Sri Misra had to dig it out and obtain from him for being produced before the authorities of the Government Company when his very existence as an employee was doubted by them. Under the circumstances mere late production of the register by Sri Misra is not sufficient to rule it out as a spurious document.

6. In May 1973 there are similarly overlapped affixation of revenue stamps in the last column where acquittance is taken Sri Misra's revenue stamp overlaps the stamp of Sri Dutta and in its turn it is overlapped by the stamp of Sri Mahesh Prasad Agarwal. This overlapping rules out subsequent manipulation. On other pages attempt has been made to avoid such overlapping affixation of acquittance stamps.

The entries of each month are signed by the same Manager who has signed the competency certificate upto August 1973, after which the signatures of the Manager are absent. However the entry of attendance and payment of wages on a revenue stamp continued upto April 1974 so far as Sri Misra is concerned. It appears that since November 1973 only two persons remained in mine namely Sri Gobind Prasad, who was the owner and took the salary as Superintendent, and Sri Mishra who was the Register Keeper.

7. Ext. W-2 is the leave application which appears to be endorsed, signed and sealed by Sri Gobind Prasad, Superintendent. This document was also obtained by the workman from Shri Govind Parshad and produced in support of his contention that he was an old employee of the mine. There is no rebuttal to the statement of Sri Misra on this point and mere late production of the document by Sri Misra, which late production is sufficiently explained by him, is not sufficient to throw it out as a spurious piece of evidence.

8. There is yet another document Ext. W-6 with its enclosures Ext. W-5. The letter Ext. W-6 sent by Sri R. K. Verma, Asstt. Commissioner of Coal Mines Provident Fund on 22-4-74 i.e. a few days before take over of the mine. He returned the enclosed form 'H' Ext. W-5 after one year. The management had submitted it on 28-4-73 for opening the provident fund account in the name of Sri Gobind Prasad and Sri Sudhansu Kumar Misra as employees of the mine. Though it was signed by the then manager yet it appears that he had omitted to put his seal under his signature. Hence the Asstt. Commissioner returned the Form 'H' Ext. W-5 with the covering letter Ext. W-6 seeking its resubmission, after putting official seal on it. Ext. W-5 clearly mentions that the service of Sri Misra commenced on 17-1-72. This again indicates that in April 1973 the management made an attempt to open C.M.P.F. account in the name of Sri Sudhansu Kumar Misra as an employee of the mine whose service was continuing since 17-1-72. It appears that it could not be returned back as soon after the colliery was taken over and Sri Misra was on leave when it was received. These documents cannot be disbelieved simply because they were produced by Sri Misra in 1975. The cumulative effect of all this evidence lead to the only inference that Sri Misra was a genuine old employee of the mine since 17-1-72 and he continued to remain an employee on medical leave when the colliery was taken over.

9. The management examined Sri Mahendra Narain Singh, M.W. 1 and Sri V. K. Srivastava, M.W. 2. They have not been able to rebut this evidence. Simply saying that Sri Misra was not entitled to be taken back on duty because his name did not figure in the list of the employees prepared behind his back when he was on leave is not of much of consequence. Sri Hasim who was the Manager of the colliery when it was taken over has not been examined. In any case there is preponderance of evidence in favour of the workmen.

10. It is therefore held that the management was not justified in refusing to take back Sri Sudhansu Kumar Misra on duty when he returned back on 17-6-1974 alongwith medical certificate vide application Ext. W-3. The management is therefore directed to take him back in employment and if he proves to the satisfaction of the management that he had not been in employment elsewhere since 17-6-1974, then full back wages shall be paid to him with all consequential benefits till he is taken back on duty.

S. N. JOHRI, Presiding Officer
[No. L-20012/42/77-D.III (A)]

NAND LAL, Desk Officer

New Delhi, the 9th April, 1979

S.O. 1303.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Udaipur Cement Works, Udaipur and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th March, 1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NFW DELHI

I. D. No. 56 of 1977

in re.

The General Secretary,
Cement Mines Mazdoor Sangh,
Residency Road,
Udaipur.

VERSUS

The Chief Executive,
Udaipur Cement Works,
Udaipur.

PRESENT:

Shri Mohan Singh, Representative of the workmen.
Shri R. S. Sharma, Representative of the management.

AWARD

“The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-29011/41/76-D. III(B), dated the 19th May, 1977 made a reference to this Tribunal u/s 10 of the I.D. Act, 1947 :

Whether the management of Udaipur Cement Works, Udaipur are justified :

- In retransferring Shri Pooran Lal, Compressor Attendant to his original post of Driller.
- non-payment of wages to the said Shri Pooran Lal for the period 22-7-76 to 2-8-76 when he did not resume duty in his original post of Driller in accordance with the instructions of the management.
- non-payment of 4 hours wages on 3-8-76 to the workmen who stopped work during this period abruptly, without giving any prior notice.
- non-payment of wages for the strike period from 7-8-1976 to those workmen who resorted to strike without giving the notice.

If not, to what relief the affected workmen are entitled ?

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and before any statement of claim was filed by the workman talks for compromise started between the parties. It was ordered to be recorded in so far as it was beneficial for the workman. The statement of Shri Mohan Singh, General Secretary of Union and Shri R. S. Sharma, Asstt. Personnel Officer of the Management was recorded in which it is stated by them that 'the parties have settled their entire dispute vide Ex. S/1 settled which has been acted upon in part. A no dispute award be made.

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in the reference and parties are left to bear their own costs.

FURTHER AWARDED

That requisite number of copies of this award may be sent to the appropriate Government for necessary action at their end.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

[No. L-29011/41/76-D.III.B.]

Dated : the 16th March, 1979.

S.O. 1304.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Industrial Tribunal Jaipur in respect of complaint under section 33A of the said Act filed by Shri Ram Chandra Arya, which was received by the Central Government on the 24th March, 1979.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, JAIPUR
Complaint No. CIT-1 of 1978

Shri Ram Chandra Arya s/o Shri Nathuram, Harijan
resident of Quarter No. R-64-II 'B' Khetri Nagar,
through Shri Prem Kishan Sharma, Advocate, Station
Road, Jaipur Applicant

VII

APPEARANCES

For the applicant : Shri P. K. Sharma and Shri Ashok Parjhar

For the opposite party: Shri S. B. L. Agrawal

Date of Award : 8-3-1979.

AWARD

The petitioner Shri Ram Chandra has filed this complaint under section 33-A of the Industrial Disputes Act, (hereinafter referred to as the Act), before this Tribunal on 23-3-1978, alleging that he was working as a Mechanic 'A' in the Kothian Copper Mines, under the Hindustan Copper Limited, Khetri Nagar, for the last eight and a half years, and he was dismissed from service on 28-9-1977, as a result of enquiry held against him, by the non-applicant, but his dismissal is illegal and unfair. It has been further alleged by the petitioner that he is a concerned workman in reference case pending before this Tribunal as case No. CIT-12 of 1975. That Reference is an industrial dispute between Rashtriya Khetri Tamba Mazdoor Sangh and the Management of Hindustan Copper Limited for four employees, who were dismissed and victimised by the Management and the petitioner is interested in the outcome of that Reference, and common points are involved in this case as well as in that Reference. It has been further alleged that in the circumstances it was mandatory for the opposite to apply for approval of dismissal, which has not been done and, therefore, the order of dismissal is illegal and deserves to be set aside.

2. On notice to the opposite party, a reply was filed in which it was specifically alleged that the applicant is not a concerned workman in reference case CIT-12/75. It has been further alleged that in that reference, the dispute relates to dismissal of particular four individuals on account of their gross misconduct, whence by they openly led procession and dragged the officer and assaulted him and damaged company's property and, in these circumstances, they were removed from the service of the company, while the present petitioner has been dismissed for having committed theft and so there is no common question about the non-dismissal of the petitioner and the dismissal of the employees whose dispute has been referred to this Tribunal. It has been specifically asserted that as the petitioner is not in any way interested in the Reference, the present application is not maintainable, and deserved to be dismissed.

3. Since the question of non-maintainability of the application was purely legal question, I heard both the parties at length, on this point. The learned counsel for the petitioner referred to the Judgment of His Lordship Kasliwal, J. in S. B. Civil Writ Petition No. 388 of 1978 decided on 30-8-78 between Hindustan Copper Limited Vs. Central Industrial Tribunal, in support of his arguments while the petitioner contended that he may be allowed to lead evidence and prove that he is interested in the outcome of the Reference, and as such he is a "workman" concerned.

4. Before dealing with the respective contentions of both the parties, I would like to point out that the facts in the case cited by the counsel for the non-petitioner are more or less similar with the facts of the present case. From the copies of the Charge-sheets filed in the present case, by the Management, it becomes clear that there was an allegation of theft of Gun Metal Round of about 30 K.G. weight on 9-4-77 against the petitioner, and after a Domestic enquiry, the charge was held proved and he was dismissed. This fact

is not disputed by the petitioner. Then the Reference Case CIT-12/75 relate to an incident dated 29-5-75 concerning the four workmen, and the order of dismissal, passed on 31-5-75 by the employer. The incident was about the illegal procession and assaulting of an officer by the four workmen for which they were charge-sheeted and ultimately dismissed after a domestic enquiry. The petitioner, in the present case, has nowhere alleged that he was present at the time of that incident or that he had appeared in evidence in the case concerning the four workmen, or he is in any way concerned with that incident for which the four workmen were dismissed and the reference about which is pending before this Tribunal. Thus there are no common points involved in this case and the case under reference and the petitioner cannot be said to be interested in the outcome of result of Case No. CIT-12/75. There is only a bald allegation that the four employees concerned in that industrial dispute were also victimised by the opposite party and the applicant has also been victimised, and so, he is interested in the outcome of that dispute. I think, this bald allegation is not enough to hold that there is any common point involved in both the cases. Since there is no allegation of any semblance of question about in the petition, I think, no useful purpose can be served to allow the petitioner to lead evidence to show that he is a "workman" concerned in that dispute, as there cannot be any proof on a plea, which has not been put forth in the petition since the plea put forth in the petition is not at all sufficient to show any semblance of interest in both the cases, it would not be proper to give any opportunity to the petitioner to lead evidence to show his interest in the reference case, when *prima facie*, there does not appear to be any interest whatsoever from the allegations in the petition itself.

5. In the case referred to by the learned counsel for the non-petitioner, it was specifically laid down by His Lordship Kasliwal, J., after elaborately discussing various citations referred to by both the parties, that raising or sponsoring a dispute by the Union will not mean that it will be sine-qua-non for holding that every member of such Union will be "workman" concerned for any matter whatsoever, even if it had no semblance of any action or interest in the dispute raised by the Union. His Lordship has further observed as under :—

"It would be necessary for the workman to show as to how he is concerned with the earlier dispute raised by the Union and pending before the Labour Court or Tribunal for determination. If the contention raised by the learned counsel for the respondent is to be accepted, the result would be that in any and every kind of dispute raised by the Union of any worker, every member of such union will become a workman concerned in the dispute and the employer will not be able to take any action without the prior permission or approval of the court or tribunal concerned. It is necessary for the workman who wants to come within the category of workman concerned in such dispute to prove that he is interested or has connection with the dispute already pending for determination. If the dispute raised or sponsored by the union may be of the kind like a demand of bonus, or salary which might be affecting the members of the union as a whole, it can be said that every member of the union is a workman concerned in a dispute but where the dispute raised or sponsored by the union on behalf of the individual workman relating to an incident concerning the act of that workman individually it cannot be said that every member of such union will be a workman concerned in the dispute."

6. From the above referred proposition of law, which is binding upon me, and considering the facts of the present case, it can definitely be said that the petitioner is not a "workman" concerned, in Reference Case pending before this Tribunal as Case No. CIT-12/75 and, therefore, it was not necessary for the Management to apply for approval of its action of dismissal of the petitioner and so it cannot be said that the order of the Management is illegal on this ground. No further ground of illegality was alleged or argued before me and not could it be pressed before me on any other ground.

7. I, therefore, hold that the present petition is not maintainable and deserves to be dismissed.

8. The petition of the petitioner is, therefore, rejected. The Award be published in accordance with law

S. R. KOTHARI, Presiding Officer.
[No. L-43014/2/79-D.III.B]

New Delhi, the 11th April, 1979

S.O. 1305.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, New Delhi, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Daroli Limestone Mine of M/s. Udaipur Cement Works and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th March, 1979.

BEFORE SHRI MAHESH CHANDRA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, NEW DELHI

I.D. No. 47 of 1977

In re :

The General Secretary,
Udaipur Cement Mines Mazdoor Sangh,
24, Residency Road,
Udaipur. Petitioner.

Versus

The Managing Director,
Daroli Lime Stone Mine of
M/s. Udaipur Cement Works, P.O. Bajajnagar
(Near Dabok), Udaipur. Respondent.

PRESENT :

Shri Mohan Lal Representative of the Workmen.
Shri R. S. Sharma Representative of the Management.

AWARD

The Central Government as appropriate Government vide its Order No. L-29011/4/77-D.III.B, dated the 16th April, 1977 made a reference to this Tribunal u/s. 10 of the I.D. Act, 1957 :

Whether the action of the management of M/s. Udaipur Cement Works in not paying bonus to their workmen employed in Daroli Limestone Mine for the year 1972-73 and 1973-74 is justified? If not, to what relief these workmen are entitled?

2. On receipt of the reference usual notices were sent to the parties and before any statement of claim was filed by the workmen talks for compromise started between the parties. It was ordered to be recorded in so far as it was beneficial for the workmen. The statement of Shri Mohan Lal, General Secretary of Union and Shri R. S. Sharma, Asstt. Personnel Officer of the Management was recorded in which it is stated by them that 'parties have arrived at a settlement Ex. S/1. It has been acted upon the parties. A no dispute award be made in this reference'.

3. In view of the statement recorded above, a no dispute award is hereby made in the reference and parties are left to bear their own costs.

MAHESH CHANDRA, Presiding Officer

Dated : the 16th March, 1979.

[No. L-29011/14/77-D.III.B]

New Delhi, the 12th April, 1979

S.O. 1306.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Barua Mica Mine of M/s. Chaturam Horilram Pvt. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 28th March, 1979.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD

PRESENT :

Shri J. P. Singh, Presiding Officer.

Reference No. 1 of 1978

In the matter of an industrial dispute under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Barua Mica Mine of M/s. Chaturam Horilram Pvt. Ltd.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers : Shri A. Qasim, Labour Officer.

On behalf of the workmen : Shri S. N. Sahay, General Secretary, Metalliferous Mines Workers' Association, Kodarma.

AWARD

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Mica mine.

The Government of India, Ministry of Labour is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Barua Mica Mine of M/s. Chaturam Horilram Pvt. Ltd. and their workmen. Accordingly they, by order No. L-28012/3/77-D.III. B, dated 14th February, 1978 referred the said dispute to this Tribunal u/s 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 for adjudication with the following issue framed :

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Barua Mica Mine of M/s. Chaturam Horilram Pvt. Ltd., P.O. Jhumrataliya, Dist. Hazaribagh in terminating the services of 30 workmen as detailed in the scheduled w.e.f. 29-9-76 is justified? If not, to what relief the workmen are entitled?"

After receipt of the reference the parties were asked to file the written statement. On 29-1-79 the parties jointly prayed for time for filing settlement. Ultimately, on 12-3-79 a memorandum of mutual settlement was filed by the parties incorporating therein the terms of settlement arrived at between them in respect of the industrial dispute pending for adjudication in this Tribunal. The contents of the memorandum of settlement were verified as correct from the side of the workmen by Shri S. N. Sahay, General Secretary, Metalliferous Mines Workers' Association, Kodarma and Shri A. Qasim, Labour Officer for the employers. I heard the parties on the joint petition and it is prayed before me that an award may be passed in terms of the settlement as filed. It appears that the settlement in its turn has been signed both by the authorised representatives of the employers and the workmen. The terms of the settlement, beneficial as they are to the parties, are accepted. Nothing therefore stands in the way of an award being passed on the basis of the memorandum of settlement. Accordingly, I pass the Award in terms of the memorandum of settlement which do form a part of the Award as an Annexure.

J. P. SINGH, Presiding Officer.

ANNEXURE

BEFORE:

The Presiding Officer,
Central Government Industrial Tribunal No. 2,
Dhanbad.

Ref. No. 1 of 1978

Employers in relation to the Management of Barua Mica Mine of M/s. Chitturam Horilram (P) Ltd., Jhunumritlaiya.

AND

Their Workmen represented through Metalliferous Mines Workers' Association, Kodarma.

The humble Joint petition on behalf of the aforesaid parties.

Most respectfully shew with:—

That the aforesaid parties to the dispute have filed a joint petition on 27-1-79 praying therein that the parties are negotiating for an amicable settlement.

That your honour has been pleased to pass orders accordingly and adjourned to 12-3-79.

That the parties to the dispute have already entered into a mutual settlement on 26-2-79.

That the said settlement in six copies are annexed herewith for your honour's perusal.

That the petitioner, therefore, pray that the award may kindly be given in terms of the said settlement.

It is, therefore, prayed that your honour would be very much pleased to accept the said settlement annexed herewith and would be further pleased to give award in terms of the settlement.

And for this, both the parties shall ever pray.

Representing the Workmen.

Representing the Management.

(S.N. SAHAY),

General Secretary,

M. M. W. A. Kodarma.

Dated: Jhunumritlaiya

The 12-3-1979.

Sd/-

Memorandum of mutual settlement arrived at between the employer in relation to the Management of Barua Mica Mine and their workmen represented through their Association namely Metalliferous Mines Workers' Association at and P.O. Kodarma Distt. Hazaribagh.

SHORT RECITAL OF THE CASE

The General Secretary, Metalliferous Mines Workers' Association, Kodarma under letter No. MMWA/33/76, dated 6th November, 1976 raised a dispute alleging therein that Barua Mica Mine of M/s. C. H. (P) Ltd. has been illegally closed from 29-9-76 thereby terminated the services of 30 Workmen without payment of retrenchment compensation and one month notice pay in lieu of notice, whereas the management paid Ex-gratia to these workmen. Accordingly the General Secretary asked for re-instatement with back wages and continuity of Service.

The Management's case was that Barua Mica Mine has not been closed as alleged. The workmen on 28-9-76 asked for full and final settlement as they deserted voluntarily of their own wishes, as they did not wish to continue in employment any more at this mine for the reasons best known to them. Accordingly, the question of retrenchment compensation and notice pay does not arise.

After protracted discussions in the matter which ended in failure. Thereupon the Government of India has been pleased to refer the dispute for adjudication to the Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad. On receipt of notice from the Industrial Tribunal No. 2, the parties to the dispute have thought it proper to negotiate over the matter of reference as considerable time has already passed on and accordingly the parties have agreed on the following terms:—

Terms of Settlement

1. Agreed that the Management of Barua Mica Mine was justified in giving full and final payment at the request of the workmen employed therein in mass, as the workmen themselves declined to work any more at this mine. Hence mine. Hence the termination of 30 Workmen are bonafide.

2. Agreed that the Management has already paid the entire dues such as Salary, House Rent, leave wages and besides this, ex-gratia for their services and Bonus have also been paid. Hence the Workmen are not entitled to any more benefit.

3. Agreed that the Management has already paid wages equivalent to one month's Wages to these workmen in presence of the General Secretary of this Association on 20-2-79 over and above what have been paid to them.

4. Agreed that there is no scope for the Workmen to agitate with the matter any further as they have every reasons to believe that the actions of the Management is in no way motivated and malafide.

5. Agreed that the copy of this settlement be filed before the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad.

Representing Workmen

Representing the Management of Barua Mica Mine.

(S. N. SAHAY),

Hony. General Secretary, For and on behalf of Metalliferous Mines Workers' Chitturam Horilram Private Ltd. Association.

Witnesses:—

Sd/-

1. (Illegible).

Sd/-

2. (Illegible)

Sd/-
(Illegible)

[No. L-28012/3/77-D.III.B]

A. K. ROY, Under Secy.

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1979

कांग आ० 1307—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोक-शृंखला में ऐसा अपेक्षित है कि सीमेंट उद्योग की सेवाओं को, जिनमें उसके अधिनियम की प्रथम अनुसूची में प्रविलिट 3 वांग शामिल किया गया है, उसके अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा धोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के अंडे (३) के उपर अंडे (६) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार सीमेंट उद्योग की सेवाओं को उसके अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लक्ष्यात्मक प्रभाव से छ: मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा धोषित करती है।

[संख्या एम-11017/7/79/बीI(ए)]

New Delhi, the 11th April, 1979

S.O. 1307.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that services in the cement industry which are covered by entry 3 in the First Schedule to the said Act, should be declared to be public utility services for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial

Disputes Act, 1947 (Act 14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said services in cement industry to be public utility services for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S. 11017/7/79/DI(A)]

नई दिल्ली 12 अप्रैल, 1979

का० आ० 1308—केन्द्रीय सरकार के यह समाधान हो जाने पर कि सोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, भौद्योगिक विवाद भविनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (३) के उपखण्ड (६) के उप-मन्त्रों के भनुसरण में, भारत सरकार के अथ मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 3120 तारीख 16 अक्टूबर, 1978 द्वारा युरेनियम उद्योग को उक्त भविनियम के प्रयोजनार्थ के लिए 20 अक्टूबर 1978 से छः मास की कालावधि के लिए लोक द्वित उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि सोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिये बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः अब, भौद्योगिक विवाद भविनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (३) के उपखण्ड (६) के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त भविनियम के प्रयोजनों के लिए 20 अप्रैल 1979 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस० 11017/6/1979/वै १(प)]
एल० के० नारायणन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 12th April, 1979

S.O. 1308.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 3120 dated the 16th October, 1978, the service in the Uranium Industry, to be a Public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 20th October, 1978;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from 20th April, 1979

[No. S. 11017/6/79/DI(A)]
L. K. NARAYANAN, Desk Officer

New Delhi, the 11th April, 1979

S.O. 1309.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Industrial Tribunal (Central), Chandigarh in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Beas Dam Project and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th April, 1979.

BEFORE MUNI LAL VERMA, PRESIDING OFFICER,
INDUSTRIAL TRIBUNAL, (CENTRAL), CHANDIGARH
Reference No. 1-C of 1979

Raj Kumar Handa v. Beas Dam Project, Talwara,
APPEARANCE :

Mr. Raj Kumar, workmen.

Mr. A. S. Talbghar for the respondent.

AWARD

The Central Government referred the following point for adjudication to this Tribunal, vide Notification No. 1-42012 (6)/76-D II (B), dated 5-6-1976 :—

10 GI/79-6

Whether the action of the management of the Beas Dam Project, Talwara, in terminating the services of Shri Raj Kumar Handa with effect from 11-9-1969, is legal and justified ? If not, to what relief is the said workman entitled

The parties have come to settlement. According to the said settlement as disclosed in the statements made by Mr. Raj Kumar workman and Mr. A. S. Talbghar, the authorized representative of the respondent on March 17, 1979 and today, the 2nd April, 1979, the respondent has converted the order of termination of services of Mr. Raj Kumar for misconduct of theft, which is subject of this reference into the one for retrenchment under section 25-FFF of the Industrial Disputes Act, 1947. The respondent has paid and Mr. Raj Kumar has accepted today, Rs. 1,000/- in full and final satisfaction of all of his (Raj Kumar's) claims pertaining to back wages, continuity of service, retrenchment compensation and re-employment etc. Mr. Raj Kumar has further been provided discharge certificate by the respondent, and he states that his claim has been fully satisfied, and the reference may be disposed of as satisfied.

Hence, in view of the aforesaid settlement evidence by the statements of the workman and the representative of the respondent referred to above, this reference has become infructuous on account of the claim of the workman in dispute having been satisfied in full and I dismiss the same accordingly, with no order as to costs.

2-4-1979

Sd/-
(Illegible)
Presiding Officer,
Industrial Tribunal (Central),
Chandigarh, (Camp Pathankot)
[No. I-42012(6)/76-D II(B)]

S.O. 1310.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Martin's Light Railways, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 6th April, 1979.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL : CALCUTTA

Reference No. 13 of 1967

PARTIES :

Employers in relation to the Martin's Light Railways, Lalbazar Street, Calcutta.

AND

Their Workmen

(Represented by the Martin's Railways Staff Association)

APPEARANCES :

On behalf of Sri R.K. Chakravarti, Chief Personnel Officer, Employers /

On behalf of Sri Manmatha Ranjan Das, General Secretary, Workmen / Martin's Railways Head Office Staff Union.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Railways

AWARD

By an Order No. 2/34/66-LR. IV dated 10th February, 1967 the then Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), Government of India, referred an industrial dispute existing between the Martin's Light Railways, Lalbazar Street, Calcutta and their workmen, to the Industrial Tribunal No. 2, Calcutta (which is the existing tribunal at present), for adjudication. The material part of the order of Reference reads :

"Whether the scales of pay of the following posts at the Railway Headquarters Office of Martin's Light

Railways need revision ? If so, to what extent and from what date ?

Categories of Staff	Existing Grade	Proposed scale of pay
1. Head Clerk (Special)	200-15-350	280-20-400-25-500
2. Head Clerk	190-10-260	260-15-350-20-450
3. Section Head	130-6-190	160-10-280
4. Comp. O.(Special)	130-6-190	160-10-280
5. Comp. Op.	70-4-124-6-160	80-5-130-7-200
6. Head Typist	110-5-150	160-10-260
7. Typist	70-4-130	80-5-130-7-200
8. Publicity Assistant	150-10-250	200-15-350.
9. Railway Cashier	200-10-300	290-15-400
10. General Assistant	120-5-160	160-6-240
11. Pay clerk (Jr.)	96-4-140	120-6-180-8-260
12. Pay clerk (Sr.)	145-5-190	(Combined)
13. P.A. to G.M.	200-10-300	260-15-350-20-450"

2. The reference has a chequered history. The dispute was initially, sponsored by the Martin's Railway Staff Association. Before any written statement was filed, an application was made by the Martin's Railway Head Office Staff Union praying that the said Union be added as a party to the Reference. The prayer was rejected by the Tribunal. Thereafter the said Union obtained from the High Court at Calcutta a Rule and an ad-interim order restraining the Tribunal from proceeding further with the hearing of the case.

3. While the hearing of the Rule was pending, an application dated November 20, 1969 was made before the Tribunal by all the parties stating that the dispute had been settled and a consolidated agreement covering the said settlement as well as a settlement on several items not covered by the Order of Reference had been entered into. A copy of the relevant Memorandum of Settlement was annexed to the said application. By the said application the parties jointly prayed that the agreement contained in the Memorandum of Settlement be recorded and the Tribunal be pleased to make an award on the basis of the said Memorandum of Settlement. The Memorandum of settlement appears to have been signed by the parties on November 19, 1969 and filed before the Tribunal on November 21, 1969. On the same date, the learned Presiding Officer made an order directing the application to be placed in the records and await orders from the High Court.

4. The original records from the High Court at Calcutta without a copy of the judgment were received back on July 28, 1978. The case has been posted today, for recording the settlement arrived at between the parties.

5. The Tribunal has been told that the Rule has been disposed of and the order restraining the Tribunal from proceeding with the hearing of the Reference is no longer in force. In that view of the matter, the appearing parties have submitted that an Award be made on the basis of the said Memorandum of Settlement. The Memorandum has been signed by all the parties.

6. I have gone through the terms of the said Memorandum of Settlement and I am of opinion that they are fair and reasonable. I therefore make an Award in terms of the Memorandum of Settlement, a copy whereof is annexed hereto and marked with the letter 'A'.

Dated : Calcutta,

The 28th March, 1979.

S. K. MUKHERJEA, Presiding Officer

MEMORANDUM OF SETTLEMENT

1. Names of the parties :

The Howrah-Amta Light Railway Co. Ltd.,
The Howrah-Shekhala Light Rly. Co. Ltd.,
The Arrah-Sasaram Light Rly. Co. Ltd.,
The Futwah-Islampur Lt. Rly. Co. Ltd.,
The Shahdara (Delhi)-Saharanpur Lt. Rly. Co. Ltd.

Represented by:

1. Mr. C. S. Mehta, General Manager.
2. Mr. L. H. Das, Chief Accounts Officer.
3. Mr. A. Chakravarti, Dy. Chief Personnel Officer.

Workmen of the Companies represented

By Martin's Railway Head
Office Staff Union through—

1. Shri Manmatha Ranjan Das,
Vice President
2. Shri Kalipada Chatterjee,
General Secretary,
3. Shri Mohit Kumar Chakravarty
Asstt. General Secy.
4. Shri Netal Patra, Treasurer.

By Martin's Railway Staff
Association through—

1. Shri Suprakash Mitra, President.
2. Shri Surya Kumar Mukherjee,
Vice President.
3. Shri Staya Banerjee,
General Secretary.
4. Shri K. D. Das, Member.

Short recital of the case

Martin's Railways Staff Association submitted a charter of demands on 18-10-65 containing 7 items of which 4 items were referred to the A.L.C. (C), Calcutta for negotiation and settlement on 19-9-66. The Association and the Management of Martin's Light Railways attended the office of the Asstt. Labour Commissioner (C), Calcutta on 17-10-66. The matter had been discussed, and keeping in view the fact that a reference was then pending before a Tribunal at Calcutta in respect of the same establishment represented by Martin's Railways Head Office Staff Union it was agreed to by the parties that demand No. 4 (Revision of grades and scales for certain categories of workmen) in the Association's charter of demands dated 19-9-66 would be referred to the Government with a joint application under Section 10(2) of the Industrial Disputes Act, 1947 except the case of Ward Keeper. In view of this, the Association did not press for demand Nos. 1 to 3. In accordance with the said Joint Application made to the Ministry of Labour & Employment, Govt. of India, a reference was made to the Central Govt. Industrial Tribunal, Calcutta for adjudication of the dispute as mentioned in the Schedule of order of Govt. of India, Ministry of Labour & Employment dated 10-3-1967. The said reference I.D. No. 13 of 1967 is still pending before the Tribunal. Subsequently Martin's Railways Head Office Staff Union was made a party to the said dispute. The Staff Association submitted a further Charter of Demands with its letter dated 18-4-69. some of the demands were settled by mutual negotiation.

2. Martin's Railways Head Offices Staff Union submitted on 30-4-1969 a Charter of Demands containing 15 items under its letter No. MRHU/149/69 dt. 30-4-1969 to the General Manager of the Railway Companies generally known as Martin's Light Railways for his acceptance. The Union held three meetings with the General Manager on 9-5-69, 20-6-69 and 11-7-69 in connection with the aforesaid charter of demands. In course of first two meetings held on 9-5-69 and 20-6-69 the demands under items 3, 5, 8, 9, 10, 11, 12 and 13 of the charter had been settled. In view of the fact that the General Manager agreed to consider the major issues under items 1 and 2 affecting general staff, the Union did not press for demands Nos. 4, 6, 7, 14 and 15. Since the agreement dated 22-9-65 for Puja Bonus had expired it was necessary to have a fresh agreement in respect of Puja Bonus.

3. Negotiations went on with regard to the common demands of both the Unions and a final settlement was arrived at as mentioned below :—

TERMS OF SETTLEMENT

1. Re : Scales of Pay.—The scales of pay of the categories of staff will be revised as per annexure 'A' to this Agreement.

2. Re : Dearness Allowance.—Dearness Allowance will be paid to the members of the clerical staff at the Railway Headquarters Office as hitherto on the Middle Class Cost of Living Index 651 as published by the Bengal Chamber of Commerce at the following rates :—

Pay Group	Rate of Dearness Allowance
On the 1st Rs. 100	... Rs. 225 per cent
On the 2nd Rs. 100	... Rs. 105 per cent
On the 3rd Rs. 100 & above	... Rs. 45 per cent

For every rise or fall of 10 points over or below 651 points, the Dearness Allowance will rise or fall by 5 per cent for the hundred rupees, 2.5 per cent for the second hundred rupees and 1.25 per cent for the third hundred rupees of basic pay and above.

Dearness Allowance for the non-clerical staff at the Railway Headquarters Office will continue to be paid as per Guha Roy Award published in the Gazette of India dated 14th July, 1962.

3. A portion of the Dearness Allowance as indicated below will be treated as a part of basic pay for the purpose of Bonus, Provident Fund, Gratuity, Compensatory Allowance, T. A. and Passes & P.T.Os for the staff at the Railway Headquarters Office :—

Pay Group	D. A. to be treated as a Part of basic pay.
-----------	---------------------------------------------

(a) Clerical Staff :

Staff drawing below Rs. 100	Rs. 40
Staff drawing Rs. 100 to Rs. 199	Rs. 45
Staff drawing Rs. 200 and over	Rs. 50
(b) Non-clerical Staff	Rs. 30

4. Compensatory Allowance.—7.5 per cent of the Compensatory Allowance which is being paid in lieu of Bonus since January, 1960 being withdrawn, the Compensatory Allowance of 22.5 per cent to be paid to the members of the staff of Railway headquarters office will be reduced to 15 per cent of the basic salary.

5. Ad-hoc Increment.—Every member of the permanent staff will be granted an Ad-hoc increment after fixation in the respective revised scale of pay with effect from the 1st September, 1969.

6. Bonus.—In respect of each of the four accounting years commencing from 1st April 1969, a bonus equivalent to one and one-third months basic salary will be paid to all permanent members of the staff who will be in employment of the Companies on the last day of the month immediately preceding the month in which the bonus in respect of each year is paid and will have completed one year's service on that day.

(a) Permanent staff having less than one year's service on the said day will be paid on the following basis :—

Clerical Staff	... Rs. 55 lumpsum
Motor Car Drivers	... Rs. 40 lumpsum
Other than the Clerical Staff.	Rs. 30 lumpsum

(b) Temporary staff who will complete one year's continuous service on the said day will be treated for this purpose as permanent staff.

(c) Basic salary will mean the basic salary for the month immediately preceding the month in which the bonus is paid.

(d) It is agreed that the Companies shall not be liable to pay any bonus other than the bonus mentioned herein and any payment made under this agreement shall be in full and final settlement of any bonus payable under the terms of any award, agreement, settlement, contract of service or the Payment of Bonus Act, 1965 or any Act governing the payment of bonus that may come into force in respect of the four accounting years mentioned hereinbefore.

7. This Agreement will come into force from 1st September, 1969, and will remain binding on parties for a period of four years commencing from 1st April, 1969 during which the Unions will not raise any demands which are likely to impose substantial financial commitments on the Companies.

Signature of the Parties

Witness : 1. Sd/- A. Chakravarti, Representing Employer
 Dy. Chief Personnel Officer. SJ/- C.S. Mehta
 General Manager 19/11/69

Representing Workmen

Martin's Railways Head Office Staff Union	Martin's Railways Staff Association
1.	1. Sd/-Suprakash Mitra, President
2. Sd/-Kalipada Chattopadhyay 19-11-69	2. Sd/-Surya Kumar Mukherjee.
3. Sd/-Mohit Kumar Chakrabarty	3. Sd/- Satya Banerjee, General Secretary.
4. Sd/- Netai Chandra Patra	4. Sd/-Krishna Dulal Das
Witness :—	Witness :—
1. Sd/- Himadri Kumar Samaddai	1. Sd/- Dhirendranath Sarkar
2. Sd/- Jayanta Prasad Banerjee	2. Sd/- Satendra Lal Sen Gupta.

ANNEXURE 'A'

Category	Existing Grade	Revised Grade
1. Cashier and P.A. to G.M.	200-10-300	210-10-270-12-330-15-360
2. Head Clerk	190-10-260	200-10-260-12-320
3. Publicity Assistant	150-10-250	160-10-260-12-308
4. Stenographer	110-5-160-EB-10-200	115-5-160-EB-10-240
5. Section Head	130-6-190	142-6-172-7-228
6. Draftsman	110-5-170	115-5-160-6-190-8-206
7. Cash Assistant	70-3-94-4-134	
8. Typist	70-4-130	
9. Clerk	70-3-94-4-134-150-5-160	70-4-90-5-135-6-195
10. Pay Clerk Gr. I	145-5-190	150-6-186-7-228
11. Pay Clerk Gr. II	96-4-140	100-5-170
12. Comp. Operator	70-4-124-EB-6-160	70-4-90-5-135-6-195
13. Tracer	70-3-100	75-3-105-4-125
1. Car Driver	60-3-90-2-100	60-2-80-3-110
2. Ticket Counter	55-1-60-2-80	55-1-60-2-90
3. Lit. Sorter Duftry & Head Orderly	40-1-45-2-65	40-1-45-2-75
4. Ticket Binder	40-1-50	40-1-50-2-60
5. Armed Guard	45-1-50-2-60	45-1-50-2-70
6. Durwan & Chowkidar	37-1-47	37-1-47-2-57
7. Peon Khansama	35-1-40-2-50	35-1-40-2-60
8. Waterman & Sweeper	35-1-45	35-1-45-2-55
Sd/- C.S. Mehta 19-11-69		
Sd/- Satya Banerjee		
Sd/- Kalipada Chattopadhyay		

[No. L-41011(6)/79-D. II(B)]

HARBANS BAHADUR, Desk Officer

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1979

कांस्था 1311.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्ट महाराष्ट्र स्टेट पावरलूप्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, वसानी चैम्बर्स, पहला फ्लोर न्यू मैरिन लाइसेन्स, मुम्बई-20, जिसके अध्यक्ष (1) मोहम्मद शही रोड, मोहिनपुरा, जामा मस्जिद के सामने, नागपुर-2, (2) श्री निवास विलिंग निष्ठाली मंजिल, प्रभु प्रली, सेप्टेंबर बैंक पाफ इंडिया के सामने, पिंपराडी, जिला ठाणे, (3) अंडेन कॉर्पोरेटिव बैंक विलिंग, धोरोंगिक एस्टेट,

हथलकरणजी और (4) केपर प्राफ नासिक डिस्ट्रिक्ट पावरलूप्स कॉर्पोरेटिव सोसाइटीज कॉर्पोरेटिव फैडरेशन, 18/2, पागरा रोड, मालेशाव, जिला नासिक, स्थित उसकी शाखाएं भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निषि और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू किये जाने चाहिये।

मत, यदि, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अगस्त, 1972 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।
 [सं. एस. 35018(1)/79 पी. एफ. III]

New Delhi, the 11th April, 1974

S.O. 1311.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Maharashtra State Powerlooms Corporation Limited, Vasani Chambers, 1st Floor, New Marine Lines, Bombay-20 including its branches at (1) Mohammed Ali Road, Mominpura, Opposite Jamma Masjid, Nagpur-2, (2) Shrinivas Building, Ground Floor, Prabhu Ali, Opposite Central Bank of India, Bhiwandi, District Thane, (3) Urban Co-operative Bank Building, Industrial Estate, Ichalkaranji and (4) Care Off Nasik District Powerloom Co-operative Societies Co-operative Federation, 18/2, Agra Road, Malegaon, District Nasik, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1972.

[No. S. 35018(1)/79-PF.II]

कांस्था 1312.—यह: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्ट माइक्रो इंजीनियरिंग बर्स, मेहेदिबागान, जी० टी० रोड, बर्दिबान पश्चिमी बंगाल, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निषि और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये।

मत, यदि, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1978 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35017(7)/78-पी. एफ. II]

S.O. 1312.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Micro Engineering Works, Mechedibagan, G. T. Road Burdwan, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May 1978.

[No. S. 35017(7)/79-PF.III]

का०आ० 1313.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जगदल एण्ड सन्स, 38, सामपंगी टैक, रोड, बंगलौर - 27, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(7)/78-पी०एफ० II(i)]

S.O. 1313.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jagdale and Sons, 38, Sampangi Tank Road, Bangalore-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1978.

[No. S. 35019/7/79-PF.II(i)]

का०आ० 1314.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में प्रावधारक जांच करने के पश्चात् 1 दिसम्बर, 1978 से मैसर्स जगदल एण्ड सन्स, 38, सामपंगी टैक रोड, बंगलौर-27, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(7)/78-पी०एफ० II (ii)]

S.O. 1314.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of December, 1978 the establishment known as Messrs. Jagdale and Sons, 38, Sampangi Tank Road, Bangalore-27, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/7/79-PF.II(ii)]

का०आ० 1315.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुरेश कुमार रमेश कुमार, 4/4-1 पंचानन टोला रोड, हावड़ा-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिये;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 350 17(8)/78 पी०एफ०-II]

S.O. 1315.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suresh Kumar

Ramesh Kumar, 4/4/1, Panchanantola Road, Howrah-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1978.

[No. S. 35017(8)/79-PF.II]

का०आ० 1316.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एडप्रिंट सर्विसेज (प्राइवेट) लिमिटेड, (मेडिकल प्रोडक्ट्स हिक्यूजन) 30/1/10, कुरमय्या स्ट्रीट, अरुणडेलपेट पोस्ट ऑफिस बाक्स 346 विजयवाड़ा-2, जिसके अन्तर्गत (1) 47/163-ए, नेशनल हाई रोड, कलूर जंक्शन, कोचीन-17, (2) प्लाट नं० 22/2/ए और बी, भोलकपुर, सिकन्दराबाद-3 और (3) 10 मैनटिएप लेन, इग्मोर, मद्रास-8, स्थित उसकी शाखाएँ भी हैं, नामक स्थापन में संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या द्वारा यही विषय पर सहमत हो गई है कि कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना, 1 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(8)/78-पी० एफ० II (i)]

S.O. 1316.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s Adprint Services (Private) Limited, (Medical Products Division) 30/1/10, Kurnamaya Street, Arundelpet Post Office Box 346, Vijayawada-2 including its branches at (1) 47/163-A, National High Road Kaloor Junction, Cochin-17, (2) Plot No. 22/2/A&B, Bholakpur, Secunderabad-3 and (3) 10 Montieth Lane, Egmore, Madras-60008, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S-35019(8)/78-PF.II (i)]

का०आ० 1317.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में प्रावधारक जांच करने के पश्चात् 1 दिसम्बर, 1978 से मैसर्स एडप्रिंट सर्विसेज (प्राइवेट) लिमिटेड, (मेडिकल प्रोडक्ट्स हिक्यूजन) 30/1/10, कुरमय्या स्ट्रीट, अरुणडेलपेट, पोस्ट ऑफिस बाक्स 346, विजयवाड़ा-2, जिसके अन्तर्गत (1) 47/162-ए, नेशनल हाई रोड, कलूर जंक्शन, कोचीन-17, (2) प्लाट नं० 22/2/ए और बी, भोलकपुर, सिकन्दराबाद-3 और (3) 10, मैनटिएप-लेन, इग्मोर, मद्रास-8 स्थित उसकी शाखाएँ भी हैं नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनियिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(8) 78-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 1317.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the

Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of December, 1976 the establishment known as Messrs. Adprint Services (Private) Limited, (Medical) Products Division) 30-1-10, Kurmayya Street, Arundelpet Post Office Box 346, Vijaywada-2 including its branches at (1) 47/163-A, National High Road, Kaloor Junction, Cochin-17, (2) Plot No. 22/2/A&B, Bholakpur, Secunderabad-3 and (3) 10 Montieth Lane, Egmore, Madras-8 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(8)/78-PF.II (ii)]

का० आ० 1318.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ओप्टो इलेक्ट्रॉनिक इण्डस्ट्रीज, 8/4/1, अलीपुर रोड, (नेशनल लिब एवेन्यु), कलकत्ता-27, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अपवर्ण उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के अपवर्ण उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35017(9)/79पी०एफ० (2)]

S.O. 1318.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Opto Electronic Industries 8/4/1, Alipur Road, (National Lib Avenue), Calcutta-27, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1978.

[No. S. 35017(9)/79-PF.II]

का० आ० 1319.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेस्ट बंगल शूरा इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, 13, लिंडसे स्ट्रीट, कलकत्ता-16, जिसके अन्तर्गत अहमदपुर शूरा मिल, डाकघर अहमदपुर, जिला बीरभूम, पश्चिम बंगाल, स्थित उमकी शाला थी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के अपवर्ण उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35017(10)/79पी०एफ० 2]

S.O. 1319.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment Known as Messrs West Bengal Sugar Industries Development Corporation Limited, 13, Lindsay Street, Calcutta-16 including its branch at Ahmedpur Sugar Mill, Post Office Ahmedpur, District Birbhum, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day January, 1977.

[No. S. 35017(10)/PF.II]

का० आ० 1320.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फिनोटेक्स, 46-ए, न्यू एम्पायर इण्डस्ट्रीय इस्टेट, कॉन्विटा रोड, अंधेरी (पूर्व) पुस्ट-59, जिसके अन्तर्गत 27, जयप्रकाश नगर, गोरेगांव (पूर्व), पुस्ट-53, स्थित उमकी कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35018(10)/78 पी०एफ० II]

S.O. 1320.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Finotex, 46-A New Empire Industrial Estate, Kondivita Road, Andheri (East), Bombay-400059 including its office at 27, Jaiprakash Nagar, Goregaon (East), Bombay-400053 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S-35018(10)/79-PF.II]

का० आ० 1321.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पवन हार्ड कोक इण्डस्ट्रीज रतनपुरा, डाकघर गोविन्दपुर, जिला धनबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019(10)/78-पी०एफ० II(i)]

S.O. 1321.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pawan Hard Coke Industries, Ratnapura, Post Office Gobindpur, District Dhanbad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019(10)/79-PF.II(i)]

का० आ० 1322.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के धारा 6 के प्रयोग परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्टूबर, 1978 से मैसर्स पवन हार्ड कोक इंस्ट्रांस, रतनपुरा, डाकघर गोविन्दपुर, जिला धनबाद, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोगों के लिए विनियोग करती है।

[सं० एम० 35019(10)/79-पी० एफ० II (ii)]

S.O. 1322.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1978 the establishment known as Messrs. Pawan Hard Coke Industries, Ratanpura, Post Office Gobindpur, District Dhanbad, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(10)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 1323.—केन्द्रीय सरकार, ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, धारा 2, खण्ड 3(ii) तारीख 11 नवम्बर, 1978 में प्रकाशित रूप में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3266 तारीख 24 अक्टूबर, 1978 द्वारा, मैसर्स महाराष्ट्र कामोडिटी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई को, उक्त अधिसूचना की अनुसूची में विनियोग शर्तों के अधीन पश्चाते हुए, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट दे दी थी।

बीर पूर्वोक्त मैसर्स महाराष्ट्र कामोडिटी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई ने 1 मई, 1978 से अपने स्थापन का नाम "विरला इंस्टरेनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, मुम्बई" परिवर्तित कर दिया है।

अतः यदि केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 3266 तारीख 24 अक्टूबर, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना की उद्देशिका के विरा 1 में, "महाराष्ट्र कामोडिटी ट्रेडिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड" पद के स्थान पर "विरला इंस्टरेनेशनल प्राइवेट लिमिटेड" पद रखा जाएगा।

[सं० एम० 35014/11/79-पी० एफ० II]

S.O. 1323.—Whereas in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government had, by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour bearing number S.O. 3266 dated the 24th Oct. 1978, published in Part II, Section 3(ii) of Gazette of India dated the 11th November, 1978, exempted subject to the conditions specified in the Schedule to the said notification, Messrs. Maharashtra Commodity Trading Company Private Limited, Bombay from the operation of all the provisions of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952. And whereas the aforesaid Messrs Maharashtra Commodity Trading Company Private Limited, Bombay, have changed the name of their establishment to "Birla International Private Limited, Bombay" with effect from 1st May, 1978.

Now, therefore, in exercise of the provisions of sub-section (1) of section 17 of the said Act, The Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour number S.O. 3266 dated the 24th October, 1978;

In the said notification in paragraph 1 of the preamble, for the expression "Maharashtra Commodity Trading Company Private Limited" the expression "Birla International Private Limited" shall be substituted.

[No. S. 35014/11/79-PF III]

का० आ० 1324.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री गणेशका इन्वेस्टमेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 9-वाटरलू स्ट्रीट कलकत्ता-69 नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की अनुमत्या इस बात पर महसूह हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35017(11)/79-पी० एफ०-2 (i)]

S.O. 1324.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Ganeshka Investments (Private) Limited, 9, Waterloo Street, Calcutta-69, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35017(11)/79-PF.II(i)]

का० आ० 1325.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रयोग परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1977 से मैसर्स श्री गणेशका इन्वेस्टमेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 9 वाटरलू स्ट्रीट, कलकत्ता-69, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोगों के लिए विनियोग करती है।

[सं० एम० 35017(11)/79-पी० एफ० II(ii)]

S.O. 1325.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January 1977 the establishment known as Messrs Sri Ganeshka Investments (Private) Limited, 9, Waterloo Street, Calcutta-69, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(11)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 1326.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लारेसक्समार एण्ड ब्रदर्स, 395/97 नार्फ नाया स्ट्रीट, नाया बाजार, मुम्बई-9, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की वहु-मंडप्या इस बात पर महसूह हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018(11)/79-पी० एफ० I]

S.O. 1326.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hareshkumar and Brothers, 395/97 Narshi Natha Street, Natha Bazar, Bombay-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1977.

[No. S. 35018(11)/79-PF.III]

का० आ० 1327.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेसं उमा मेटल इण्डस्ट्रीज, 28-जे० एन० मुखर्जी रोड, सलकिया, हावड़ा-6, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडल्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1978 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(12)/79 पी एफ०-2 (i)]

S.O. 1327.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Uma Metal Industries, 28, J. N. Mukherjee Road, Salkia, Howrah-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1978.

[No. S. 35017(12)/79-PF.II(i)]

का० आ० 1328.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषयों में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 सितम्बर, 1978 से मैसेसं उमा मेटल इण्डस्ट्रीज, 28, जे० एन० मुखर्जी रोड, सलकिया, हावड़ा-6, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं० एह० 35017(2) 79-पी० एफ० II (ii)]

S.O. 1328.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1978 the establishment known as Messrs. Uma Metal Industries, 28, J. N. Mukherjee Road, Salkia, Howrah-6, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(12)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 1329.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेसं जे० पी० मुखर्जी एण्ड एसेसिएट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 519 अरुण चैम्बर्स, तारदेव रोड, मुम्बई-34 जिसके अन्तर्गत उसका तकनीकी

प्रभाग, 569/बी-3, शिवाजी नगर, काप्रेस बवन रोड, पुना-5, भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018 (12)/78-पी० एफ० II]

S.O. 1329.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs J. P. Mukherjee and Associates (Private) Limited, 519 Arun Chambers, Tardeo Road, Bombay-400034 including its Technical Division 569/B-3, Shivaji Nagar, Congress Bhavan Road, Poona-5 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[S. 35018(12)/79-PF.II]

का० आ० 1330.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेसं इण्डियन कॉटेज इण्डस्ट्रीज, मोगल नेन, माटुंगा, मुम्बई-16 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1978 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018 (14)/78-पी० एफ० II]

S.O. 1330.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Cottage Industries, Mogul Lane, Matunga, Bombay-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35018(14)/79-PF. II]

का० आ० 1331--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसरी कूर्टरज़, देवर्गंगा फायर प्रोटेक्शन सेविसेज़ (प्राइवेट) लिमिटेड, 112, अरुण चैम्बर्स, नार्देव रोड, मुम्बई-34, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि पर्वत भवित्व नियंत्रित और प्रकारीण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपचार उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपचार उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(15)/79-पी० एफ०-I]

S.O. 1331.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kooverji Devshi Fire Protection Services (Private) Limited, 112, Arun Chambers, Tardeo Road, Bombay-34, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1978.

[No. S. 35018(15)/79-PF.II]

का० आ० 1332--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स भारत प्लास्टिक हाईस्ट्रीज़, 24-ए, मोगल लेन, माटुंगा, मुम्बई-16, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य नियंत्रित और प्रकारीण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपचार उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपचार उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसंबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(16)/79-पी० एफ०-II]

S.O. 1332.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Plastic Industries, 24-A Mogul Lane, Matunga, Bombay-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35018(16)/79-PF.II]

का० आ० 1333--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स श्री प्लास्टिक कार्पोरेशन, 47, सरकारी औद्योगिक एस्टेट, कांडीवली (पश्चिम) मुम्बई-67, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य नियंत्रित और प्रकारीण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपचार उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

10 GL/79-7

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपचार उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018 (17)/78-पी० एफ० II(i)]

S.O. 1333.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Plastic Corporation, 47, Government Industrial Estate, Kandivli (West), Bombay-67, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1976.

[No. S. 35018(17)/79-PF. II (i)]

का० आ० 1334--केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य नियंत्रित और प्रकारीण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रयम परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में भारतीय जंबू करते के पश्चात श्री प्लास्टिक कार्पोरेशन, 47, सरकारी औद्योगिक एस्टेट, कांडीवली (पश्चिम), मुम्बई-67, नामक स्थापन की उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए विनियोजित करती है।

[सं० एस० 35018(17)/79-पी० एफ० -II (ii)]

S.O. 1334.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1976 the establishment known as Messrs, Shree Plastic Corporation, 47, Government Industrial Estate, Kandivli (West), Bombay-67, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(17)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 1335--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स श्री हाईस्ट्रीस एंड केमिटेड, डिवीजन आफ मफतलाल इण्डस्ट्रीज़ लिमिटेड, आगरा-मुम्बई रोड, देवास (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य नियंत्रित और प्रकारीण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपचार उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपचार उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (17)/78-पी० एफ० II]

S.O. 1335.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sahyadri Dyes-tuffs and Chemicals, Division of Mafatlal Industries Limited, Agra Bombay Road, Dewas (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and

Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1978.

[No. S. 35019(17)/79-PF. II]

का० आ० 1336.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जयश्री इन्वेस्टमेन्ट प्राइवेट ट्रेडिंग कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, बागकार हाउस, सासून डाक, कोलाबा, मुम्बई-5, जिसके अन्तर्गत (1) एन० एस० पटकार मार्ग, मुम्बई-7 और (2) निम्बलकार कालोनी, पूना-बंगलौर रोड, कोल्हापुर-3, स्थित उसकी शाखाएँ भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुतस्त्वा इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(18)/78-पी०एफ० II(i)]

S.O. 1336.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jayshri Investment and Trading Company (Private) Limited, Bagkar House, Sassoon Dock, Colaba, Bombay-5 including its branches at (1) N. S. Patkar Marg, Bombay-7 and (2) Nimbalkar Colony, Poona-Bangalore Road, Kolhapur-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1977.

[No. S. 35018(18)/79-P.F.II(i)]

का० आ० 1337.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परलुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विधय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् जयश्री इन्वेस्टमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड, बागकार हाउस, सासून डाक कोलाबा, मुम्बई-5, जिसके अन्तर्गत (1) एन० एस० पटकार मार्ग, मुम्बई-7 और (2) निम्बलकार कालोनी पूना-बंगलौर रोड, कोल्हापुर-3, स्थित उसकी शाखाएँ भी हैं, नामक स्थापन को उक्त परलुक के प्रयोगनों के लिए विनिश्चित करती है।

[सं० एस० 35018(18)/78-पी०एफ० II(ii)]

S.O. 1337.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry, into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of March, 1977 the establishment known as Messrs. Jayshri Investment and Trading Company (Private) Limited, Bagkar House, Sassoon Dock, Colaba, Bombay-5 including its branches at (1) N. S. Patkar Marg, Bombay-7 and (2) Nimbalkar Colony, Poona-Bangalore Road, Kolhapur-3, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(18)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 1338.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रियेश हाउसिंग फैस्टरी, छोटी खाजरानी, मुम्बई आगरा रोड, इंदौर (म०प्र०) जिसके अन्तर्गत 50, शास्त्री मार्केट, इंदौर (म०प्र०) स्थित उसका कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुतस्त्वा इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० ए० 35019(18)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1338.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Prefab Housing Factory, Chhoti Khajrani, Bombay Agra Road, Indore (Madhya Pradesh) including its Office at 50, Shastri Market, Indore (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1978.

[No. S. 35019(18)/79-PF.II]

का० आ० 1339.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेस्टर्न इण्डिया ग्लास वर्क्स लिमिटेड, तालोजा औद्योगिक क्षेत्र, जिला तालोजा, जिसके अन्तर्गत 20, अल्टामाउण्ट रोड, मुम्बई-26, स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुतस्त्वा इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० ए० 35018(19)/78-पी०एफ० 2 (i)]

S.O. 1339.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Western India Glass Works Limited, Taloja Industrial Area, Taloja, District Kolaba including its branch at 20, Altamount Road, Bombay-26, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of October, 1978.

[No. S. 35018(19)/79-PF.II(i)]

का० आ० 1340.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ती उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में प्राव-स्थक जांच करने के पश्चात् 31 अक्टूबर, 1976 से मैसर्स वेस्टर्न इंडिया ग्लास वर्क्स लिमिटेड, तालोजा ग्रौंडोगिंग क्षेत्र तालोजा, जिला कोलाबा, जिसके अन्तर्गत 20, अल्टामाउंट रोड, मुमर्ही-26, स्थित उक्ती शाखा भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोगों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं० एस० 35018(19)/79-पी०एफ०-2 (ii)]

S.O. 1340.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of October, 1976 the establishment known as Messrs. Western India Glass Works Limited, Taloja Industrial Area, Taloja, District Kolaba including its branch at 20, Altamount Road, Bombay-26, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(19)/79-PF.II(ii)]

का० आ० 1341.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेशनल होटल, श्रीकाकुलम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुमंज्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकार्ती उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई ममती जाएगी।

[सं० एस० 35019(21)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1341.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. National Hotel, Omalur Road, Salem-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019(21)/79-PF.II]

का० आ० 1342.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सरस्वती मिल, 148, भुरामनगलाम मेन रोड, मालेम-9, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुमंज्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकार्ती उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रवृत्त हुई ममती जाएगी।

[सं० एस० 35019(22)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1042.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Saraswathi Mills, 148, Suramangalam Main Road, Salem-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019(22)/79-PF. III]

का० आ० 1343.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी कैफे, बस स्टैण्ड, श्रीकाकुलम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुमंज्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकार्ती उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1978 को प्रवृत्त हुई ममती जाएगी।

[सं० एस० 35019(23)/78-पी०एफ० III]

S.O. 1343.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Lakshmi Cafe, Bus-stand, Srikakulam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1978.

[No. S. 35019(23)/79-PF.II]

का० आ० 1344.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल एस०वी०एम० मेन रोड, श्रीकाकुलम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुमंज्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकार्ती उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 विजयवार्दी, 1978 को प्रवृत्त हुई ममती जाएगी।

[सं० एस० 35019(24)/78-पी०एफ० II]

S.O. 1344.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel S. V. S., Main Road, Srikakulam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1976.

[No. S. 35019(24)/79-PF. II]

का० आ० 1345.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसर्व सरस्वती नर्सिंग होम, 3ए, रामकृष्ण रोड, मालौन-7, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 अक्टूबर, 1978 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(25)/79-पी०एफ० II]

S.O. 1345.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Saraswathi Nursing Home, 3A, Ramkrishna Road, Salem-7 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1978.

[No. S. 35019(25)/79-PF. II]

का० आ० 1346.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसर्व थों रामा केफ, थों कलाहस्ती, चित्तू जिला, आंध्र प्रदेश, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 मार्च, 1977 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(26)/79-पी०एफ० II]

S.O. 1346.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Rama's Cafe, Sri Kalahasti, Chittoor District, Andhra Pradesh, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S. 35019(26)/79-PF. II]

का० आ० 1347.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसर्व रिचेम (प्राइवेट) लिमिटेड, गंगापाहाड़, महाबूबनगर, जिला धनबाद, जिसके अन्तर्गत नया बाजार, आंध्र प्रदेश स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और

कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(28)/79-पी०एफ० II(i)]

S.O. 1347.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vinod Coke Industries, Village Kapasara, Post Office Muguma, District Dhanbad including its branch at Naya Bazar, Post Office, Dhanbad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S. 35019(28)/79-PF. II(i)]

का० आ० 1348.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात विनोद कोक एंड कोर्पोरेशन, ग्राम कपासरा, आंध्रप्रदेश मुगमा, जिला धनबाद, जिसके अन्तर्गत नया बाजार, आंध्रप्रदेश धनबाद, जिसका धनबाद स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोगियों के लिए विनियिष्ट करती है।

[सं० एस० 35019(28)/79-पी०एफ०-II(ii)]

S.O. 1348.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to Section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1979 the establishment known as Messrs. Vinod Coke Industries, Village Kapasara, Post Office Muguma, District Dhanbad including its branch at Naya Bazar, Post Office, Dhanbad District for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(28)/79-PF. II(ii)]

का० आ० 1349.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसर्व रिचेम (प्राइवेट) लिमिटेड, गंगापाहाड़, महाबूबनगर, जिला धनबाद, जिसके अन्तर्गत नया बाजार, आंध्रप्रदेश धनबाद जिला धनबाद स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंडला इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 मार्च, 1972 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(29)/79-पी०एफ० III]

S.O. 1349.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Reechem (Private) Limited, Ganganpahad, Mahaboobnagar District, Andhra Pradesh have agreed that the provisions of the Em-

ployees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1972.

[No. S. 35019(29)/79-PF. II]

का० आ० 1350—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दरगाहवाला एण्ड वायर्स, आयन मिल, निकास रोड, उज्जैन, (मध्य प्रदेश), नामक स्थापन से सम्बद्ध शक्तियों की व्युत्संज्ञा इस बात पर गहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त शक्तियों के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई नमस्ती जाएगी।

[सं० एम० 35019(30)/79-पी०एफ० II]

S.O. 1350.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dargahwala and Company, Oil Mill, Nikas Road, Ujjain (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1977.

[No. S. 35019(30)/79-PF. II]

का० आ० 1351—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम०पी० एसो पेस्टीसाइट लिमिटेड, 29, भड़भड़ा रोड, न्यू मार्केट, टी०टी० नगर, भोपाल-3, जिसके अन्तर्गत इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बीना, स्थित उसका कारखाना भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध शक्तियों की व्युत्संज्ञा इस बात पर गहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई नमस्ती जाएगी।

[सं० एम० 35019(31)/79-पी०एफ० II(i)]

S.O. 1351.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs M. P. Agro Pesticides Limited, 29, Bhad Bhada Road, New Market, T. T. Nagar, Bhopal-3 including its factory at Industrial Estate, Bina have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1977.

[No. S. 35019/31/79-PF. II(ii)]

का० आ० 1352—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध शक्तियों में आवश्यक जात करने के पश्चात् 1 फरवरी, 1977 से मैसर्स एम०पी० एसो पेस्टीसाइट लिमिटेड 29, भड़भड़ा रोड, न्यू मार्केट, टी०टी० नगर, भोपाल-3, जिसके अन्तर्गत इण्डस्ट्रियल एस्टेट, बीना, स्थित उसका कारखाना भी है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोगों के लिए विनियोजित करती है।

[सं० एम० 35019(31)/79-पी०एफ० II (ii)]

S.O. 1352.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to Section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of February 1977 the establishment known as Messrs M. P. Agro Pesticides Limited, 29, Bhad Bhada Road, New Market, T. T. Nagar, Bhopal-3 including its factory at Industrial Estate, Bina, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/31/79-PF. II(ii)]

का० आ० 1353—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स दि खम्माम कोम्पोरेटिव लैंड मार्गेज बैंक लिमिटेड, खम्माम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की व्युत्संज्ञा इस धारा पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1972 को प्रवृत्त हुई नमस्ती जाएगी।

[सं० एस० 35019(32)/79-पी०एफ० II]

S. O. 1353.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Khammam Cooperative Land and Mortgage Bank Limited, Khammam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1972.

[No. S. 35019(32)/79-PF. II]

का० आ० 1354—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सीताराम टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, पुनकृतम, त्रिचूर जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की व्युत्संज्ञा इस धारा पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपर्युक्त उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई नमस्ती जाएगी।

[सं० एस० 35019(33)/79-पी०एफ० III]

S.O. 1354.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sitaram Textiles Limited, Poonkunnam, Trichur District, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1978.

[No. S. 39019(33)/79-PF. II]

का० आ० 1355.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शिमला बेकरी एण्ड रेस्टोरेंट, नेल्लोर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(34)/79-पी०-एफ०-2]

S.O. 1355.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Simla Bakery and Restaurant, Nellore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1973.

[No. S. 35019(34)/79-PF. II]

का० आ० 1356.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आंध्र प्रदेश, रिफ्रेक्टरीज लिमिटेड, 4 और 5 ग्राउण्ड फ्लॉर, परिश्रम भवन, बशीरबाग, हैवराबाद-29, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(36)/79-पी०-एफ०-2]

S.O. 1356.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Andhra Pradesh Refractories Limited 4 & 5 Ground Floor, Parigrama Bhavan, Bashirbagh, Hyderabad-29, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1978.

[No. S. 35019(36)/79-PF. II]

का० आ० 1357.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एथिकेर, फ्रेशर रोड, पटना-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(37)/79-पी०-एफ०-2]

S.O. 1357.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ethicare, Fraser Road, Patna-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1978.

[No. S. 35019(37)/79-PF. II]

का० आ० 1358.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जिला सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड, सिउनी (मध्य प्रदेश), जिसके अंतर्गत (1) लक्ष्मानाधन सिउनी (मध्य प्रदेश) और (2) कोलारी, सिउनी (मध्य प्रदेश), विषत उसकी शाखाएँ भी हैं, नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(38)/79-पी०-एफ०-2]

S.O. 1358.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jila Sahakari Bhoomi Vikas Bank Limited, Seoni (Madhya Pradesh), including its branches at (1) Lakhnath, Seoni (Madhya Pradesh) and (2) Keolari, Seoni (Madhya Pradesh) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S. 35019(38)/79-PF. II]

का० आ० 1359.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केग्ज फिल्म डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, वाजूथाकोड, त्रिवेंद्रम-14, जिसके अन्तर्गत तिरुवल्लीमाम, त्रिवेंद्रम जिला स्थित उसकी शाखा भी है, नामक स्थापन से सबद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(40)/79-पी० एफ०-2]

S.O. 1359.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kerala State Film Development Corporation Limited, Vazhuthacaud, Trivandrum-14 including its branch at Thiruvalleem, Trivandrum District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1979.

[No. S-35019(40)/79-PF. II]

का० आ० 1360.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गुजरात स्टेट फोरेस्ट डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड, पांचवा फ्लॉर, एप्पल, आरा० सी० बत रोड, बड़ीगांव, जिसके अन्तर्गत (1) हिमतनगर, (2) बरिया, (3) गोप्तरा, (4) चूटा उदयपुर, (5) राजपिला और (6) बंसदा स्थित उसकी शाखाएँ भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 जनवरी, 1979 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/43/79-पी० एफ०-2]

S.O. 1360.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gujarat State Forest Development Corporation Limited, 5th Floor, Darpan, R. C. Dutt Road, Baroda including its branches at (1) Himatnagar, (2) Barja, (3) Godhra (4) Choota Udaipur, (5) Rajpipla and (6), Bansda, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January, 1979.

[No. S-35019(43)/79-PF. II]

का० आ० 1361.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आटो ग्राइंडर्स कॉर्पोरेशन, बैंक रोड, न्यू कॉटन मार्केट हुबली, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/47/79-पी० एफ०-2]

S.O. 1361.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Auto Grinders Corporation, Bank Road, New Cotton Market, Hubli, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1978.

[No. S-35019(47)/79-PF. III]

का० आ० 1362.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टेक्नोफील्ड सेल्स कारपोरेशन, 19, पारसी पंचायत रोड, पंचेती (पूर्व), मुम्बई, 69, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(75)/78-पी० एफ०-II(i)]

S.O. 1362.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Technofield Sales Corporation, 19, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-69, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S. 35018(75)/78-PF. II(i)]

का० आ० 1363.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारी उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परलकु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1977 से मैसर्स

टेक्नोफील्ड सेल्स कारपोरेशन, 19, पारसी पंचायत रोड, ओमेरी (पर्सी) मुम्बई-69, नामक स्थापन को उक्त प्राप्ति के प्रयोगनां के लिए विविध विषय लागती है।

[सं. एस० 35018(75)/78-पी० एफ०-II(ii)]

S.O. 1363.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to Section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1977 the establishment known as Messrs. Technofield Sales Corporation, 19, Parsi Panchayat Road, Andheri (East), Bombay-69, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(75)/78-PF. II(ii)]

का० आ० 1364.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रिमों एस्टेट (नेल्लावूर) मेपाडी, ओमर्हानाड ग्राम दक्षिण वाईनाड तालुक, कोझीकोड जिला, जिसके अंतर्गत कम्बलक्कड पार्सी बाटुपाटा रास्ते पर सम्बद्ध नियोजन श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

मह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस० 35019(276)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 1364.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Relon Estate (Nellanur) Meppadi, Mropainad Village, South Wynad Taluk, Kozhikode District including its branch at Kamblakkad Post Office, Kottathara Village, South Wynad Taluk, Kozhikode District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1978.

[No. S. 35019(276)/78-PF.II]

का० आ० 1365.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चूजहनी एस्टेट, कालपट्टा डाकघर कोट्टापाडी ग्राम, दक्षिण वाईनाड तालुक, कोझीकोड जिला, जिसके अंतर्गत (1) नेल्लावूर एस्टेट, मप्पडी, मूपईनाड ग्राम, दक्षिण वाईनाड, तालुक, कोझीकोड और (2) उद्यम स्टेट, कालपट्टा डाकघर कोट्टापाडी ग्राम दक्षिण वाईनाड तालुक, कोझीकोड जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

मह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. 35019(277)/78-पी० एफ०-II]

S.O. 1365.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chuzhali Estate, Kalpatta Post Office Kottapadi Village, South Wynad Taluk, Kozhikode District including its branches at (1) Nallavur Estate, Mappadi, Meopainad, Village, South Wynad, Taluk, Kozhikode and (2) Udayam Estate, Kalpatta Post Office Kottapadi Village, South Wynad Taluk, Kozhikode District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1978.

[No. S. 35019(277)/78-PF. II]

जृष्ठ विधानी, 12 अप्रैल, 1979

का० आ० 1366.—मैसर्स सलैम स्टोच लिमिटेड, सलैम-636005 नेल्लावूर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन छूट देने के लिए प्रावेदन किया है;

प्रावे केन्द्रीय सरकार की राय में अधिदाय की दरों की बाबत उक्त स्थापन के भविष्य निधि नियम, उसके कर्मचारियों के लिए उन नियमों से कम अनुकूल नहीं है जो उक्त अधिनियम की धारा 6 में विविध हैं। कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि की अन्य प्रमुखियाओं का भी उपयोग कर रहे हैं जो उन प्रमुखियाओं से कम अनुकूल नहीं हैं, जो उसी प्रकार के किसी अन्य स्थापन के कर्मचारियों के मांसंध में, उक्त अधिनियम के प्रतीन और कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रतीन उपबंधित हैं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और इसमें उपाधारा अनुसूची में विविध शर्तों के प्रतीन रखने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त स्थापन को उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अन सूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक निरीक्षण के लिए ऐसी मुद्रित धारा 17 के विविध नियमों के लिए नियोजन की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) के अधीन नमय-नमय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए नियोजनों का पालन करेगा।

2. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन—

(i) उक्त स्थापन के भविष्य निधि में (जिसे इसमें प्रागे भविष्य निधि कहा गया है) अधिकारों के विनियोग की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) के अधीन नमय-नमय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए नियोजनों के अनुमार विनियोग करें और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अधिकारों के विनियोग के लिए जिम्मेदार होंगे;

(ii) यह व्यापार रखने के लिए सम्यक मावधानी बरतेगा कि उक्त स्थापन की बाबत गठित न्यासी बोर्ड, भविष्य निधि अधिकारों को केन्द्रीय सरकार द्वारा नमय-नमय पर जारी किए गए नियोजनों के अनुमार विनियोग करें और उक्त न्यासी बोर्ड द्वारा भविष्य निधि अधिकारों के विनियोग के लिए जिम्मेदार होंगे;

3. नियोजक प्रावेदिक भविष्य निधि प्राप्ति को ऐसी विवरणीय सेजेना जो केन्द्रीय सरकार, नमय-नमय पर, निर्दिष्ट करें।

4. नियोजक प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक नेत्रा विवरण या पास बुक देगा ।

5. भविष्य निधि के प्रणाली पर, जिसके प्रत्येक नेत्राओं का रखा जाना, नेत्राओं प्रीर विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, मंचन का प्रत्यरूप, निरीक्षण प्रभारों आदि का संशय भी है, होने वाले सभी घटपातों का बहुत नियोजक करेगा ।

6. नियोजक प्रति वर्ष हर एक सदस्य के बातें में ऐसी दर पर, जो न्यासी बोर्ड अवधारित करे तथा जो उम दर से कम नहीं होती जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार अवधारित करे, व्याज जमा करेगा ।

7. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रत्युमोदित रूप में भविष्य निधि नियमों को और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तो ऐसे संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उस की मुख्य बातों का अनुवाद भी स्थापन के सूचना पट्ट पर, प्रदर्शित करेगा ।

8. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी निधि) या छूट प्राप्त कियी प्रत्येक स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही से मदद्य है, उसके स्थापन में नियोजित होता है, तो नियोजक स्थापन की निधि के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज कर देगा और ऐसे कर्मचारी की बाबत उसके पिछले संबंधों को स्वीकार करके उसके बातें में जमा कर देगा ।

9. यदि उस वर्ग के स्थापनों के लिए, जिसमें नियोजक का स्थापन आवश्यक है, भविष्य निधि के अभिवाधों की दूर कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के अधीन बढ़ा दा जाता है, तो नियोजक भविष्य निधि के अभिवाधों को दूर समूकित रूप से बढ़ा देगा जिससे कि स्थापन की भविष्य निधि स्कोर के अधीन की प्रतुक्तिधार्य उन प्रतुक्तिधार्यों से कम प्रतुरूल न हो जाएं जिनको व्यवस्था उक्त अधिनियम के अधीन की गई है ।

10. स्थापन अपने भविष्य निधि का लेकापरीक्षित तुलनपत्र हर वर्ष प्रादेशिक भविष्य निधि प्राप्ति, तमिलनाडु को वर्ष समाप्त होने से तीन मास के भीतर भेजेगा ।

11. स्थापन के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु के पूर्व प्रतुमोदित के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हितों पर प्राकृतिक प्रभाव पड़ना समाध्य हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि प्राप्ति, तमिलनाडु उसे प्रतुमोदित करने से पूर्व, कर्मचारियों का प्रपता दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रसर देगा ।

[सं. एस. 35014/5/79-पी. पक्ष II]

हस राज ठाक्कर, उप सचिव

New Delhi, the 12th April, 1979

S.O. 1366.—Whereas Messrs. Salem Steel Limited Salem 636005 Tamil Nadu (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952);

And whereas in the opinion of the Central Government, the rules of the provident fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable than those specified in section 6 of the said Act, and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said Scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act, and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

10 GI/79-8

SCHEDULE

(1) The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), within 15 days from the close of every month.

(2) The employer in relation to the said establishment:—

(i) shall comply with the directions issued by the Central Government, from time to time, under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of the said Act in regard to the investment of contributions to the provident fund of the said establishment (hereinafter referred to as provident fund).

(ii) shall take due care to see that the Board of Trustees constituted in respect of that establishment invest the provident fund contributions in accordance with the directions issued by the Central Government, from time to time, and shall be responsible for such investment of the provident fund contributions by the said Board of Trustees.

3. The employee shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government may, from time to time, direct.

4. The employer shall furnish to each employee an annual statement of account of Pass Book.

5. All expenses involved in the administration of the provident fund including the maintenance of accounts, submission of accounts and returns, transfer of accumulations, payment of inspection charges, etc., shall be borne by the employer.

6. The employer shall credit, every year to the account of each member interest at such rates as may be determined by the Board of Trustees and such rate shall not be less than the one determined by the Central Government from time to time.

7. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the provident fund as approved by the Central Government and, as and when amended the amendments thereto, along with a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

8. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory Fund) or the Provident fund of another exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the fund of the establishment, and accept the past accumulations in respect of such employee and credit the same to his account.

9. The employer shall enhance the rate of provident fund contribution appropriately if the rate of provident fund contributions for the class of establishments in which his establishment falls is enhanced under the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), so that the benefits under the provident fund scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

10. The establishment shall submit an audited balance sheet of the provident fund every year to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu within three months of the close of the year.

11. No amendment of the rules of the provident fund of the establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to effect adversely the interests of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

[No. S. 35014(5)/79-PF. II]

HANS RAJ CHHABRA, Dy. Secy.

